खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 27° C
न्यूनतम : 14° C

हल्द्वानी, गुरुवार 26 मार्च 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 208 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

चैत्र कृष्ण पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2083 | 6 शव्वाल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

केवाईसी सख्ती से उप्र में 20 लाख एलपीजी कनेक्शन निष्क्रिय

पेज 2

मार्क्स स्टोइनिस और कूपर कोनोली पंजाब किंग्स टीम में शामिल हुए

खेल टाइम्स

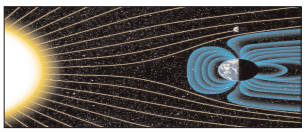

चंद्रमा के प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र का रहस्य

सम्पादकीय

ट्रम्प के लिए होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना मुश्किल!

पेज 12

ईरान की मिसाइलों से घबराकर भागा 'USS अब्राहम लिंकन'

ईरान ने मिसाइलों से किया अटैक, अमेरिकी युद्धपोत ने इलाका छोड़ा

ईरानी अधिकारी बोले- रेंज में आया, तो फिर हमला करेंगे

ईरानी सेना ने जंग के 26वें दिन की कार्रवाई

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उसने अमेरिका के सबसे ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को मिसाइलों से निशाना बनाया है। ईरान का कहना है कि उसके तटीय क्रूज मिसाइलों ने समुद्र में तैनात इस युद्धपोत को टारगेट किया।

इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और ज्यादा गंभीर बना दिया है। हालांकि इस हमले को लेकर अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ईरान की सेना के मुताबिक युद्ध के 26वें दिन यह कार्रवाई की गई। ईरानी नौसेना ने कहा कि अब्राहम लिंकन लगातार उसकी निगरानी में था और जैसे ही वह मिसाइल की रेंज में आया, उसे निशाना बनाया गया। ईरान ने साफ किया है कि वह अमेरिका के हर कदम पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई जारी रखेगा। इस बीच पाकिस्तान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को ईरान तक पहुंचाया है, लेकिन तेहरान ने बातचीत के संकेतों को खारिज कर दिया है। ईरान का दावा है कि उसने सफलतापूर्वक हमला किया, लेकिन अमेरिका की तरफ से इस पर कोई पुष्टि नहीं आई है। ऐसे में इस दावे की सच्चाई को लेकर सवाल बने हुए हैं। हालांकि यह साफ है कि दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है और सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। ईरानी नौसेना प्रमुख शहराम ईरानी ने कहा कि अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे ही यह बेड़ा मिसाइल रेंज में आएगा, उस पर और भी शक्तिशाली हमले किए जाएंगे।

भारत में ईंधन का कोई संकट नहीं: केंद्र सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों के बीच केन्द्र और राज्य संचालित तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है।

पिछले 48 घंटों के दौरान पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति बाधित होने की अफवाहें तेजी से फैलीं, जिससे देश के कुछ हिस्सों में लोगों में चिंताएं बढ़ीं और कुछ पेट्रोल पंपों पर भीड़ देखी गई। हालांकि अधिकारियों ने इन आशंकाओं को पूरी तरह निराधार बताया और कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत की ईंधन सुरक्षा मजबूत बनी हुई है। एक विस्तृत परामर्श में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी आपूर्ति श्रृंखलाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें पूरी तरह गलत हैं और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैलाई जा रही खबरें पूरी तरह निराधार हैं। भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार है और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य है। बीपीसीएल पूरी तरह संचालन में है और निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलेंडर

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समयसीमा में बदलाव को लेकर फैल रही खबरों को केंद्र सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बुकिंग नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और मौजूदा व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय के अनुसार, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। सरकार ने इन दावों को भ्रामक और गलत बताया है। एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन, जो सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे फैलाएं। साथ ही, अनावश्यक या घबराहट में एलपीजी बुकिंग करने से बचने की सलाह दी गई है।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं: SC

कोर्ट ने कहा: जब इसके लिए सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे, याचिका खारिज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं हैं। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामला सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच में था।

बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में 'वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा कि ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे। अदालत मुहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि हमें वह नोटिस दिखाइए जिसमें आपको राष्ट्रगान बजाने के लिए मजबूर किया गया है। आप एक स्कूल चलाते हैं, हमें यह भी नहीं पता कि वह मान्यता प्राप्त है या नहीं। इस पर उनके वकील ने कहा कि जो व्यक्ति वंदेमातरम गाने या राष्ट्रगीत के समय खड़े होने से इन्कार करता है, उस पर हमेशा बहुत बड़ा बोझ होता है। सलाह देने के बहाने लोगों को साथ गाने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि यह सिर्फ एक दृष्टिकोण है और लोग इससे असहमत हो सकते हैं। अगर आपके खिलाफ कोई एक्शन होता है, नोटिस आता है, तो आप फिर से कोर्ट आ सकते हैं। फिलहाल यह याचिका भेदभाव के एक अस्पष्ट अंदेशे के अलावा और कुछ नहीं है। गृह मंत्रालय ने 28 जनवरी को एक आदेश जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई।

रेप पीड़ित बच्ची को थाने बुलाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की बच्ची से रेप के मामले में असंवेदनशील रवैये के लिए हरियाणा पुलिस और बाल कल्याण समिति को जमकर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा पीड़ित से मिलने के बजाय उसे थाने बुलाना शर्मनाक है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस अफसरों को देखिए, उनकी पोजिशन देखिए। पुलिस स्टेशन में डीसीपी, एएसपी रहते हैं। इस अपराध में आपकी यही समझ है, तो फिर कानून किसे कहेंगे? यह शॉकिंग है। पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती? क्या वे राजा हैं? सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए हरियाणा कैडर की महिला आईपीएस अधिकारियों सहित तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

गुरुग्राम पुलिस से कहा: यह शॉकिंग, पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती, क्या वे राजा हैं

आर्थिक बोझ का हवाला देकर मुआवजा नहीं छीन सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2019 से पहले हुए भूमि अधिग्रहण मामलों में सोलातियम और ब्याज देने से जुड़े अपने फैसले पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है। इससे किसानों और जमीन मालिकों को राहत मिली है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि जमीन अधिग्रहण के मामलों में सही मुआवजा मिलना संवैधानिक अधिकार है। इसे कमजोर नहीं किया जा सकता। इसे सरकार पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ से नहीं जोड़ा जा सकता। पूरा मामला उन भूमि अधिग्रहण मामलों से जुड़ा है जो 2019 से पहले हुए थे, जिसमें प्रभावित लोगों को सोलातियम और ब्याज देने का सवाल था। एनएचएआई ने पहले के फैसले को चुनौती देते हुए पुनर्विचार याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए अपने पुराने फैसले को बरकरार रखा।

उप्र में रामनवमी पर 26-27 मार्च को अवकाश घोषित

लखनऊ। रामनवमी पर योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। पहले से घोषित 26 मार्च के सार्वजनिक अवकाश के साथ अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। मंदिरों में रामनवमी के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। हर साल इस पर्व पर बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं।

अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में बेंगलुरु में एफआईआर

बेंगलुरु। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को षड्यंत्रिक साजिश बताया है। उन्होंने 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है।

केंद्र से उड़ान 2.0 योजना को मंजूरी, 100 एयरपोर्ट बनेंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

- कैबिनेट बैठक में लिए कई अहम फैसले
- इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी IVFRT योजना पांच साल के लिए बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। इनमें 2030-35 के नए पर्यावरण लक्ष्य तय करना, मोडिफाइड उड़ान योजना को मंजूरी और इमिग्रेशन सिस्टम के आधुनिकीकरण के लिए आईवीएफआरटी 3.0 योजना शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि कैबिनेट ने मोडिफाइड रीजनल एयर कनेक्टिविटी योजना उड़ान 2.0 को मंजूरी दी है। इसके तहत 100 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे। इस पर 28,840 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कैबिनेट ने इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी आईवीएफआरटी 3.0 योजना को 31 मार्च 2031 तक 5 साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है। इसके लिए 1,800 करोड़ का बजट रखा गया है, जिसका इस्तेमाल इमिग्रेशन चेक पोस्ट पर एआई टूल्स, आइरिस स्कैनिंग (आंखों की स्कैनिंग) और बायोमेट्रिक आथेंटिकेशन के लिए इस्तेमाल होगा। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत ने जीडीपी के मुकाबले उत्सर्जन तीव्रता (एमिशन इंटेंसिटी) में 36 फीसदी की कमी हासिल कर ली है। 2030 का एक लक्ष्य 2025 में ही हासिल कर लिया गया और 2026 में उसे पार भी कर लिया गया।

कांग्रेस को 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली। सरकार ने कांग्रेस पार्टी को उसके 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय और पांच रायसीना रोड स्थित युवा कांग्रेस कार्यालय को खाली करने को कहा है। सूत्रों के अनुसार संपदा निदेशालय ने नोटिस भेजकर कांग्रेस से ये दोनों कार्यालय 28 मार्च तक खाली करने को कहा है। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष अपना मुख्यालय इंद्रा भवन में स्थानांतरित कर लिया था, लेकिन वह 24 अकबर रोड पर अपना कार्यालय बनाए हुए है। नोटिस के संबंध में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह नोटिस दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार लोकतांत्रिक नहीं है। पार्टी इस मसले पर वैधानिक और राजनीतिक रूप से चर्चा कर आगे कदम उठाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस इस मसले पर अदालत का रुख अख्तियार करने की तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि करीब 48 वर्षों से 24 अकबर रोड के बंगले में कांग्रेस का मुख्यालय है।

संक्षिप्त समाचार

बीएसएफ ने एक पाक घुसपैठिए को किया गिरफ्तार

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के चौकस जवानों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास से एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने रामगढ़ सेक्टर में भल्लर सीमा चौकी के पास एक पाकिस्तानी व्यक्ति की हलचल देखकर उसे ललकारा और जब वह सीमा के इस तरफ आ गया, तो उसे पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार उसके पास से कोई भी आपत्ति. जनक चीज नहीं मिली और उसने अनजाने में सीमा पार कर ली थी। उन्होंने कहा कि आगे की कार्रवाई के लिए मामले की जांच की जा रही है।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे

नई दिल्ली। देश में सामान्य पेट्रोल और डीजल के दाम बुधवार को अपरिवर्तित रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87. 67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। सामान्य पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल में नरमी देखी गई और लंदन का ब्रेंट क्रूड का मार्च वायदा पांच प्रतिशत के करीब चढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गया। इससे पहले कच्चे तेल में तेज उछाल के बाद इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है।

पिछली सरकारों ने समाज को जातिवाद के आधार पर बांटा: योगी

बिना भेदभाव सबका पुनर्वास सरकार की प्राथमिकता

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सीएम ने बहराइच में 136 परिवारों के पुनर्वास को बांटे भूमि पट्टे के प्रमाणपत्र

लखनऊ/बहराइच। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के मिहिरपुरवा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास, शौचालय और आवास हेतु भूमि के पट्टों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए धनराशि डिजिटल माध्यम से हस्तांतरित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बहराइच की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए इसे सुहेलदेव के शौर्य की धरती बताया। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव का पराक्रम आज भी समाज को प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा उपेक्षित रहे करीब 500 परिवारों के पुनर्वास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार सेवा और संवेदना के आधार पर बिना किसी भेदभाव के 25 करोड़ प्रदेशवासियों के लिए कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि सरकार जाति, पंथ या संप्रदाय के आधार पर नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद को परिवार का हिस्सा मानकर योजनाओं का लाभ दे रही है। उन्होंने कहा कि इस पुनर्वास योजना में दलित, पिछड़े, जनजातीय समुदाय समेत विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी और जातिवाद के आधार पर समाज को बांटने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में माफिया, गुंडागर्दी और दंगों का माहौल रहता था, जिससे विकास बाधित होता था। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है और सभी त्योहार शांति व सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। नवरात्रि और आगामी रामनवमी के आयोजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में भयमुक्त वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर परिवार को सुरक्षित आवास, मूलभूत सुविधाएं और बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने भविष्य को सशक्त बना सकें।

कांग्रेस कब्जा संस्कृति की पर्याय बन चुकी है: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। दिल्ली में कांग्रेस के पुराने मुख्यालय 24 अकबर रोड को खाली करने के नोटिस के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 'कांग्रेस कब्जा संस्कृति की पर्याय बन चुकी है।' बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने नए मुख्यालय में शिफ्ट होने के बावजूद पुराने दफ्तर को खाली नहीं कर रही है, जबकि उसे सरकार को वापस कर देना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की ऐसी नीतियां गलत संदेश देती हैं और इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। गौरतलब है कि एस्टेट विभाग ने कांग्रेस को 24 अकबर रोड स्थित अपने पुराने मुख्यालय को 28 मार्च तक खाली करने का नोटिस दिया है। यह परिसर करीब 48 वर्षों तक कांग्रेस का केंद्रीय मुख्यालय रहा है।

केवाईसी सख्ती से उप्र में 20 लाख एलपीजी कनेक्शन निष्क्रिय

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ नौ महीने या उससे अधिक समय से सिलेंडर बुक नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं की पहचान कर रहीं कंपनियां

लखनऊ। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच तेल कंपनियों ने उप्र में एलपीजी वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है।

केवाईसी सत्यापन प्रक्रिया को सख्ती से लागू किया जा रहा है, जिसके चलते लखनऊ में 1. 10 लाख से अधिक और पूरे प्रदेश में करीब 20 लाख एलपीजी कनेक्शन अस्थाई रूप से निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्रदेश में कुल लगभग 4.87 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं। गैस कंपनियों के अधिकारी ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान कर रहे हैं, जिन्होंने नौ महीने या उससे अधिक समय से सिलेंडर बुक नहीं कराया। अधिकारियों के अनुसार कई मामलों में उपभोक्ताओं ने पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन ले लिया है या पता बदल लिया है, लेकिन यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सब्सिडी और गैस की आपूर्ति वास्तविक उपभोक्ताओं तक ही पहुंचे। तेल कंपनियों ने ऐसे उपभोक्ताओं को चिन्हित कर उनका कनेक्शन अस्थाई रूप से बंद कर दिया है। अब कनेक्शन को पुनः सक्रिय करने के लिए केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है। इस प्रक्रिया के चलते लखनऊ की गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भीड़ बढ़ गई है, जहां बड़ी संख्या में लोग अपने दस्तावेज अपडेट कराने पहुंच रहे हैं। आलमबाग निवासी आनंद चतुर्वेदी को भी इसी समस्या का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि सिलेंडर बुक न होने पर उन्हें पता चला कि उनका कनेक्शन निष्क्रिय हो चुका है और अब दोबारा केवाईसी कराना जरूरी है, क्योंकि कनेक्शन उनके दिवंगत पिता के नाम पर था। सूत्रों के मुताबिक शहर की प्रत्येक गैस एजेंसी में 1200 से 1500 तक निष्क्रिय कनेक्शन हैं। हालांकि एजेंसी संचालकों का कहना है कि यह प्रक्रिया सिस्टम में मौजूद अनियमित और निष्क्रिय कनेक्शनों को हटाने में मदद कर रही है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि सब्सिडी और गैस आपूर्ति सही उपभोक्ताओं तक पहुंचे। केवाईसी पूरा होते ही कनेक्शन तुरंत सक्रिय किए जा रहे हैं। ऑल इंडिया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन, यूपी चैप्टर के अध्यक्ष जगदीश राज ने माना कि इस प्रक्रिया ने संचार और सिस्टम में कुछ खामियों को भी उजागर किया है। वहीं, एडीएम (सिविल सप्लाई) ज्योति गौतम ने कहा कि एलपीजी वितरण को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए केवाईसी बेहद जरूरी है और इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाना चाहिए।

एमओयू से पहले एआई से ही पूछ लेते

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पार्क की स्थापना को लेकर हुए एमओयू को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार को एमओयू करने से पहले कम से कम एआई (एआई) से ही इस कंपनी की 'पूच' (पहुंच) के बारे में पूछ लेना चाहिए था। बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए अखिलेश यादव ने कहा कि अपने आस-पास के ऐसे 'फ़ाइव परसेंटिया' घूसखोर व खुदगर्ज लोगों से बचना चाहिए, जो आपकी अनभिज्ञता या अज्ञान का दुरुपयोग करते हैं। इससे आपकी एआई (आर्टिफिशियल इमेज) मतलब ले-दे के बनाई गई 'कृत्रिम छवि' पर भी बहुत खराब प्रभाव पड़ता है, साथ ही आपके समय में धूमिल हुई प्रदेश की असली छवि और भी अधिक बद से बदहाल होती है। उन्होंने कहा कि इन भ्रष्ट कांडों के उजागर होने से अच्छे, सच्चे और ईमानदार निवेशक हतोत्साहित भी होते हैं, और प्रदेश में निवेश करने से विमुख भी होते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि आप तो लौट जाएंगे लेकिन प्रदेश को तो जनता का खडाल रखना है, यही सोचकर कम-से-कम एक तो अच्छा काम करते जाइए। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व 'इन्वेस्ट यूपी' ने पूच एआई (पूच एआई) नाम की कंपनी के साथ प्रदेश में एआई पार्कों के विकास के लिए 25 हजार करोड़ रुपये के निवेश का समझौता किया है।

बयान देकर फंसे एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। उप्र में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक तपिश अभी से बढ़ने लगी है। इस बीच ए बयान देकर फंसे एआईएमआईएम उप्र के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने खुद के एनकाउंटर की संभावना जताई है। उन्होंने कहा है कि हमें तो लगता है जल्द ही हमारा एनकाउंटर भी हो सकता है, क्योंकि हम उर्दू नाम वाले हैं। इस बाबत बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा है कि मेरठ पुलिस द्वारा मेरे और मेरी पार्टी के लोगों के ऊपर राजनीतिक दबाव में फर्जी तरीके से मुकद्दमा दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि मेरे बयान को पूरा सुनना चाहिए था, लेकिन बगैर जांच के हम पर कार्यवाही की गई।

पदोन्नति का संशोधन भी हो: आजाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से आज़ाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने केंद्र सरकार के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक यानी सीएपीएफ बिल 2026 पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यहां पर ग्रुप ए के अधिकारियों के साथ भेदभाव हो रहा है, हम सुनिश्चित करेंगे कि इसमें समय पर पदोन्नति का संशोधन भी शामिल हो सके।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि सीएपीएफ बिल राज्यसभा में पेश होने वाला है। मंगलवार को मैंने जीरो ऑवर में विषय लगाया था, लेकिन चूंकि इसे छोड़ दिया गया, मैं अपनी बात नहीं रख पाया, सीएपीएफ हमारे केंद्रीय बल की संख्या दस लाख से ज्यादा है। नगीना सांसद ने कहा कि पहले हमें समझना पड़ेगा कि हमारे जो सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, बीएसएफ-एसएसबी और आईटीबीपी ये वो बल हो, जो अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर देश के लिए शहादत देता है और लड़ाई लड़ता है। असम, मणिपुर और छत्तीसगढ़ हो, नक्सल-प्रभावित, सशस्त्र संघर्ष और आतंक प्रभावित क्षेत्र हो, सब जगह प्रथम पंक्ति में खड़े होकर शहादत देता है। ऑपरेशन सिंदूर में भी एसआई इम्तियाज ने शहादत दी। संसद से लेकर वीआईपी सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा हो हर जगह हमारा ये बल सुरक्षा प्रदान करता है। लेकिन वहां ग्रुप-ए अधिकारियों के साथ जिस तरह का भेदभाव हो रहा है, वो गलत है। हमें अपनी फोर्स का मनोबल बढ़ाना चाहिए, लेकिन हम उनका मनोबल कम कर रहे हैं, लगातार हम उनका प्रमोशन नहीं दे रहे हैं, उनकी परेशानी नहीं सुन रहे, जब देश की सेवा करने वालों का मनोबल गिर जाएगा।

महिला आरक्षण को लेकर मोदी का यू टर्न: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर 'नारी वंदन अधिनियम, 2023' के लागू होने के मामले में ष्अचानक यू-टर्नष लेने का आरोप लगाया और इसे जरूरी राष्ट्रीय मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया। रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सितम्बर 2023 में जिस नए संसद भवन का उद्घाटन हुआ था, वहीं इस ऐतिहासिक कानून को पारित किया गया था। इस कानून के जरिए संविधान में संशोधन करके लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया था। इस कानून में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों के भीतर भी एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान शामिल था। उन्होंने कहा कि इन आरक्षणों को लागू करने का काम स्पष्ट तौर पर परिसीमन और जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने से जोड़ा गया था।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर

प्रयागराज। यौन उत्पीड़न मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। ये फैसला जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की सिंगल बेंच ने सुनाया है। इससे पहले 27 फरवरी को हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस मामले में इससे पहले 27 फरवरी को फैसला सुरक्षित रखने के साथ ही हाईकोर्ट ने कहा था कि फैसला आने तक उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। कोर्ट के इस आदेश के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा था कि हमारे वकील ने बताया कि कोर्ट में विस्तार से चर्चा हुई। न्यायालय ने फैसला रिजर्व किया है, गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। जज समझ रहे हैं कि ये मामला ही फर्जी है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ये भी कहा था कि कोर्ट में भी यह बात प्रमाणित हो गई है कि वो बालक यहां मठ में कभी नहीं रहे। कोर्ट ने भी यह कहा कि बच्चों को जुवेना. इल बोर्ड की कस्टडी में दिया जाए। इससे पहले अविमुक्तेश्वरा नंद सरस्वती मामले में उनकी अग्रिम जमानत अर्जी की पोषणीयता पर बहस हुई थी, जिसमें राज्य सरकार और शिकायतकर्ता के अधिवक्ताओं ने अग्रिम जमानत का विरोध किया था।

स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजुविनेशन ऑथरिटी (SARRA)
जिला स्तरीय कार्यकारी समिति, अल्मोड़ा।

पत्रांक: 953/तक0-03/SARA (04)/2025-26: अल्मोड़ा दिनांक: 20 मार्च, 2026

स्थापना

उत्तराखंड सरकार ने दिनांक 17 नवंबर, 2023 के आदेश संख्या 169384/2023-07(05)(XIII-A-1) के तहत स्प्रिंग और नदी कायाकल्प प्राधिकरण (SARRA) की स्थापना की है, जो उत्तराखंड सरकार के जल संभरण विभाग के अंतर्गत आता है।

जिला स्तरीय कार्यकायरी समिति-

- जिलाधिकारी, अल्मोड़ा - अध्यक्ष।
- मुख्य विकास अधिकारी, अल्मोड़ा-उपाध्यक्ष।
- डी.पी.डी., जलागम प्रबन्धन, अल्मोड़ा-सदस्य सचिव।
- जनपदस्तरीय रेखीय विभाग -सदस्य।
- गैर सरकारी प्रतिनिधि -सदस्य।

विजन

उत्तराखंड राज्य में झरनों और वर्षा आधारित नदियों के निरंतर जल प्रवाह, बारहमासी बहाव और स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए।

उद्देश्य

अधिकतम वर्षा जल का संरक्षण और संग्रहण करने के लिए, विभिन्न मृदा और जल संरक्षण उपायों के माध्यम से झरनों और वर्षा आधारित नदियों में जल प्रवाह और बहाव को बढ़ाने के लिए, और साथ ही इसकी निगरानी और रख रखाव के लिए सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चि तकरने के लिए।

अल्मोड़ा जनपद अन्तर्गत स्वीकृत डी0पी0आर0-

- जटागंगा (धौलादेवी विकासखण्ड)
- सिरोतागाड़(ताड़ीखेत विकासखण्ड)

सदस्य सचिव,
जिला स्तरीय कार्यकारी समिति (SARRA)/ उप परियोजनानिदेशक,
जलागम प्रबन्धन, अल्मोड़ा।

उपाध्यक्ष,
जिला स्तरीय कार्यकारी समिति(SARRA)/
मुख्य विकास अधिकारी,
अल्मोड़ा।

अध्यक्ष,
जिला स्तरीय कार्यकारी समिति
(SARRA)/
जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड, नैनीताल

पत्रांक : 2124/ल0सि0/वाहन कोटेशन/2025-26 दिनांक : 25/03/2026

-:अल्पकालीन कोटेशन नोटिस सूचना:-

लघु सिंचाई विभाग में शासकीय कार्यों के निर्वहन हेतु निम्न विवरणानुसार वाहन किराये पर लिये जाने हेतु कोटेशन सीलबन्द लिफाफे में दिनांक 01.04.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक लघु सिंचाई खण्ड,नैनीताल (स्थित विकास भवन भीमताल) में आमंत्रित किये जाते हैं जो कि उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं के समक्ष खोले जायेंगे, कोटेशन के साथ रू0 5000.00 (पांच हजार रूपये मात्र) की धरोहर राशि प्रपत्र जो कि अधोहस्ताक्षरी के नाम से बंधक हो,संलग्न कर जमा किया जाना अनिवार्य होगा। किसी भी कोटेशन को बिना बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

क0 सं0	वाहन का मेक	मुख्यालय जहां वाहन उपलबध कराया जाना है।	ईंधन की खपत किमी0/लीटर
1	अर्टिगा व समकक्ष डीजल/ पेट्रोल वाहन पूर्ण रख-रखाव, मरम्मत एवं चालक के साथ **(अन्य कोई भी टैक्स देय नहीं होगा)**	अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड,नैनीताल।	पहाड़ी क्षेत्रों में 10 किमी0/लीटर व मैदानी क्षेत्रों में 12 किमी0/लीटर

नोटः- कोटेशन से सम्बन्धित अन्य समस्त शर्ते लघु सिंचाई खण्ड,नैनीताल के कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती हैं।

अधिशासी अभियन्ता,
लघु सिंचाई खण्ड, नैनीताल

UTTARAKHAND

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, चम्पावत

Mo & Fax No. 05965-230034

E-Mail : eechampawat@rediffmail.com E-Mail : eechampawat@gmail.com

पत्रांक : 629/5ए0सी0 दिनांक : 25/03/2026

अल्प कालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रा0ख0, लोक निर्माण विभाग, चम्पावत द्वारा निम्नलिखित कार्यो की मोहरबंद निविदा दिनांक 10-04-2026 के अपरान्ह 12:00 बजे तक आंमत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र दिनांक 27-03-2026 से दिनांक 09-04-2026 तक किसी भी कार्य दिवस (राजकीय अवकाश को छोड़कर) में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 10-04-2026 अपरान्ह 12:00 बजे तक इन्ही कार्यालयों में डाले जा सकते है।

(1) अधीक्षण अभियन्ता तृतीय वृत्त लो0नि0वि0 पिथौरागढ (3) अधिशासी अभियन्ता,प्रान्तीय खण्ड,लो0नि0वि0 पिथौरागढ
(2) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड,लो0नि0वि0 चम्पावत। (4) अधिशासी अभियन्ता,निर्माण खण्ड,लो0नि0वि0 लोहाघाट।

क0 स0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	निविदादाताओं के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1-	निक्षेप मद के अन्तर्गत शारदा राजि अन्तर्गत वन विश्राम भवन टनकपुर में एक मंजिला चौकी का निर्माण कार्य।	31500.00	1500 + GST	06माह	45 दिन	भवन कार्य में "डी" एवं उच्चतर
2-	निक्षेप मद के अन्तर्गत शारदा राजि अन्तर्गत पुराना रेंज कार्यालय परिसर में एक मंजिला चौकी निर्माण कार्य	33000.00	1500 + GST	06माह	45 दिन	भवन कार्य में "डी" एवं उच्चतर
3-	जिला योजना वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत नवीन विश्राम गृह निर्माण कार्य मद के अन्तर्गत मा0 मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय टनकपुर में अवशेष निर्माण कार्य।	44000.00	2000 + GST	06माह	45 दिन	भवन कार्य में "डी" एवं उच्चतर
4	वर्ष 2026-27 में वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत पुनावे सिप्टी मोटर मार्ग के किमी0 1 में कोल्डमिक्स द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	32000.00	1500 + GST	04माह	45 दिन	मार्ग कार्य में "डी" एवं उच्चतर

निविदा **दिनांक 10-04-26** को **अपरान्ह 3:00 बजे** उपस्थित निविदाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष **अधिशासी अभियन्ता, प्रा0ख0, लो0नि0वि0 चम्पावत** के कार्यालय में गठित समिति द्वारा खोली जायेगी। शासनादेश सं0 2238817/2024/08(200)XXXVII(8)2023 दिनाँक 10 जुलाई 2024 के अनुपालन में निविदादाता द्वारा निविदा प्रपत्र के साथ निविदा सम्बन्धी अदेय प्रमाण पत्र, आर-1,3-बी,(No Due Certificate) तथा समस्त देय विवरण (Statement)एवं विवरण (return)जमा होने से सम्बन्धी प्रमाण पत्र को निविदा प्रपत्रों के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदा निरस्त मानी जायेगी, शेष अन्य शर्ते निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 एम0सी0 पलडिया)
अधिशासी अभियन्ता
प्रा0ख0,लो0नि0वि0 ,चम्पावत

उत्तराखंड वीर उद्यमी योजना को मंजूरी

■ कैबिनेट विस्तार के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद बुधवार पहली बार धामी कैबिनेट की पहली फुल बैठक हुई। कैबिनेट के फैसलों में न्यायिक अधिकारियों को ई-व्हीकल पर ब्याज छूट देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही फ्री बिजली योजना में सब्सिडी-वसूली एक्ट को भी मंजूरी दे गई है।

लोक निर्माण विभाग में 1 करोड़ से ऊपर की कंसल्टेंसी को पास किया गया। न्याय विभाग में न्याय कर्मचारियों को नॉमिनल इंटरेस्ट रेट पर 10 लाख रुपए का सॉफ्ट लोन ले सकेंगे। वन विभाग ने मुख्य प्रशासनिक पद हेतु न्यूनतम सेवा 25 वर्ष का प्रावधान था कार्मिक विभाग में 22 वर्ष, अब कार्मिक विभाग की तर्ज पर प्रशास. निक पद के लिए न्यूनतम सेवा 22वर्ष की गई। ऊर्जा विभाग में सब्सिडी का लाभ 31 मार्च 2025 तक ही मिलेगा।

उच्च शिक्षा विभाग स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के प्रीमियम को लेकर प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा धामी कैबिनेट ने गृह विभाग 2025 में बनी नियमावली को लागू करने की अनुमति दे दी है। साथ ही गृह विभाग में उत्तराखंड होमगार्ड के लिए नियमावली बनाई गई है।

इसे भी कैबिनेट में मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने गृह विभाग भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद, प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ को रखने की अनुमति दे दी है।

कैबिनेट बैठक में कार्मिकों को लेकर भी बड़ा फैसला हुआ है। कार्मिक विभाग में सिपाही और उप निरीक्षक पदों के लिए नियमावली बनाई गई थी। जिसके हिसाब से अब घटी हुई सीमा के बाद उन्हें दोबारा मौका दिया जाएगा. जिसमें पुलिस पीएसी, अग्निशमन, प्लाटून आदि मौजूद हैं।

कैबिनेट बैठक में हुआ नए मंत्रियों का स्वागत

■ प्रधानमंत्री के संदेश पर जताया आभार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक की शुरुआत में मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और राज्य के विकास कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्राप्त शुभकामना संदेश के संबंध में मंत्रिमंडल को अवगत कराया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के संदेश का विधिवत वाचन किया।

प्रधानमंत्री के शुभकामना संदेश पर राज्य मंत्रिमंडल ने आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य सरकार के लिए प्रेरणादायक बताया। मंत्रिमंडल के सदस्यों ने कहा कि यह संदेश राज्य के विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक गति देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बैठक में राज्यहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा जारी है।

कैबिनेट के फैसले

1. लोक निर्माण विभाग के एडीबी (एशियाई विकास बैंक) समर्थित पुल सुधार परियोजना उत्तराखण्ड के तहत ली गई कंसलटेंसी के 01 करोड़ से ऊपर की धनराशि के टेण्डर को मंत्रीमण्डल द्वारा दिया गया अनुमोदन।
2. न्याय विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य में सेवारत न्यायिक अधिकारियों को वाहन क्रय करने के लिए नॉमिनल इंटरेस्ट रेट पर 10 लाख रूपये तक सॉफ्ट लोन की सुविधा अनुमान्य किये जाने का कैबिनेट द्वारा किया गया अनुमोदन। इसके तहत इंटरेस्ट रेट इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए 4 प्रतिशत तथा अन्य वाहनों के लिए 5 प्रतिशत है।
3. वन विभाग के अन्तर्गत मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पद हेतु न्यूनतम सेवा 25 वर्ष का प्राविधान था, जिसे कार्मिक विभाग की व्यवस्था के अनुरूप 25 वर्ष से घटाकर 22 वर्ष वर्ष किये जाने का मंत्रीमण्डल द्वारा दिया गया अनुमोदन।
4. ऊर्जा विभाग की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत भारत सरकार के साथ ही राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी दी जा रही थी, जिसे बाद में समाप्त कर दिया गया था। इसके तहत 31 मार्च, 2025 तक जिन लोगों के संयत्र लग चुके थे, उनको इस सब्सिडी का लाभ दिये जाने का कैबिनेट प्रदान की अनुमति।
5. उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2023 की धारा 36 के प्रावधानानुसार स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्याालय जनपद देहरादून से संबंधित या उससे अनुषांगित विषयों का उपबन्ध एवं नियमन करने के लिए परिनियम के प्रख्यापन की कैबिनेट ने दी मंजूरी।
6. गृह विभाग के अन्तर्गत वर्ष 2025 में उत्तराखण्ड लोक और निजी सम्पत्ति वसूली अधिनियम बनाया गया था, जिसमें नियमावली बनाने के लिए परामर्शी विभागों (वित्त, न्याय और विधायिकी) से परामर्श लेकर नियमावली लागू करने की मंत्रिमण्डल द्वारा दी गई अनुमति।
7. गृह विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड होमगाड्र्स समूह 'क' एवं 'ख' सेवा संशोधन नियमावली के प्रख्यापन को मंत्रीमण्डल की मिली अनुमति। इसके तहत वर्ष 2024 में होम गाड्र्स विभाग के अन्तर्गत केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान हेतु कमाडेंट का पद सृजित किया गया था, जिसकी नियमावली न बनने के कारण प्रमोशन बाधित हो रहे थे।
8. गृह विभाग के अन्तर्गत भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद डिजिटाइजेशन की व्यवस्था और कम्प्यूटर आधारित अंवेषण की व्यवस्था की गई थी, इसके तहत पुलिस कार्मिकों को कई तरह की ट्रेनिंग दिये जाने के लिए भारत सरकार की सेवा प्रदाता संस्था 'नेशनल इंस्ट्यूट फॉर इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी' (आईटी विभाग के अर्न्तगत) विशेषज्ञों की नियुक्ति का मंत्रीमण्डल द्वारा किया गया अनुमोदन।
9. कार्मिक विभाग के अन्तर्गत वर्दीधारी सिपाही पदों और वर्दीधारी उप निरीक्षक पदों (पुलिस, पीएससी, आईआईआरबी, प्लाटून कमान्डर, अग्निशमन अधिकारी, वन दरोगा) की सीधी भर्ती के लिए वर्ष 2023 में एकीकृत नियमावली बनाई गई थी, जिसके तहत कुछ पदों के लिए आयु सीमा और हाइट बढ़ी-घटी थी। इस संबंध में आगामी तीन वर्ष तक पूर्व की नियमावली की व्यवस्था बनाये रखने का कैबिनेट द्वारा दिया गया अनुमोदन।
10. माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत मा. न्यायालय द्वारा लिये गये निर्णयानुसार एडेड स्कूल बनने से पूर्व शिक्षकों की सेवा को प्रोन्नति के लिए मान्य करने को लेकर प्रस्ताव में मंत्रीमण्डल द्वारा उप समिति बनने का अनुमोदन दिया गया।
11. खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अन्तर्गत रवि विपणन सत्र 2026-27 में विकेन्द्रीयकरण के अन्तर्गत मूल्य समर्थन हेतु गेहूं खरीद के प्रस्ताव को भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति कुन्तल का लाभ दिये जाने हेतु मा. मंत्रीमण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया। इसके तहत राजकीय कृषकों से 2.2 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य भी रखा गया है।
12. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अन्तर्गत भारत सरकार से निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर रबी और खरीब सत्रों में की जाने वाली गेहूं और धान खरीद पर भारत सरकार द्वारा अनुमन्य मण्डी शुल्क 02 प्रतिशत ही लिये जाने का कैबिनेट ने दिया निर्णय।
13. उद्योग विभाग द्वारा प्रस्तावित नई योजना 'उत्तराखण्ड वीर उद्यमी योजना 2026' को मश मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना को सप्लीमेंटरी योजना के तहत प्रस्तावित किया गया है, इसके तहत मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लक्ष्य के सापेक्ष 10 प्रतिशत लक्ष्य पूर्व सैनिक एवं पूर्व अग्निवीरों के लिए रिजर्व रखा जायेगा। यदि परिवार में पति-पत्नी दोनों ही पूर्व सैनिक या पूर्व अग्निवीर हैं, तो दोनों को लाभ देने तथा 5 प्रतिशत सब्सिडी भी दिये जाने की कैबिनेट ने मंजूरी दी। इसके तहत पर्वतीय क्षेत्रों के लिए 02 लाख रूपये तक में 30 प्रतिशत, 02 से 10 लाख तक में 25 प्रतिशत तथा 10 से 25 लाख रूपये में 30 प्रतिशत की सब्सिडी दी जायेगी। जबकि मैदानी क्षेत्रों में 02 लाख रूपये तक में 25 प्रतिशत, 02 से 10 लाख तक में 20 प्रतिशत तथा 10 से 25 लाख रूपये में 15 प्रतिशत की सब्सिडी दी जायेगी।
14. नियोजन विभाग के अन्तर्गत राज्य योजना आयोग के स्थान पर सेतु आयोग के गठन, उसके कार्यक्षेत्र एवं संगठनात्मक ढांचा निर्माण की कैबिनेट द्वारा दी गई अनुमति।
15. विधायी और संसदीय विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड की पंचम विधान सभा सत्र 2026 का सत्रावसान करने का मंत्रिमण्डल द्वारा दिया गया अनुमोदन।

स्वरोजगार से जुड़ेंगे 50 हजार युवा

देहरादून। प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना 2.0 के तहत 'वीर उद्यमी योजना- 2026' को पूरक योजना के रूप में तैयार किया है। योजना के जरिए युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए बड़े स्तर पर रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना 2.0 के साथ पूरक (सप्लीमेंटरी) स्कीम के रूप में चलाई जाएगी। सरकार का लक्ष्य मार्च 2025 से मार्च 2030 तक 50 हजार से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ना है। योजना के तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 25 लाख रुपये तक और सर्विस एवं ट्रेड सेक्टर में 10 लाख रुपये तक के प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलेगी। लाभार्थियों को कोलैटरल फ्री बैंक ऋण दिया जाएगा, जबकि विशेष वर्गख्रजैसे अनुसूचित जाति, जनजा. ति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, दिव्यांग और भूतपूर्व सैनिक को केवल 5 प्रतिशत अंशदान करना होगा।

जनजातीय समाज राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार: सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में राज्य जनजातीय महोत्सव 2026 में किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज परेड ग्राउंड, देहरादून में राज्य जनजातीय शोध संस्थान, उत्तराखंड द्वारा आयोजित उत्तराखंड राज्य जनजातीय महोत्सव 2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर देश के 12 राज्यों से आए जनजातीय वर्ग के प्रतिनिधियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और परंपराओं के माध्यम से महोत्सव को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने थारू लोक गायिका स्वर्गीय रिंकू देवी राणा एवं दर्शन लाल को 'आदि गौरव सम्मान' से सम्मानित किया। साथ ही, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 14,272.185 लाख रुपये की पेंशन 'वन क्लिक' के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की जीवंत विरासत, सादगीपूर्ण जीवन-दर्शन और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि यह मंच जनजातीय भाई-बहनों की पीढ़ियों से संजोई गई लोक परंपराओं और संस्कृति को व्यापक पहचान दिला रहा है तथा राज्य जनजातीय शोध संस्थान को इस भव्य आयोजन के लिए साधुवाद दिया।

■ 12 राज्यों के जनजातीय प्रतिनिधियों की सहभागिता से महोत्सव बना राष्ट्रीय मंच

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज भारतीय संस्कृति की समृद्ध विविधता और प्राचीन परंपराओं का सशक्त आधार है। यह समाज प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीते हुए सतत विकास और सहअस्तित्व का मार्ग दिखाता है तथा सीमांत क्षेत्रों में रहते हुए राष्ट्र की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में आवश्यकता है कि जनजातीय परंपराओं, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय उत्पादों को संरक्षित करते हुए नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, स्वाभिमान और विकास के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन की पहचान है। इसी सोच के तहत 'एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय', 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान', 'वन धन योजना' और 'प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन' जैसी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनसे शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर सृजित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी तथा जनसहभागिता से उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प अवश्य पूर्ण होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, विधायक श्रीमती सविता कपूर, अपर सचिव संजय सिंह टोलिया, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय प्रतिनिधिमंडल तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण व जलवायु संरक्षण हम सबका दायित्व: राम सिंह

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के पर्यावरण संरक्षण मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित पुराने नौलों, गाड़- गधेरों जोकि सुखने की कगार पर हैं साथ ही पर्यावरण व जलवायु के संरक्षण का दायित्व हम सबका है और प्रदेश सरकार इस दिशा में गम्भीरता और प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। पर्यावरण संरक्षण मंत्री ने विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्वतीय क्षेत्रों में पेड़-पौधे लगाने पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रयास से पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित पुराने नालों का भी संवर्धन भी हो पायेगा जिससे पानी के स्रोत भी रीचार्ज हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीवन भी बचेगा। उन्होंने कहा कि पहाड़ों में पेड़ अधिक से अधिक लगाने साथ ही पानी को कैसे संरक्षित किया जाए इस दिशा में प्रदेश सरकार ठोस कदम उठा रही है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी पर्यावरण नियमों का उलंघन न हो इसके लिए निगरानी व्यवस्था की जाय तथा नियमों का उलंघन करने वालों पर ससमय उचित कार्यवाही की जाय। इस अवसर पर सचिव पर्यावरण आर के सुधांशु, अपर सचिव पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव कल्याणी तथा अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

■ पर्यावरण संरक्षण मंत्री ने अधिकारियों के साथ की बैठक ■ कहा, पेड़ लगाने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीवन भी बचेगा

प्रदेश के संतुलित एवं समावेशी विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित: सीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक कर राज्य के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन व्यवस्था को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों से अपेक्षा की कि वे जनपदों का नियमित भ्रमण कर संचालित विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक प्रगति का आकलन करें।

■ मंत्रीगण जनपद वार भ्रमण कर योजनाओं की करेंगे जमीनी समीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं का धरातल पर प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनपद स्तर पर विकास कार्यों की निरंतर निगरानी से न केवल योजनाओं की गुणवत्ता बेहतर होगी, बल्कि जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। उन्होंने मंत्रीगणों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी लें। जन- मन की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागीय मंत्री अपने विभागों की नियमित और गहन समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। सड़क, पेयजल, ऊर्जा, सिंचाई और भवन निर्माण जैसे विभाग यदि समन्वित रूप से कार्य करें तो विकास परियोजनाएं तय समय-सीमा में पूर्ण की जा सकती हैं और जनता को शीघ्र लाभ मिल सकता है।

स्वास्थ्य पर्यटन योजना से रोजगार अवसरों की सेहत में आने लगा सुधार

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड में आयुष आधारित स्वास्थ्य पर्यटन योजना से रोजगार अवसरों की सेहत में सुधार आने लगा है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि 27 ऐसी परियोजनाओं के कार्यशील होने से 1285 रोजगार के नए प्रत्यक्ष अवसर सृजित हुए हैं।

राज्यसभा के पटल पर भट्ट द्वारा उत्तराखंड में आयुष आधारित स्वास्थ्य पर्यटन की योजनाओं की प्रगति को महत्वपूर्ण जानकारी मांगी गई। जिसके जबाब में आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि राज्य में आयोजित निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 के परिणामस्वरूप, राज्य में कुल 27 आयुष-आधारित स्वास्थ्य पर्यटन परियोजनाओं की परिकल्पना की गई है। उन्हें कार्यशील करते हुए निवेशकों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के अनुसार, इन परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए 1,285 रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

■ राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के सवाल के जवाब में मिली जानकारी

इसी तरह उत्तराखंड में नये आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान को लेकर मांगी जानकारी पर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, उन राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों को आयुर्वेद सहित नए आयुष महाविध्द्यालयों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है, जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है। तदनुसार, राज्य, संघ राज्य क्षेत्र, एनएएम के दिशा-निर्देशों के अनुसार, अपनी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके अपने लिए ऐसी वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद एक स्वायत्त संगठन है, जो रानीखेत (तारीखेत) में स्थित अपने क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान नामक परिधीय इकाई के माध्यम से उत्तराखंड राज्य सहित देश भर में प्रमुख अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करता है।

पारदर्शी और तेज होगी एम्पैनलमेंट प्रक्रिया: डॉ. राजेश

■ स्ट्रक्चरल इंजीनियरों के लिए सरकार का बड़ा सुधार कदम
■ बैठक में आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने दिए सख्त निर्देश
■ एम्पैनलमेंट प्रक्रिया में आएगी पारदर्शिता और तेजी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण में संरचनात्मक अभियंताओं के एम्पैनलमेंट को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध बनाने पर विस्तृत मंथन किया गया। देहरादून के राजीव गांधी को कॉम्प्लेक्स स्थित हुडा के कार्यालय में बुधवार को आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में न केवल तकनीकी सुधारों पर चर्चा हुई, बल्कि वर्तमान में सामने आ रही व्यावहारिक चुनौतियों और लंबित प्रस्तावों के पर भी गंभीरता से विचार किया गया। स्ट्रक्चरल इंजीनियरों के नवीन पंजीकरण से जुड़े प्रस्तावों को भवन निर्माण एवं विकास उपविधि/विनियम में निहित प्रावधानों के तहत यथा शीघ्र पूर्ण किये जायेंगे साथ ही लंबित मामलों की जांच करते हुये यथा शीघ्र पूर्ण करते हुये प्रमाणपत्र जारी किये जायेगें। बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गयी कि जिन स्ट्रक्चरल इंजीनियरों का पंजीकरण समाप्त हो चुका है, उनके नवीनीकरण/ पंजीकरण स्वीकृति मिलने की प्रक्रिया को आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिये गये जिससे आवेदक के दस्तावेजों के सत्यापन प्रक्रिया को तेज किया जा सके जिससे कि साभी प्रकार के भवनों के मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा /देरी व जटिलता उत्पन्न न हो। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर आयुक्त आवास डीपी सिंह, चीफ टाउन प्लानर शशि मोहन श्रीवास्तव सहित शासन-प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

स्ट्रक्चरल इंजीनियरों का एम्पैनलमेंट राज्य में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की आधारशिला

डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि स्ट्रक्चरल इंजीनियरों का एम्पैनलमेंट राज्य में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि पंजीकरण और नवीनीकरण से जुड़े लंबित प्रस्तावों की शीघ्र ही जांच करते हुये सुयोग्य व अहरताओं को पूर्ण करने वाले आवेदकों के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए डिजिटल प्रणाली को मजबूत किया जाएगा, ताकि निर्माण कार्यों पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें।

सीएम से बार एसोसिएशन देहरादून के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में बार एसोसिएशन देहराद. ून के अधिवक्ताओं के एक प्रति. निधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड सरकार के सफलतापूर्वक चार वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं एवं राज्य के समग्र विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से अधिवक्ताओं के हितों के संरक्षण, न्यायालय परिसरों में सुविधाओं के विस्तार एवं न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस दौरान नई आपराधिक संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में भी विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि नई संहिताओं के लागू होने से न्याय प्रणाली अधिक सुदृढ़, त्वरित एवं जनोन्मुखी बनेगी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में अधिवक्ताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था को प्रभावी बनाने में बार और बेंच के बीच समन्वय आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार न्यायिक अधोसंरचना के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। न्यायालय परिसरों का आधुनिक. ीकरण, डिजिटल सुविधाओं का विस्तार, ई-कोर्ट प्रणाली को बढ़ावा तथा न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं।

■ प्रदेश में न्यायिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना

जलागम विभाग के अंतर्गत अनेक संभावनाएं मौजूद : कैड़ा

देहरादून। प्रदेश के जलागम प्रबंधन मंत्री राम सिंह कैड़ा ने विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रदेश के जलागम प्रबंधन मंत्री कैड़ा ने कहा कि जलागम विभाग के अंतर्गत अनेकों संभावनाएं मौजूद हैं जिसे देखते हुए आज अधिकारियों को भविष्य का रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने होंगे। मंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित चाल-खाल, नदी, नाले, गधेरे आदि के पानी का उपयोग में लाने के लिए उचित प्रबंधन की व्यवस्था की जाए तथा इस क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करते हुए प्रदेश और विभाग को आगे बढ़ाने का काम किया जाए। इस अवसर पर सचिव जलागम प्रबंधन दिलीप जावलकर, प्रोजेक्ट निदेशक कहकशा नसीम तथा अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुशासन की नई कार्य संस्कृति स्थापितः धामी

मल्ला महल में सरकार के चार साल पूरे होने पर बहुउद्देशीय शिविर, सीएम का सम्बोधन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज जनपद अल्मोड़ा के मल्ला महल में बहुउद्देशीय शिविर एवं जन जन की सरकार चार साल बेमिसाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संबा. धन का प्रसारण किया गया, जिसमें उन्होंने चार वर्षों की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताते हुए राज्य के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर जनसामान्य को योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की गईं। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मेयर, नगर निगम अजय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बीते चार वर्षों में उत्तराखण्ड ने विकास, विश्वास और सुशासन का एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि समान नागरिक सं. हता, सशक्त भू-कानून एवं नकल विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने राज्य की पहचान को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार निष्पक्षता तथा पारदर्शिता के साथ विकास के रास्ते पर अग्रसर है। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने अपने संबोधन कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं उपलब्धियों को जनता के सामने प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनपद के समस्त नागरिकों को बेहतर सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों, जनप्रति. निधियों, जनता जनार्दन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सुंदर सुंदर प्रस्तुतियों से दर्शकों को आह्लादित किया तथा सांस्कृतिक कलाकारों ने कुमाऊं की संस्कृति को मंच के माध्यम से लोगों से साझा किया। इसके अतिरिक्त स्कूली बच्चों ने भी शानदार प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोहा। कार्यक्रम में विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित हुए लाभार्थियों ने सरकारी योजनाओं से लाभ लेने के अपने अपने अनुभव साझा किए तथा सरकार का धन्यवाद किया। विभिन्न विभागों द्वारा अपनी अपनी उपलब्धियों को लोगों से साझा किया गया तथा विभिन्न योजनाओं से लाभ लेने के तरीके बताए। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक सहयोग के रूप में साढ़े बाइस लाख रुपए के चेक वितरित किए गए। इस आर्थिक सहयोग से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिए जाने के साथ साथ महिलाओं की आर्थिकी में वृद्धि होगी। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों तथा उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिकाओं का वितरण भी इस अवसर पर किया गया। जिला सूचना अधिकारी सत्यपाल सिंह के निर्देशानुसार सूचना विभाग के कार्मिकों ने बड़ी संख्या में लोगों को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिकाओं का वितरण किया। लोगों ने बड़ी उत्सुकता पुस्तकों को प्राप्त किया तथा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों से परिचित हुए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्षा हेमा गैड़ा, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा एवं दर्जा राज्य मंत्री गंगा बिष्ट ने भी सरकार की उपलब्धियों पर अपने अपने विचार रखे तथा वर्मा सरकार के चार साल के कार्यकाल को अभूतपूर्व बताया। जन जन की सरकार 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ। सभी जनप्रतिनिधियों, नागरिकों तथा अधिकारियों ने खड़े होकर एक सुर में राष्ट्रगान गाया। राष्ट्र गान के पश्चात भारत माता की जय तथा देशभक्ति के नारों की गूंज से वातावरण सराबोर हो गया। इस अवसर भाजपा जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य महेश नयाल, सदस्य पलायन आयोग अनिल साही, भाजपा के पदाधिकारी गौरव पांडे, गोविंद सिंह पिलख्वाल, बिट्टू कर्नाटक, रमेश बहुगुणा, रवि रौतेला, सिकंदर पंवार, मनोज सनवाल, विनीत बिष्ट, एसएसपी चंद्रशेखर आर घोड़के, सीडीओ रामजीशरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र, एसडीएम संजय कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन

अल्मोड़ा। राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जन-जन की सरकार 4 साल बेमिसाल कार्यक्रमों की श्रृंखला के में आज जिला प्रशासन एवं खेल विभाग के तत्वाधान में जिला क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ओपन पुरुष एवं महिला वर्ग की इस क्रॉस कंट्री दौड़ एक आयोजन पुरुष वर्ग में चौघानपाटा से पुलिस लाइन तक किया गया। वहीं महिला वर्ग में चौघानपाटा से करबला तक इसका आयोजन किया गया। दौड़ का शुभारंभ मेयर अजय वर्मा समेत जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर किया तथा सभी धावकों को शुभकामनाएं दी। क्रॉस कंट्री दौड़ में लगभग 70 से 80 बालक-बालिक. ाओं एवं खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का संचालन एवं निर्णायक मंडल द्वारा निष्पक्ष मूल्यांकन किया गया। दौड़ का समापन होने पर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। ओपन पुरुष वर्ग में नितेश सिंह जीना ने प्रथम, आलोक भट्ट ने दूसरा तथा जीवन बोरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि महिला वर्ग में लता आर्या प्रथम स्थान पर रहीं। इस वर्ग में द्वितीय स्थान गायत्री रावत तथा तृतीय स्थान कोमल ने प्राप्त किया।

एक नजर

गैस किल्लतः छात्रों ने छोड़ी पढ़ाई

बागेश्वर। बीडी पांडे कैंपस के छात्रावास में पढ़ाई के लिए रह रहे छात्रों को घरेलू गैस नहीं मिलने से छात्रों की परेशानी बढ़ गई है। छात्रों को खाना बनाने में आ रही दिक्कतों के कारण पढ़ाई छोड़ घर जाने को मजबूर हैं। उन्होंने डीएम से घर से बाहर रहकर पढ़ाई करने वाले छात्र छात्राओं को घरेलू गैस सहज उपलब्ध करवाने की मांग की। डीएम को सौंपे ज्ञापन में छात्रों ने कहा कि वे जिले के दुरस्थ क्षेत्रों से पढ़ाई के लिए कैंपस में आए है। जो कैंपस के छात्रावास में रहते है। लेकिन छात्रों को घरेलू गैस नहीं मिल पा रही है। जिसके चलते उन्हें भोजन बनाने में खासा परेशानी हो रही है। छात्रों को अब पढ़ाई छोड़ कर घर जाने को मजबूर हैं। उन्होंने छात्रों को गैस उपलब्ध करवाए जाने की मांग की है। मांग करने वालों में ललित कुमार, अरुण कुमार, प्रवीण, कविंद्र तथा सूरज आदि शामिल हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने अतिक्रमणकारियों को दिए नोटिस

काशीपुर। शहर में बढ़ते यातायात दबाव और सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न बाजारों और मुख्य मार्गों पर ठेला-फड़ और दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए हैं। जारी नोटिस में बताया गया है कि पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात के निर्देशों तथा जिला प्रशासन के आद. शों के अनुपालन में यह कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में आयोजित सड़क सुरक्षा बैठक में शहर में बढ़ती दुर्घटनाओं और जाम की समस्या पर चिंता जताई गई थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि आईआरसी-103:2012 के मानकों के अनुसार बाजार क्षेत्रों में फुटपाथ की निर्धारित चौड़ाई आम जनता के पैदल चलने के लिए होती है, लेकिन कई स्थानों पर ठेला-फड़ और दुकानदारों द्वारा फुटपाथ पर सामान रखकर अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही है और यातायात प्रभावित हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि सभी ठेला-फड़ और दुकानदार तत्काल प्रभाव से फुटपाथ खाली करें और दोबारा अतिक्रमण न करें। अन्यथा उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आईएमटी में बीबीए,बीसीए व बीकॉम तृतीय सेमेस्टर का शानदार रिजल्ट

काशीपुर। सत्येंद्र चंद्र गुड़िया इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज के यूजी पाठ्यक्रम बीबीए,बीसीए एवं बीकॉम (ऑनर्स) के विगत दिवस आए तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में संस्थान के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन को दोहराया है। संस्थान की प्राचार्य डॉ. निमिषा अग्रवाल ने बताया कि बीसीए पाठ्यक्रम के परिणामों में नूतन तिवारी ने सर्वाधिक 80.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं श्रेया 74.2 एवं प्रियांशी चौधरी 73.6 प्रतिशत अंकों के साथ क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। वही बीबीए पाठ्यक्रम में पलक रानी ने सर्वाधिक 76.14 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया तो कशिश 74.14 प्रतिशत एवं पलक चौहान 70.85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। उधर बीकॉम (ऑनर्स) तृतीय सेमेस्टर में मान्या कक्कड़ ने सबसे अधिक 77.4 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया, तो कशिश सपरा 75.6 एवं सिमरनजीत कौर जोहल ने 75 प्रतिशत अंकों के साथ क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर संस्थान की चेयरमैन विमला गुड़िया सहित समस्त प्रबन्ध समिति ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

महातपस्या तीसरे दिन भी जारी

बागेश्वर। पृथक विकासखंड की मांग को लेकर कांडा कालिका मंदिर में ग्रामीणों का धरना अर्थात (महातपस्या) तीसरे दिन भी जारी रही। कमस्यार-कांडा पृथक विकासखंड संघर्ष समिति के बैनर तले चले रहे धरने में बुधवार को भैरव चंदोला, बंशीधर कांडपाल, हीरा सिंह कर्म्याल, मनोहर सिंह धपोला बैठे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रूप सिंह माजिला ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती वे धरना जारी रखेंगे। इस मौके पर शंकर सिंह भंडारी, प्रकाश नगरकोटी, महेश पंत, आलम सिंह मेहरा, संजय साह, दरपान सिंह धपोला, अनिल चंदोला, हरीश कांडपाल, ईश्वरी लाल वर्मा, किशोरी लाल वर्मा, घनश्याम कांडपाल आदि मौजूद रहे।

भाजपा का चार साल का कार्यकाल रहा झूठ का पुलिंदाः अलका पाल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। महानगर कांग्रेस जिला अध्यक्ष अलका पाल ने भाजपा के 4 साल के कार्यकाल को झूठ का पुलिंदा बताया। उन्होंने कहा कि रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्तीय प्रबंधन पर सरकार पूरी तरह नाकाम है और जवाबदेही से बचने का काम कर रही हैं। अलका पाल ने कहा कि पलायन की समस्या पर नीति ना बनाना इसकी नाकामी है। प्रदेश में बेरोजगारी के कारण युवा पलायन को मजबूर है। ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह बदहाल स्थिति में है। प्रदेश में महंगाई चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा पलायन को मजबूर है जबकि शिक्षा विभाग और पुलिस महकमें में हजारों रिक्त पद खाली पड़े हैं। सरकारी अस्पताल केवल रेफरल केंद्र वन कर रह गए हैं। लचर कानून व्यवस्था को सुधारने का कोई भी उपाय भाजपा सरकार के पास नहीं है। अलका पाल ने कहा कि भ्रष्टाचारियों और खनन माफियाओं पर खामोशी सरकार की पोल खोल रही है। सरकार विस्तृत श्वेत- पत्र जारी कर जवाब दे।

उमेश डोभाल स्मृति समारोह का समापन, कई विभूतियों का सम्मान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। दो दिवसीय 33वें उमेश डोभाल स्मृति सम्मान समारोह का समापन हो गया। समारोह के अंतिम दिन उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट द्वारा साहित्य, पर्यावरण, रंगकर्म और पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। बुधवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2025 का उमेश डोभाल स्मृति सम्मान साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कपिलेश भोज को प्रदान किया गया।

वहीं, पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के प्रति समर्पण के लिए किशन सिंह मलड़ा को राजेंद्र रावत 'राजू' स्मृति जनसरोकार सम्मान से नवाजा गया। जनपक्षीय नाटकों और जनगीतों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने वाले रंगकर्मी यमुना राम को गिरीश तिवारी 'गिर्दा' स्मृति जनकवि सम्मान दिया गया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि उमेश डोभाल की शहादत पत्रकारिता में सत्य और साहस की मिसाल है। उन्होंने माफिया के खिलाफ निर्भीक आवाज उठाई और इसके लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी संघर्षगाथा आने वाली पीढ़ी के पत्रकारों को सच के साथ खड़े रहने की प्रेरणा देती रहेगी। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष गोविंद पंत राजू सहित प्रो. शेखर पाठक, राजीव लोचन साह, जुहुर आलम और पीसी तिवारी मौजूद रहे। अंत में आयोजन समिति के सदस्य रमेश जोशी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन लोकेश धस्मान और विजयवर्धन उप्रेती ने संयुक्त रूप से किया। वहां वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर टम्टा, नवीन बिष्ट, प्रकाश पांडे, प्रकाश पंत, डा. हयात सिंह रावत, राजेंद्र रावत, चंद्रशेखर द्विवेदी, डा. निर्मल जोशी, हरीश भंडारी, निर्मल उप्रेती, प्रेस क्लब अध्यक्ष जगदीश जोशी, उपाध्यक्ष कमलेश कनवाल, सचिव अशोक पांडे, उपसचिव संस्था मोहित अधिकारी, उपसचिव कार्यालय कपिल मल्होत्रा, नसीम अहमद, किशन जोशी, शिवेंद्र गोस्वामी, रमेश जोशी, हिमांशु लटवाल, अमित उप्रेती, शिवराज कपकोटी, रोहित भट्ट, दयाकृष्ण कांडपाल, विभू कृष्णा, जगजीवन बिष्ट समेत अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में विजयपथ न्यूज के विजय रावत और प्रिंट मीडिया के लिए राजू सजवाण को सम्मानित किया गया। इसके अलावा भुवनेश्वरी जोशी प्रतिभा सम्मान बालिका वर्ग में टेहरी गढ़वाल की मोनिका पंवार और अनिरुद्ध जोशी प्रतिभा सम्मान बालक वर्ग में पौड़ी गढ़वाल के करन राज को प्रदान किया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

लालकुआं। दर्दनाक सड़क हादसे में लालकुआं निवासी युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार युवक किसी काम से किच्छा आया हुआ था, तभी रुद्रपुर रोड पर एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान रिजवान खान के रूप में हुई है, जो नैनीताल जिले के लालकुआं कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत खड्डी मोहल्ला, सुभाष नगर वार्ड नंबर 5 का निवासी था। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर किच्छा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद परिजन किच्छा के लिए रवाना हो गए।

हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने इसे हिट एंड रन का मामला मानते हुए जांच शुरू कर दी है और फरार वाहन की तलाश की जा रही है। घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे रहा है और अचानक एक वाहन की चपेट में आ जाता है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

खनन प्रभावित क्षेत्रों में रफ्तार पकड़ेगा विकास

जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की शासी परिषद समिति की बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की शासी परिषद समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान समिति द्वारा उच्च प्राथमिकता के 19 तथा अन्य प्राथमिकता के 09 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे क्षेत्रीय विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

डीएम ने निर्देश दिए कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क सहित सभी स्वीकृत

कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि जनहित से जुड़े कार्यों का लाभ समय पर आमजन तक पहुंच सके।

उन्होंने निर्माणदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सभी प्रस्तावों की तकनीकी स्वीकृति (टीएसई) अनिवार्य रूप से कराई जाए। 10 लाख रुपये से अधिक के प्रस्ताव अधिशासी अभियंता द्वारा स्वयं तैयार किए जाएं तथा प्रस्तावों में किसी प्रकार की डुप्लीकेसी न हो। साथ ही, खनन निधि से कराए गए इंटर कॉलेज विजयपुर के निर्माण कार्य का थर्ड पार्टी निरीक्षण कराने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि खनन गतिविधियों से यदि किसी भी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, तो उसकी मरम्मत संबंधित पक्ष द्वारा सुनिश्चित कराई जाएगी। बैठक में बागेश्वर विधायक पार्वती दास, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, जिला खनन अधिकारी नाजिया हसन सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

'चौतरफा विकास सरकार का मूलमंत्र'

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कपकोट विकासखंड के किड़ई स्थित जनरल बीसी जोशी खेल मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक सुरेश गढ़िया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक सुरेश गढ़िया ने कहा कि सरकार का मूल मंत्र अंतिम छोर पर खड़े लोगों तक विकास पहुंचाना है। प्रदेश सरकार समाज के सबसे गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी संकल्प के साथ उत्तराखंड आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा सरकारी योजनाओं का सरलीकरण किया गया है। सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए आठ दिव्यांग. जनों को उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने के लिए जीवन सहायक

उपकरण प्रदान किए। साथ ही, रिप परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 22 लाख से अधिक के चेक बांटे। पशुपालन क्षेत्र में तकनीकी सुदृढ़ता के लिए पशु सखी योजना के तहत पांच मोबाइल फोन भी वितरित बांटे। पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल, ब्लॉक प्रमुख भावना शाही एवं जिला पंचायत सदस्य ज्योति राठौर ने भी विचार व्यक्त किए। रेडक्रॉस के चेयमौन इंद्र सिंह फर्स्वाण पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विक्रम शाही, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मनोहर राम, खंड विकास अधिकारी सुभाष चंद्र लोहनी, समाज कल्याण अधिकारी हेम तिवारी, महाप्रबंधक उद्योग चंद्र मोहन, युवा कल्याण अधिकारी अर्जुन सिंह रावत, बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी मंजुलता यादव पूरन सिंह गड़िया, धन सिंह बाफिला, कुंदन रेखोला, योगेश हरड़िया बीडीसी सदस्य किशोर पांडेय रहे। संचालन आलोक पांडेय ने किया।

तीसरे दिन भी डटे रहे इंजीनियर्स

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। वेतन विसंगतियां सहित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर जिले के इंजीनियरों का धरना तीसरे दिन भी लोनिवि गेस्ट हाउस में जारी रहा। बुधवार को डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ के बैनर तले इंजीनियर लो. निवि गेस्ट हाउस प्रांगण में एकत्रित हुए। यहां उन्होंने जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि वह लंबे समय से 27 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती वे धरने पर बैठे रहेंगे। इस मौके पर नंदकिशोर जोशी, विपिन सनवाल, गोविंद नाथ, ललित कुमार, दीपिका, ज्योति, राजकमल, नेहा सिंह, चंदन आर्या, गौरव पांडेय आदि मौजूद रहे।

हरित निर्माण को मिलेगा बढ़ावाः प्रो. चौहान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय अंतर्गत सिविल इंजीनियरिंग विभाग में सस्टेनेबल कंस्ट्रक्शन मटेरियल्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का विधिवत उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान द्वारा किया गया। यह केंद्र देश की अग्रणी सीमेंट निर्माता कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट के साथ रणनीतिक सहयोग के अंतर्गत स्थापित किया गया है। यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शैक्षणिक अनुसंधान और औद्योगिक आवश्यकताओं के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। केंद्र का उद्देश्य निर्माण क्षेत्र में टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देना ऊर्जा दक्षता में सुधार करना तथा कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करने हेतु नवाचारपूर्ण

अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन

समाधान विकसित करना है। अपने संबोधन में कुलपति प्रोफेसर मनमो. हन सिंह चौहान ने कहा कि यह केंद्र केवल एक प्रयोगशाला नहीं, बल्कि भविष्य के सिविल इंजीनियरों एवं शोधार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक मंच है। उन्होंने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट जैसे प्रतिष्ठित औद्योगिक साझेदार के साथ सहयोग से विश्व. विद्यालय में होने वाला अनुसंधान अधिक व्यावहारिक, उपयोगी एवं समाजोपयोगी बनेगा। प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसएस गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के केंद्र छात्रों के तकनीकी कौशल को उन्नत करने के साथ-साथ उनकी रोजगार क्षमता को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने विष्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र भविष्य में राष्ट्रीय अवसंरचना विकास के क्षेत्र में स्थिरता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर अल्ट्राटेक सीमेंट के जोनल हेड (टेक्निकल) विपिन चौधरी ने कहा कि उनकी कंपनी देशभर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित कर रही है, ताकि उद्योग एवं शिक्षा के बीच मजबूत संबंध स्थापित किया जा सके। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से बेहतर अवसर प्रदान करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डा. सुनील कुमार, डा. संजीव सुमन, डा. संदीप गुप्ता, डा. वनीता देवी, डा. एसके शर्मा, डा. वीके वर्मा सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

मेयर ने किया सड़कों का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। महापौर दीपक बाली ने वार्ड संख्या 4 और वार्ड संख्या 27 में पांच सड़कों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। वार्ड संख्या 4 में बन रही 4 सड़कों की कुल लागत 97 लाख 82 हजार और वार्ड संख्या 27 में बन रही एक

सड़क की लागत 15 लाख 98 हजार रु है। शिलान्यास करने पहुंचे महापौर दीपक बाली का अपने बीच पहुंचने पर वार्ड वासियों ने बड़ी ही गर्मजोशी से स्वागत किया और सड़कों का शिलान्यास करने पर उनका आभार जताया। शिलान्यास अवसर पर मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, मंडल अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह मानस, पार्षद सीमा सागर, जीनत बानो, पुष्कर बिष्ट, मयंक मेहता, राशिद फारूकी,पार्षद सरफराज सैफी, हनीफ गुड्डू, राकेश अग्रवाल, चौधरी समरपाल सिंह, ईश्वर गुप्ता, राजीव अरोरा बच्चू, श्याम सिंह, प्रशांत पंडित, संदीप सिद्धू, हर्ष कुमार, डॉ. राम सिंह, नितिन गोले, सतनाम सिंह, कपिल अग्रवाल, लोकेश चौधरी समेत दर्जनों स्त्री पुरुष उपस्थित रहे।

पेंशन विरोधी नीति के खिलाफ प्रदर्शन

पेंशनरों ने प्रधानमंत्री मोदी को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ऑल इण्डिया पेंशनर्स स्टेट फेडरेशन के आहवान पर एसडीएम कोर्ट परिसर में उत्तराखण्ड सेवानिवृत कार्मिक समन्वय समिति के बैनर तले हल्द्वानी के सैकड़ों पेंशनरों ने सरकार की पेंशन विरोधी नीति के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। वहां हुई सभा में सभी वक्ताओं ने केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) वैधता अधिनियम 2025 को वापस लिए जाने की मांग के लिए समूचे पेंशनर समुदाय से एकजुट होने का आह्वान किया और सीटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेई के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, राजकीय पेंशनर परिषद तथा गवर्मेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन के सदस्यों ने भागीदारी की। ज्ञात हो कि एक वर्ष पूर्व 25

मार्च 2025 को भारत सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग में पेंशनर्स के हितों की अनदेखी करने का कुचक्र करते हुए संसद में एक ऐसा अधि. नियम जो केन्द्र सरकार को अपने पेंशनर्स का वर्गीकरण करने एवं उनके बीच अन्तर रखने का अधिकार प्रदान करता है को पारित कर दिया गया है। इस अधिनियम का विरोध पेंशनर्स संगठनों द्वारा पूर्व में भी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर किया गया। भारत सरकार द्वारा अभी तक कोई निर्णय नहीं लिये जाने से नाराज पेंशनरों ने इस अधिनियम को पारित होने के एक वर्ष पूर्ण होने पर बुधवार को विरोध दिवस का आयोजन कर पीएम को ज्ञापन भेजा। उक्त अधि. नियम के विरोध स्वरूप दिए गए ज्ञापन में अविलंब पेंशन विरोधी अधिनियम को वापस लेने की मांग की गई। यदि अविलम्ब अधिनियम को वापस नहीं लिया गया तो समस्त पेंशनर्स द्वारा आगामी चुनाव में सरकार के खिलाफ मताधिकार का प्रयोग किया जाएगा। प्रदर्शन में मुख्य रूप से समिति के संरक्षक इ. पीसी जोशी, राजकीय पेंशनर्स परिषद के अध्यक्ष बीर सिंह बिष्ट, पेंशनर्स एक्टिव टीम के मुख्य संयोजक रमेश चन्द्र पाण्डे, सचिव विजय तिवारी, यतीश पंत, एससी पन्त, जेसी पन्तौला, गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष एलडी पांडे, जेएस कन्याल, आरपी सिंह, इन्द्र लाल आर्या, पान सिंह मेहरा, ललित मोहन लोहनी, एमसी पांडे, बीके पंत, सीसी जोशी, आरएस बोरा, जेएस खोलिया, मदन राम आर्या, गिरीश विश्वकर्मा एवं गुलाब राम, यूसी दुर्गापाल, एलएम लोहनी आदि थे।

मोबाइल वापस पाकर खिले लोगों के चेहरे

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। विगत कुछ समय से क्षेत्र के मोबाइल गुमशुगदी की शिकायतें प्राप्त होने पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली काशीपुर के निर्देशन में संचार साथी में अपलोड करने के उपरान्त उन्हे बरामद करने के प्रयास किये गये। सीईआर पोर्टल पर कार्य कर रही पुलिस टीम द्वारा विगत 06 माह में 200 से अधिक मोबाइल करीब 30 लाख रुपये कीमत के बरामद कर मोबाइल यूजर्स को सुपुर्द कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखरने का कार्य किया गया। प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र चौधरी द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकांश मोबाईल गुमशुगदी की शिकायतें काशीपुर क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक बाजारो के दौरान की प्राप्त हो रही थीं तथा अधिकांश मोबाईल यूपी के मुरादाबाद व रामपुर जनपद की सीमा में चलने की जानकारी प्राप्त हो रही थी। जिस क्रम में सरहदीय जनपदों के थानो से सम्पर्क स्थापित कर मोबाईल बरामद किये गये तथा कुछ मोबाइल दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, उ.प्र. के बागपत, ईटावा, नोएडा, पीलीभीत, अयोध्या, कानपुर तथा उत्तराखण्ड के जनपद उधम सिंह नगर, नैनीताल, चम्पावत, पौढ़ी गढ़वाल व अन्य विभिन्न जनपदो आदि स्थानों से बरामद किये गये। उक्त मोबाईल बरामदगी के सम्बन्ध में सम्बन्धित राज्यों की पुलिस द्वारा काफी सराहनीय सहयोग किया गया। पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी हरेन्द्र सिंह, एसएसआई नवीन बुधानी कां. कैलाश जोशी, महिला कां. प्रियंका कम्बोज शामिल रहे।

नगर निगम में 'सरकार' जनसमस्याओं का समाधान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सरकार के चार साल बेमिसाल के अवसर पर सरलीकरण, समाधान और निस्तारण के विजन के अनुरूप आम जनता की समस्याओं के निस्तारण हेतु हल्द्वानी नगर निगम सभागार में बुधवार को कैम्प में सैकड़ों लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। अपर जिला. धिकारी विवेक राय की अध्यक्षता में शिविर सम्पन्न हुआ। अपर जिला. धिकारी विवेक रॉय ने बताया कि सरकार के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में नगर निगम सभागार में आयोजित विशेष कैम्प के माध्यम से नामांतरण, राजस्व वाद, और भवन मानचित्र से संबंधित मामलों का त्वरित निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि नगर निगम सभागार में भवन मानचित्र तथा नगर निगम के नामांतरण वादों का निस्तारण के साथ ही नगर पालिका, नगर पंचायत के विरासतन के मामलों का भी निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि नगर निगम सभागार में सैकड़ों की संख्या में लोगों द्वारा उपजिलाधिकारी स्तर के वाद, भवन मानचित्र तथा नामांतरण राजस्व वादों के साथ ही स्टाम्प वादों का निस्तारण शत प्रतिशत किया गया। उन्होंने कहा कि को स्टाम्प वादों के निस्तारण हेतु नैनीताल जाना पड़ता था नगर निगम हल्द्वानी में आयोजित कैम्प से अनेक लोगों के स्टाम्प वादों का निस्तारण हल्द्वानी से किया गया। शिविर में सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, सचिव विकास प्राधिकरण विजय नाथ शुक्ल, उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, रेखा कोहली के साथ ही सिंचाई, लोनिवि, प्राधिकरण एवं तहसीलदार के साथ ही सैकड़ों की संख्या में आमजनता उपस्थित थे।

75 दिन तक चक्कर कटवाने के बाद एफआईआर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बेटी के खाते में डेढ़ लाख रुपये जमा करने के लिए डाकघर पहुंचे एक पिता का बैग किसी शातिर ने खंगाल डाला। रुपये जमा करने के लिए वह लाइन में खड़े थे, और जब बैग से पैसे निकालने के लिए हाथ डाला तो होश उड़ गए। बैग की चेन खुली हुई थी और पैसे गायब थे। पीड़ित ने शातिर की तलाश में डाकघर की तलाशी ली और फिर पुलिस के पास पहुंचे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें 75 दिन तक चक्कर कटवाए और अब जाकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया गया। देवलचौड़ खाम मानपुर पश्चिम निवासी खुशाल सिंह बगड़वाल पुत्र बिशन सिंह ने पुलिस को बताया कि यह घटना बीती 8 जनवरी की है। खुशाल को अपनी बेटी के खाते में डेढ़ लाख रुपए डालने थे। इसके लिए पहले वह अपनी बैंक गए और डेढ़ लाख रुपए निकाले। रुपए बेटी के खाते में जमा करने के लिए डाक घर पहुंचे और लाइन में लग गई। रुपए उन्होंने अपने पिठ्ठू बैग में रखे थे। उन्होंने बताया जब रुपए जमा करने का नंबर आया और बैग में हाथ डाला तो बैग की चेन को खुला देख उनके होश उड़ गए। बैग से रुपए गायब देख खुशाल रुपए निकालने वाले को यहां-वहां तलाशने लगे। लेकिन शातिर चोरों का कोई पता नहीं चला। शातिर का जब कहीं पता नहीं चला तो वह सीधे न्याय की गुहार लेकर कर पुलिस के चक्कर काटते रहे लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आज 75 दिन बीत जाने के बाद पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामले में मुक. दमा दर्ज कर लिया गया है। मुकदमा लिखने से पहले ही मामले की जांच की जा रही थी। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया जायेगा।

दो परिवारों में मारपीट, चालान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते सोमवार को बनभूलपुरा लाइन नंबर-15 क्षेत्र में दो पक्ष बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद आपस में दो पक्ष आमने सामने हो गए और एक पक्ष के युवक के दूसरे पक्ष के युवक की जमकर धुनाई कर दी। दोनो के बीच हुए मारपीट का किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद आज बुधवार को पुलिस हरकत में आई और दोनो पक्षों के 6 लोगों के खिलाफ पुलिस एक्त में चालान किया। जबकि आठ लोगों को निजी मुचलके के पाबंद किया। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा लाइन नंबर-15 में बीते सोमवार देर शाम बच्चों के बीच आपसी विवाद हो गया। बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद दोनों बच्चों के परिवार आमने-सामने आ गया। इस विवाद में एक पार्षद का पुत्र भी कूद गया। बताया जा रहा कि इसी बीच बनभूलपुरा थाने से दो पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे लेकिन दोनो परिवार पर कोई असर नहीं हुआ। पुलिस कर्मियों के सामने भी दोनो पक्ष मारपीट करते रहे। तभी किसी एक युवक ने मारपीट का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कुछ देर बाद दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया तो मामले को दबाने का प्रयास शुरू हो गया। तभी एसपी सिटी मनोज कत्याल के संज्ञान में वीडियों पहुंचा तो उन्होंने तुरंत बनभूलपुरा पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी सिटी के निर्देश के बाद बनभूलपुरा पुलिस ने दोनों पक्षों के छह लोगों के खिलाफ 81 पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई है। इसमें स्थानीय पार्षद का पुत्र भी शामिल है। आठ को 50-50 हजार रुपये तथा इससे ज्याद मूल्य निजी मुचलका में पाबंद किया गया है। एसपी सिटी ने कहा अगर फिर यहां विवाद हुआ तो मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जायेगा। एसपी सिटी ने कहा शहर में अराज. कता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

हैड़ाखान के किसान की होटल में मौत

हल्द्वानी। राजस्थान से घूमकर लौटे एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हैड़ाखान क्षेत्र के उड़वा गांव निवासी 42 वर्षीय संतोष सिंह सम्मल कुछ दिन पहले घूमने के लिए राजस्थान के अजमेर गए थे। बताया जा रहा कि बीते मंगलवार की रात वह हल्द्वानी पहुंचे, लेकिन रात अधिक होने की वजह से उन्होंने हल्द्वानी बस अड्डे के पास ठहरने के लिए एक होटल का कमरा लिया। बताया जा रहा है कि खाना खाने के बाद संतोष अपने कमरे में सो गए। तभी रात अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। होटल स्टाफ ने तुरंत उन्हें बेस अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय रेफर कर दिया, जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि संभवत: किसान की हार्ट अटैक से मौत हुई है, लेकिन मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

जनगणना प्रशिक्षण सम्पन्न

हल्द्वानी। सर्किट हाउस में जनगणना 2027 की तैयारियों के संदर्भ में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय से आए मास्टर ट्रेनर कमल कर्नाटक और जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डा. मुकेश नेगी ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में जनगणना से संबंधित फील्ड ट्रेनरों को जरूरी जानकारी प्रदान की गई। इसके बाद, सभी फील्ड ट्रेनरों को हल्द्वानी के देवलामल्ला गांव में भेजा गया, जहां उन्हें जनगणना प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंतिम दिन चार्ज अधिकारी ओखलकांडा हिमांशु जोशी, बेतालघाट के बीसी जोशी, फील्ड ट्रेनर और संबंधित विभागों के कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

नए परिवहन मंत्री से की मुलाकात

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने यूनियन के प्रदेश महामंत्री अशोक चौधरी की अगुवाई में नव नियुक्त परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा से देहरादून में मुलाकात की। इस दौरान यूनियन ने मंत्री को बधाई दी और परिवहन निगम की उन्नति के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। साथ ही यूनियन ने परिवहन निगम में विशेष श्रेणी/संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, कर्मचारियों को हर माह वेतन सुनिश्चित करने और नई बसों के बेड़े की उपलब्धता की मांग की। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कमल पपनै ने बताया कि परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने यूनियन के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही परिवहन निगम के सुधार के लिए एक बैठक का आयोजन देहरादून में किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल में हरेंद्र कुमार, केपी सिंह, परमजीत सिंह और अवनीश भी मौजूद थे।

भगवान भक्त में ऊंच-नीच नहीं देखते

जगदम्बा मंदिर के 41वें वार्षिकोत्सव में रामकथा का छठा दिन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जगदम्बा मंदिर के 41वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित रामकथा के छठे दिन ब्यास जी डा. मनोज पांडे ने सूर्पणखा और खरदूषण वध के साथ ही सीता हरण के बाद भगवान राम की जटायु, सबरी से भेंट, तथा किश्किंधा पर्वत में हनुमान जी से मुलाकात और सुग्रीव से मैत्री, बाली वध का विस्तृत वर्णन किया। ब्यास जी ने सबरी आश्रम में भगवान राम के प्रवेश और बेर खाने की घटना का सजीव वर्णन करते हुए कहा भगवान भक्त प्रेम में ऊंच-नीच का भेद नहीं करते हैं। ब्यास जी की भक्तिमय और मार्मिक कथा को सुनकर पंडाल में उपस्थित सैकड़ों भक्त भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम के दौरान बुधवार की सुबह मंदिर परिसर में डा. भुवन चंद्र त्रिपाठी के संरक्षण में यज्ञाचार्य खष्टाबल्लभ पाठक, नारायण सुयाल, उमेश त्रिपाठी, गोविंद जोशी और देश दीपक द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ आह्वान और स्थापन किया गया। इसके साथ ही मंडप, वेदियों और भगवान रामचंद्र जी का नित्य पूजन भी किया गया। इस बीच यजमानों द्वारा गायत्री यज्ञ में आहुतियां दी गईं। नित्य पूजन और हवन में मुख्य यजमान के रूप में विमल कुमार पांडे, सह यजमान विजय तिवारी, गोपाल सिंह नेगी, अभिषेक लटवाल, मनीश जोशी, कैलाश चंद्र त्रिपाठी और गोविंद जोशी शामिल थे। ब्यास जी के साथ कीर्तन मंडली में जगदीश लोहनी, नवीन तिवारी और गोविंद भट्ट ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस भव्य आयोजन में जगदम्बा मंदिर समिति के अध्यक्ष उमेश पांडे, सचिव विनोद पांडे, कोषाध्यक्ष आशुतोष जोशी, प्रवक्ता रमेश चंद्र पांडे, घनश्याम भट्ट, एनसी तिवारी, एमसी पंत, अमर मौर्य, पंकज बोरा, इंद्र सिंह, राकेश पांडे आदि समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

पेंचक सिलाट गर्ल्स मेघालय रवाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 26 और 27 मार्च 2026 को दीवाकर स्पोर्ट्स एंड फिटनेस एकेडमी की होनहार पेंचक सिलाट की वरिष्ठ महिला खिलाड़ी खेलो इंडिया नेशनल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु स्पोर्ट्स अथारिटी ऑफ इंडिया साई ट्रेनिंग सेंटर नेहू शिलांग, मेघालय के लिए रवाना हुईं। पेंचक सिलाट एसोसिएशन उत्तराखंड के सचिव एवं दीवाकर स्पोर्ट्स एंड फिटनेस एकेडमी के हेड कोच बबलू दीवाकर ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 26 से 27 मार्च तक शिलांग, मेघालय में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेतृत्व में इंडियन पेंचक सिलाट फेडरेशन के सहयोग से 'अस्मिता पेंचक सिलाट नेशनल लीग 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से चयनित बालिका खिलाड़ी भाग लेने के लिए पहुंच रही हैं, जिसमें समस्त भारत की 700 से अधिक प्रतिभागी महिला खिलाड़ी शामिल होंगी। उन्होंने आगे बताया कि उत्तराखंड की टीम आर्टिस्टिक इवेंट (रेगु) में पूजा मेहर, तनुजा बुंगला एवं सुनीता भट्ट द्वारा प्रतिनिधित्व करेगी। वहीं सोलो क्रिएटिव इवेंट में तनुजा बुंगला भाग लेंगी। तुंगल इवेंट में पूजा मेहर तथा 55 किलोग्राम भार वर्ग के फाइटिंग इवेंट में भी पूजा मेहर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

गैस किल्लत पर हंगामा, गोदाम में उपभोक्ताओं का हंगामा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रसोई गैस सिलेंडर की लगातार होती कमी अब न केवल आम लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है, बल्कि कानून-व्यवस्था पर भी असर डालने लगी है। बुधवार को काठगोदाम क्षेत्र के शीशमहल स्थित गैस गोदाम पर सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा और देखते ही देखते स्थिति विवाद से हाथापाई तक पहुंच गई। जानकारी के अनुसार आरटीओ रोड और कुसुमखेड़ा क्षेत्र के कई उपभोक्ता, जिनकी गैस एजेंसी हल्द्वानी में आती है, निर्धारित बुकिंग के बावजूद सिलेंडर न मिलने पर वह शीशमहल गोदाम पहुंचे थे। लोगों का आरोप है कि ऑनलाइन बुकिंग के बाद भी समय पर गैस उपलब्ध नहीं कराई जा रही, जिससे उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। घंटों इंतजार के बाद जब मौके पर मौजूद ठेकेदार से संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। पहले तीखी बहस हुई, जो कुछ ही देर में धक्का-मुक्की और हाथापाई में बदल गई। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर काठगोदाम पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा के अनुसार स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं दी गई। सभी उपभोक्ताओं को समझाकर वापस भेज दिया गया है।

नशा तस्कर की सम्पत्ति जब्त

जिले का एक और ड्रग माफिया पुलिस रडार पर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पुलिस मुख्यालय की सख्ती के बाद जिला पुलिस ने भी ड्रग माफिया के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दी है। इस क्रम में पुलिस ने मुक्तेश्वर के एक ड्रग माफिया की अवैध संपत्ति को जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई की शुरुआत है, और जिले का एक और ड्रग माफिया अब पुलिस की रडार पर है, जिसकी संपत्ति जल्द ही कुर्क की जाएगी। हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने जिस ड्रग माफिया पर कार्रवाई की है, वह ग्राम कुकना, थाना मुक्तेवर का निवासी नारायण दत्त परगाई है। नारायण को पिछले साल 24 अक्टूबर को हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने एएनटीएफ के साथ मिलकर गिरफ्तार किया था, और उसके पास से 2.020 किग्रा चरस बरामद की थी। पुलिस के अनुसार, नारायण ने बताया था कि उसने यह चरस चम्पावत के देवीधुरा निवासी एक व्यक्ति से 60 हजार रुपए में खरीदी थी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के बाद जब पुलिस ने आरोपी की संपत्तियों की जांच शुरू की, तो पता चला कि नारायण के पास एक कार और दो मोटरसाइकिलें हैं। जब पुलिस ने इन वाहनों के खरीद के स्रोत के बारे में पूछा, तो नारायण ठोस जवाब नहीं दे सका। इस पर पुलिस ने इन संपत्तियों को अवैध मानते हुए रिपोर्ट सफेमा दिल्ली भेजी। सफेमा से फ्रीजिंग के आदेश मिलते ही, 24 मार्च 2026 को जिला पुलिस ने नारायण की कार को जब्त कर लिया। एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

80 की उम्र में खो दिया जवान बेटा, मदद को समिति आगे आई

हल्द्वानी। साथी हाथ बढ़ाना सेवा समिति द्वारा पिथौरागढ़ निवासी, देश सेवा में कार्यरत और उत्तराखंड मंच संचालन में सक्रिय रहे कैप्टन दिवान सिंह बल्दिया को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। 80 वर्ष की आयु में अपने जवान बेटे को खोने के बाद, जैसे-तैसे परिवार को संभाल रहे दिवान सिंह बल्दिया की इकलौती बहू कैंसर से पीड़ित हो गईं। इस कठिन समय में उनकी मदद के लिए साथी हाथ बढ़ाना सेवा समिति आगे आई और उन्हें 21,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की। संस्था की अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, उपाध्यक्ष दया बिनवाल, सचिव हेमा मेलक. ानी, कोषाध्यक्ष गीता कार्की, हेमा चिलवाल, रीता पांडे, लीला मनराल, रमेश चंद्र, पुष्पा उप्रेती, बीना पाठक, लीला कोठारी, ममता जोशी, गीता पंत, कंचन शर्मा का सहयोग रहा।

मुक्त विवि के अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध निदेशालय की स्थापना

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को नई दिशा देने की पहल करते हुए अंतरराष्ट्रीय संबंध निदेशालय की स्थापना की है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय विजिटिंग प्रोफेसर फेलोशिप कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को सुदृढ़ करना है। इस कार्यक्रम के तहत दक्षिण कोरिया की कोरिया नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के प्रख्यात विद्वान प्रो. क्वांग सिक चुंग को विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया है। कंप्यूटर विज्ञान और डिजिटल शिक्षण प्रणालियों के विशेषज्ञ प्रो. चुंग का शोध 'वर्चुअल लर्निंग कंटेंट आधारित गेम-आधारित अधिगम प्लेटफार्म' विश्वविद्यालय के लिए बेहद उपयोगी माना जा रहा है। प्रो. चुंग ने वर्चुअल लर्निंग, लर्निंग एनालिटिक्स और गेम-आधारित अधिगम जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की, जिससे संकाय सदस्यों को नई शिक्षण तकनीकों की समझ मिली। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी महत्व दिया गया, जिसके तहत प्रो. चुंग ने कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया। इस पहल से विश्वविद्यालय में न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक संवाद को बढ़ावा मिला है, बल्कि शोध सहयोग के नए अवसर भी खुल रहे हैं। विशेष रूप से गेम-आधारित अधिगम और लर्निंग एनालिटिक्स के क्षेत्र में नई संभावनाएं उभरकर सामने आई हैं।

दुकानों का किराया बढ़ाएगा निगम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बुधवार को नगर निगम कार्यालय के सभागार में महापौर और नगर आयुक्त की अध्यक्षता में नगर निगम हल्द्वानी-काठगोदाम की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर चर्चा की गई। बैठक में नगर निगम के राजस्व वृद्धि के लिए कई अहम फैसले लिए गए। सबसे पहले, नगर निगम के स्वामित्व वाली दुकानों के किराए में वृद्धि की गई। इसके साथ ही नामान्तरण की स्वीकृति भी दी गई। इसके अलावा नगर निगम में शामिल किए गए नव सम्मिलित क्षेत्रों में स्थित व्यवसायिक भवनों के संपत्ति कर को 31 मार्च 2026 से पहले जमा करने पर 25 प्रतिशत की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया। साथ ही जिन भवन करदाताओं का 1 अप्रैल 2026 तक भवन कर बकाया नहीं होगा, उन्हें आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी 31 जुलाई तक भवन और स्वच्छता कर जमा कराने पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। मेयर गजराज बिष्ट ने कहा कि इन निर्णयों से जहां एक ओर राजस्व में वृद्धि होगी, वहीं करदाताओं को भी राहत मिलेगी। बैठक में निगम के अधिक. ारी मौजूद रहे।

पीएनबी की शाखा खुली

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पंजाब नेशनल बैंक की नई शाखा का उद्घाटन हल्द्वानी कैंट परिसर स्थित आवास विकास क्षेत्र में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक सुमित हृदयेश एवं आंचल प्रबंधक देहरादून अनुपम ने दीप प्रज्वलित कर शाखा का शुभारंभ किया। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने कहा कि बैंक शाखा के खुलने से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय व्यापारियों को ऋण सुविधा मिलने से उनके व्यवसाय का विस्तार होगा, वहीं युवाओं और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण प्राप्त करने में भी सहूलियत मिलेगी। कार्यक्रम में मण्डल प्रमुख सिद्धार्थ अधिकारी, शाखा प्रबंधक भागीरथी आर्या सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सामान्य ज्ञान में सृष्टि चिलकोटी अव्वल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गौलापार स्थित एलाइट पब्लिक स्कूल में देववाणी परोपकार मिशन हरिद्वार द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विज. ेताओं का पुरस्कार वितरण समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लालकुआं के विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट एवं विशिष्ट अतिथि समा. जसेवी ऋषि नोलिया मौजदू रहे। जिन्होंने संयुक्त रूप से छात्र-छात्राओं को नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र में प्रतिभाओं को पहचान देने का कार्य करते हैं। वहीं, विशिष्ट अतिथि ऋषि नोलिया ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय एआई का युग है, ऐसे में छात्रों को स्कूली शिक्षा के साथ-साथ समाचार पत्र, इंटरनेट, विज्ञान एवं सोशल मीडिया की जानकारी भी होना अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिता में इंपिरियम स्कूल की सृष्टि चिलकोटी ने प्रथम, एलाइट पब्लिक स्कूल गोलापार के विनय महतोलिया ने द्वितीय तथा मोहन सिंह इंटर कॉलेज की छात्रा नेहा जोशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त 12 विद्यालयों के अन्य छात्र-छात्राओं को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं अध्यक्ष ईश्वर सुयाल ने जानकारी दी कि परीक्षाओं के चलते कुछ छात्र-छात्राएं समारोह में मौजूद नहीं हो सके, जिन्हें अप्रैल माह में उनके विद्यालयों में ही सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन उमेश चुफाल ने किया। इस दौरान बेलवाल भोग के एमडी डा. मुकेश बेलवाल, हिमानी चौहान, तनुजा पोखरिया, कमल भट्ट, ललिता परगई, छात्र संघ अध्यक्ष हर्षवर्धन नोलिया, वसुंधरा त्रिपाठी, जागृति, भूमिका परगई, लता बेलवाल, अंजलि कंडवाल, प्रतिभा सुयाल, सिमरन पांडे मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के विजेताओं को विधायक ने बांटे पुरस्कार

राजस्व वादों के निस्तारण के लिए लोक अदालत 28 को

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राज्य में राजस्व वादों के त्वरित निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत 28 मार्च को राज्यभर में राजस्व लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संदर्भ में जनपद नैनीताल के समस्त राजस्व न्यायालयों, जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय, अपर जिलाधिकारी न्यायालय, उपजिलाधिकारी न्यायालय एवं तहसीलदार न्यायालय में राजस्व लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जानकारी देते हुए जिला. धिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि राजस्व लोक अदालत का उद्देश्य लंबित राजस्व वादों का त्वरित, सरल और सुलभ निस्तारण करते हुए आम नागरिकों को शीघ्र न्याय प्रदान करना है। उन्होंने जनपद के सभी बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने स्तर पर इस आयोजन के बारे में सभी सदस्यों को सूचित करें और अधिक से अधिक संख्या में राजस्व लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक राजस्व वादों का समाधान हो सके। साथ ही जिलाधिकारी ने जनपद के सभी वादकारियों से भी अपील की है कि वे अपने-अपने मामले के त्वरित निस्तारण के लिए 28 मार्च को संबंधित न्यायालयों में उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाएं।

दिव्यांगता कमज़ोरी नहीं, विशेष क्षमता

विशेष बच्चों के शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए कार्यशाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। समग्र शिक्षा जनपद नैनीताल के तत्वाधान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कालाढूंगी रोड हल्द्वानी में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हितधारकों को दिव्यांगता और दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाना था। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि दिव्यांगता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक अलग प्रकार की क्षमता है। यदि शिक्षकों और समाज का सहयोग मिले, तो दिव्यांग बच्चे भी जीवन में बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में सभी विशेषज्ञों ने विभागों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। इस कार्यशाला में लगभग 200 शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक समावेशी शिक्षा मदन मोहन जोशी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बेस अस्पताल के मनोचिकित्सक डा. हिमांशु कांडपाल, समाज कल्याण विभाग से सहायक समाज कल्याण अधिकारी मोहम्मद चांद, एंपैथी ब्रिज फेडरेशन से संजय, डाइट भीमताल से डा. सुमित पांडे और डा. आरती जैन सहित बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा नैनीताल गो. विंद राम जायसवाल, नोडल अधिक. ारी बीईओ तारा सिंह, प्रधानाचार्य भारती भट्ट, समग्र शिक्षा के सहायक एवं वित्त एवं लेखा अधिकारी भारत भूषण जोशी, जिला समन्वयक रविंद्र तिवारी, हरीश बिष्ट आदि मौजूद रहे।

'संगठन मज़बूत, तो व्यापारी सुरक्षित'

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक गल्ला मंडी स्थित कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सुभाष मोंगा ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक संगठन मजबूत नहीं होगा, तब तक व्यापारी समाज सुरक्षित नहीं रह सकता। उन्होंने शहर में व्याप्त जनहित की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं, जिससे आम जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसे में व्यापार मंडल को आगे आकर इन समस्याओं के समाधान के लिए भी संघर्ष करना चाहिए। सुभाष मोंगा ने विभिन्न विभागों में बढ़ते भ्रष्टाचार पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जो अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, उनके खिलाफ खुलकर विरोध और प्रदर्शन करना आवश्यक है। बैठक में प्रदेश कोषाध्यक्ष पूरन लाल साह ने मार्च 2026 तक संगठन के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से स्वीकृत किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री राजेंद्र फर्स्वाण, संयोजक धर्म यादव, सह संयोजक देवेश अग्रवाल, दीपक माहेश्वरी, प्रदेश सचिव राकेश गुप्ता, प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता, महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, ऋषभ पाठक, कुंदन बिष्ट, प्रज्ञान भारद्वाज, अश्मित गुजराल, कुंदन रावत, ललित जायसवाल मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नाली में गिरने से अज्ञात युवक की मौत

■ पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भिजवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर । ट्रांजिट कैम्प कोतवाली क्षेत्र में सिडकुल ढाल के पास नशे की हालत में नाली में गिरकर एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को नाली से निकालकर आस पास के लोगों से मामले की जानक.ारी ली और युवक को जिला चिकित्सालय भिजवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भिजवाया और मृतक युवक की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए।

जानकारी के अनुसार बुधवार प्रात: करीब 25 वर्षीय युवक नशे की हालत में सिडकुल ढाल के पास अरविन्दनगर वार्ड 5 वीरजी ढाबे के समीप गली में घरों से खाने के लिए रोटी मांग रहा था। जहां उसे कहा गया कि अभी रोटी नहीं बनी है और लोगों ने घर का दरवाजा बंद कर दिया। इसके कुछ देर बाद लोगों ने युवक का सिर एक घर के आगे नाली में डूबा देखा। यह सोचकर कि युवक नाली में गिर गया है लोगों ने उसे हिलाडुला कर देखा तो उसके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। इस पर लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी । सूचना मिलने पर कोतवाल मोहन चन्द्र पाण्डे पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने युवक को नाली से बाहर निकाल कर वहां खड़े लोगों से आवश्यक जानकारी ली। लेकिन कोई भी युवक को पहचान नहीं सका। पुलिस ने युवक को जिला चिकित्सालय भिजवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिये। बताया जाता है कि मृतक युवक के एक हाथ में आरके नाम गुदा हुआ है जबकि दूसरे हाथ की दो अंगुलियां कटी हुई हैं।

सिडकुल में मिला अज्ञात युवक का शव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सिडकुल औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं, हालांकि अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर सिडकुल क्षेत्र के अंतर्गत झाड़ियों के पास कुछ लोगों ने एक युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर पता चला कि उसकी मृत्यु हो चुकी है, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की संवे.दनशीलता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही सिडकुल चौकी इंचार्ज दिनेश बिष्ट पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस द्वारा की गई शुरुआती जांच में मृतक की उम्र करीब 24 से 25 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। तलाशी के दौरान युवक के पास से कोई भी पहचान पत्र या दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। हालांकि, उसकी जेब से एक मोबा.इल फोन मिला है जो फिलहाल बंद अवस्था में है। पुलिस अब तकनीकी टीम की मदद से उक्त मोबाइल को चालू करने और उसके संपर्कों के जरिए मृतक की पहचान स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

पुलिस ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शिनाख्त होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

एक नजर

स्मैक के साथ एक तस्कर को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा 04.40 ग्राम स्मैक के साथ नशा तस्कर अदनान को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर, अजय गणपति द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक काशीपुर एवं क्षेत्राधिकारी बाजपुर के निर्देशन में चौकी इंचार्ज सूतमिल उ.नि. इंद्र सिंह ढेला द्वारा मय पुलिस टीम के गस्त के दौरान चांस रिकवरी में जसपुर क्षेत्र से अभियुक्त मो. अदनान पुत्र मो. निजाम निवासी चांद मस्जिद नई बस्ती थाना जसपुर को 04.40 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर थाना हाजा पर मुकदमा पंजीकृत किया गया । पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह डांगी, एसएसआई जावेद मलिक, एसआई इंद्र सिंह ढेला, चौकी इंचार्ज सूत मिल, एसआई विजय सिंह चौकी इंचार्ज धर्मपुर, का. अरुण कुमार, फुलेरा आदि पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पूर्व विधायक राना ने किया सती मेडीकोज का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । नगर के टीआरसी के पास सती मेडीकोज का पूर्व विधायक डा. प्रेम सिंह राना एवं वरिष्ठ समाज सेवी डा. देवेन्द्र सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

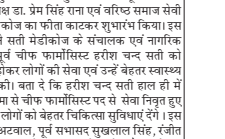

बुधवार को नगर के टीआरसी के निकट पर्वतीय भवन के समीप स्थित सती मेडीकोज पर विधिवत पूजा अर्चना सम्पन्न कराई गयी, जिसके पश्चात यहा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा के पूर्व विधायक एवं जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष डा. प्रेम सिंह राना एवं वरिष्ठ समाज सेवी डा. देवेन्द्र सिंह ने सती मेडीकोज का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान पूर्व विधायक राना ने सती मेडीकोज के संचालक एवं नागरिक चिकित्सालय खटीमा के पूर्व चीफ फार्मोसिस्ट हरीश चन्द सती को चिकित्सा की ओर अग्रसर होकर लोगों की सेवा एवं उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की सराहना की। बता दे कि हरीश चन्द सती हाल ही में नागरिक चिकित्सालय खटीमा से चीफ फार्मोसिस्ट पद से सेवा निवृत हुए हैं, जो अब अपने अनुभव से लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देंगे । इस अवसर शिक्षक नेता केएन अटवाल, पूर्व सभासद सुखलाल सिंह, रंजीत सिंह राना, राजेन्द्र नाथ मंहत, हरीश जोशी सहित अनेक लोग मौजूद रहे ।

हाईवे पर आया जंगली हाथी, यातायात बाधित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रुद्रपुर-पंतनगर हाईवे पर मंगलवार देर शाम हल्दी क्षेत्र में फॉरेस्ट्री के पास जंगल की ओर से एक हाथी अचानक बीच सड़क पर आ गया। यह घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की बताई जा रही है। हाथी के सड़क पर आ जाने से दोनों ओर से आने-जाने वाला यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह थम गया। मौके पर मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया और लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पंतनगर के सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को संभालते हुए आग जलाकर और ढोल बजाकर हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद हाथी वापस जंगल की ओर लौट गया। इसके बाद यातायात सुचारू हो सका।

घायल मिला अज्ञात युवक पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बगवाड़ा मंडी परिसर में बुधवार को एक अज्ञात युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर बगवाड़ा पुलिस चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह रिंगवाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल कार्रवाई करते हुए घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बगवाड़ा मंडी में एक युवक को लहूलुहान हालत में पड़ा देख मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। युवक के सिर पर गहरे घाव के निशान थे और वह काफी दर्द में था। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह रिंगवाल, कांस्टेबल ललित मोहन और कांस्टेबल दिलीप कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल 108 एम्बुलेंस को सूचित किया और घायल युवक को प्राथमिक उपचार के साथ जिला अस्पताल भेजा। घायल युवक की स्थिति इतनी गंभीर है कि वह अपना नाम और पता बताने की स्थिति में नहीं है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि युवक किसी हादसे का शिकार हुआ है या उस पर जानलेवा हमला किया गया है।

सच्चाई का पता लगाने के लिए पुलिस मंडी परिसर और आसपास के क्षेत्रें में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि युवक के होश में आने के बाद ही पूरी स्थिति साफ हो पाएगी।

एनएसएस शिविर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के दूसरे दिन स्वयंसेवियों ने कोटा फॉर्म सिसौना में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डा. संजय कुमार टम्टा और डा. अभिमन्यु कुमार ने शिविर में अनुशासन में बने रहने और समाज में जन जागरूकता जगाने के संबंध में जानकारी दी गई।

बौद्धिक सत्र में स्वयंसेवियों ने बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ टॉपिक पर पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। यहां डा. प्रकाश भट्ट, डा. सविता, डा. ललित मोहन जोशी, विकास कुमार मौजूद रहे।

दो दिनों से लापता कपड़ा व्यापारी का मिला शव

शाह टाइम्स संवाददाता

शक्तिफार्म। शक्तिफाम के व्यापारी का शव वन शक्ति मंदिर के पास मिला है। व्यापारी दो दिनों से लापता था। मंगलवार शाम ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त की।

मंगलवार शाम ग्रामीणों ने वन शक्ति मंदिर के निकट बाराकोली जंगल में एक शव देखा। सूचना पर सितारगंज कोतवाल सुंदरम शर्मा, एसएसआई राजेंद्र सिंह, सिडकुल चौकी प्रभारी जगत सिंह शाही एवं शक्तिफार्म चौकी प्रभारी ललित चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव की शिनाख्त ग्राम देवनगर हाल वार्ड एक निवासी 41 वर्षीय गौतम मंडल पुत्र सुभाष मंडल के रूप हुई। गौतम मंडल शक्तिफार्म में कपड़ा व्यापारी थे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह दो दिनों से लापता थे। मृतक के मुंह से झाग निकला था। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बताया कि प्रथमदृष्ट्या पारिवारिक कलह मौत का कारण मानी जा रही है, जिसमें विषाक्त पदार्थ के सेवन से मौत होने की आशंका है। वहीं शक्तिफार्म चौकी प्रभारी ललित चौधरी ने बताया कि बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद ही मौत का कारण साफ हो सकेगा। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और एक बेटे को रोता-बिलखता छोड़ गया है।

गोपाल साहनी को दी बैटरी चालित ट्राई साइकिल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने विकास भवन में भगवानपुर रुद्रपुर निवासी गोपाल साहनी को बैटरी चालित ट्राई साईकिल दी। अवगत करना है कि 23 मार्च को सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेडिकल कालेज में आयोजित कार्यक्रम में गोपाल साहनी द्वारा ट्राई साइकिल उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया था। जिसके क्रम में जिलाधिकारी ने गोपाल साहनी के परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी को शीघ्र ट्राई साइकिल देने के निर्देश दिये गये थे। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरूद्ध आदि मौजूद थे।

इंदर रावत ने आपदा से प्रभावित परिवारों से की मुलाकात

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भाजपा के वरिष्ठ व सांसद प्रतिनिधि इंदर रावत ने विधान सभा क्षेत्र रामनगर में बीते दिनों आई आपदा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनके दुख-दर्द को साझा किया। ग्राम सेमलखलिया में भाजपा बूथ अध्यक्ष भूपाल सिंह का चक्की का पूरा सेट तेज आंधी में क्षतिग्रस्त हो गया।रिंगोड़ा निवासी प्रकाश चंद्र उपाध्याय के 12 वर्षीय पुत्र की हल्दू के पेड़ के गिरने से मौत हो गई थी। ग्राम बेलगढ़ में बलवीर सिंह नेगी के घर के ऊपर विशाल पेड़ गिरने से उनका पूरा परिवार बाल-बाल बच गया लेकिन उनकी झोपड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।इंदर सिंह रावत ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और बलवीर नेगी को तुरंत झोपड़ी के पुनर्निर्माण करने को कहा गया जिसके लिए उन्होंने आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

साथ ही रामनगर के प्रभागीय वन अधिकारी से भेंट कर वन विभाग क्षेत्र में हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कर प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा दिलाने का आग्रह किया, ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द राहत मिल सके।इस दौरान भाजपा नेता शुभम उत्तम, पूर्व प्रधान बब्बू चौधरी,पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा भावना भट्ट आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण पर जल्द चलेगा पीला पंजा

■ एडीएम और नगर आयुक्त के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने की पैमाइश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। नगर को जाम की समस्या से स्थाई मुक्ति दिलाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। बुधवार को एडीएम पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में प्रशासन की संयुक्त टीम ने त्रिशूलक चौक के समीप हाईवे चौड़ीकरण के लिए मौका मुआयना किया। इस दौरान टीम ने अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए लाल निशान लगाए और अतिक्रमणकारियों को जल्द जगह खाली करने के कड़े निर्देश दिए।

बुधवार दोपहर एडीएम पंकज उपाध्याय के साथ जिला विकास प्राधिकरण, नगर निगम, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग और विद्युत विभाग की संयुक्त टीम पुलिस बल के साथ इंदिरा चौक पहुंची। टीम ने विशेष रूप से उस हिस्से का निरीक्षण किया जो लेफ्ट कट को खोलने में बाधक बना हुआ है। पैमाइश के दौरान डिवाइडर से दोनों ओर 100-100 फीट की जगह को मानक मानकर चिन्हीकरण की कार्रवाई की गई। एडी एम पंकज उपाध्याय ने बताया कि शहर के मुख्य मार्गों को यातायात के लिए सुगम बनाने हेतु हाईवे का चौड़ीकरण अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगले दो-तीन दिनों के भीतर सभी संबंधित अतिक्रमणकारियों को औपचारिक नोटिस जारी किए जाएंगे। नोटिस मिलने के 15 दिनों के भीतर यदि अतिक्रमण स्वयं नहीं हटाया गया, तो प्रशासन बलपूर्वक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाएगा। एडीएम ने यह भी आश्वा.सन दिया कि यदि चौड़ीकरण की जद में किसी की फ्री-होल्ड प्रॉपर्टी या वैध दुकानें आती हैं, तो नियमानुसार उनकी सुनवाई कर मुआवजे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रशासनिक योजना के अनुसार, केवल त्रिशूलक चौक ही नहीं बल्कि शहर के डीडी चौक को भी जाम मुक्त करने के लिए चौड़ीकरण की डीपीआर तैयार हो चुकी है। अतिक्रमण हटने के तुरंत बाद इन दोनों चौराहों पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बदल जाएगी। निरीक्षण के दौरान मौजूद नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे ने बताया कि त्रिशूल चौक के पास नगर निगम की लगभग 23 दुकानों का कुछ हिस्सा भी अतिक्रमण की जद में आ रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में नगर पालि.का द्वारा आवंटित दुकानों के आगे दुकानदारों ने अवैध रूप से टीन शेड डालकर अतिक्रमण कर लिया है। नगर आयुक्त ने साफ लहजे में कहा कि डिवाइडर से 100 फीट के दायरे में आने वाले हर अवैध निर्माण को सख्ती से हटाया जाएगा। इस अभियान के दौरान प्रशासन की सक्रियता देख दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा रहा। टीम में तहसीलदार, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता और नगर निगम के अधिकारी मुख्य रूप से शामिल रहे।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। यूपी सीमा से लगे मझोला गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। खेत की फेंसिंग में दौड़ रहे करंट से हादसे की संभावना जताई गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सत्रहमील चौकी प्रभारी ललित बिष्ट ने बताया कि बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे मझोला निवासी तेजपाल और मनीष पटेल ने सूचना दी कि 24 मार्च को 42 वर्षीय प्रेम नारायण पुत्र भगवान दास उनके घर के पास एक खाली खेत में काफी देर से पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे मझोला स्थित निजी क्लीनिक ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक के पैरों और चेहरे के बायीं ओर झुलसने के निशान मिले हैं और त्वचा सिकुड़ी हुई थी। मौके पर जांच करने पर पाया गया कि खेत के चारों ओर जानवरों से सुरक्षा के लिए करंट वाली फेंसिंग लगी हुई है, जिसमें वर्तमान में भी करंट प्रवाहित हो रहा था। शरीर पर अन्य किसी चोट के निशान नहीं मिले हैं। चौकी प्रभारी का कहना है कि प्रथम दृष्ट्या मामला करंट लगने से मौत का प्रतीत हो रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बालिकाओं के पूजन से भक्तिमय हुआ सरस्वती एकेडमी

■ संस्कार और संस्कृति का संगमः सरस्वती एकेडमी में नवरात्रि का उत्सव

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। बिगराबाग के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सरस्वती एकेडमी, बिगराबाग में बुधवार को नवरात्रि का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर पूरी तरह माता रानी के जयकारों और भजनों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कन्या पूजन रहा, जिसमें विद्यालय की नन्ही-मुन्नी बालिकाओं को माता रानी के नौ स्वरूपों के रूप में सजाया गया था।

पारंपरिक वेशभूषा में सजी ये बालिकाएं साक्षात देवी का स्वरूप प्रतीत हो रही थीं। विद्यालय की चेयरपर्सन ज्योति पाल ने पूर्ण विधि-विधान के साथ कन्याओं का पूजन किया और उनका आशीर्वाद लिया। चेयरपर्सन ज्योति पाल ने इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों की सुख, शांति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि: नवरात्रि का पर्व नारी शक्ति के सम्मान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हमें अपनी संस्कृति और संस्कारों को सदैव जीवित रखना चाहिए। उन्होंने बच्चों को नवरात्रि के नौ दिनों के आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रामयश ने सभी को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने मिलकर माता रानी के भक्तिपूर्ण भजनों का गायन किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

गदरपुर में अवैध कत्लखाने पर पुलिस का छापा

■ 31 किलो मांस बरामद, आरोपी नसीम रंगे हाथ पकड़ा

■ एक नामजद सहित अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। शहर में अवैध रूप से चल रहे स्लॉटर हाउस पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सनसनीखेज खुलासा किया है। देर रात पुलिस की छापेमारी में इस्लामनगर कब्रिस्तान स्थित मीट मार्केट में चोरी-छिपे भैंसों का वध कर मांस बेचने का गोरखधंधा पकड़ा गया। मौके से भारी मात्रा में मांस और अवशेष बरामद किए गए, जबकि एक आरोपी को रंगे हाथ दबोच लिया गया।

रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सटीक सूचना पर अपर उप निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मेहरा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जैसे ही पुलिस ने दबिश दी, एक व्यक्ति कट्टा लेकर भागने और छिपने की कोशिश करता मिला, जिसे घेराबंदी कर तुरंत पकड़ लिया गया। तलाशी में पुलिस के होश उड़ गए, चार प्लास्टिक के कट्टों से करीब 31 किलो भैंस का मांस, अन्य अवशेष बरामद हुए।

इसके अलावा मौके से चापड़, छुरी और लकड़ी का गुटका भी मिला, जिससे अवैध वध किए जाने की पुष्टि हुई। पकड़े गए आरोपी की पहचान नसीम (42), निवासी इस्लामनगर के रूप में हुई है। पूछताछ में वह कोई वैध लाइसेंस नहीं दिखा सका और कबूल किया कि वह चोरी-छिपे मांस बेचता था। मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक ने प्राथमिक जांच में बरामद मांस को भैंस का बताया। पुलिस ने सैंपल लेकर सील कर जांच के लिए भेज दिया है।

स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि अवैध कत्लखानों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी और अज्ञात के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 धारा 11(1)(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध मंदिर निर्माण का लोगों ने किया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शिवनगर वार्ड 9 में अवैध मंदिर निर्माण के विरोध में बुधवार को पूर्व पार्षद मोहन कुमार के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। मोहन कुमार ने आरा.प लगाया कि वार्ड क्षेत्र में कुछ लोगों की ओर से सरक.ारी भूमि पर अवैध रूप से मंदिर निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में शासन व प्रशासन को अवगत कराते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। तहसीलदार को ज्ञापन देने के बाद लोगों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर विरोध जताया। इस दौरान वार्ड के बुजुर्गों के साथ कांग्रेस युवा नेता राकेश अधिकारी, स्थानीय निवासी, महिला समूह की सदस्याएं एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विभिन्न संगठनों ने शहीदों की प्रतिमाएं ढहाये जाने की कड़ी भर्त्सना की

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में प्रशासन द्वारा काकोरी के शहीदों रामप्रसाद बिस्मिल,अशफाक उल्ला खान एवं रोशन सिंह का अनादर करते हुये उनकी प्रतिमाओं को बुल्डोजर से ढहाने और मलवा को कूड़ा घर में फिंकवा दिये जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए इंकलाबी मजदूर केंद्र, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र और परिवर्तनकामी छात्र संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा उपजिलाधिकारी रामनगर के माध्यम से एक ज्ञापन राष्ट्रपति को भेजा गया है।

भेजे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि 23 मार्च के दिन जब पूरा देश महान क्रांतिकारियों भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु का शहादत दिवस मनाने की तैयारी कर रहा था, उसी दिन सुबह करीब 3 बजे उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में काकोरी के शहीदों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह की टाउन हॉल में स्थापित प्रतिमाओं को प्रशासन द्वारा बुल्डोजर से ढहा दिया गया और मलवा को कूड़ा घर में फिंकवा दिया गया। उन्होंने कहा कि ये वो महान क्रांतिकारी थे जिन्होंने 9 अगस्त 1925 के ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन के तहत सरकारी खजाना लूटकर ब्रिटिश सत्ता को सीधे चुनौती दी थी। कहा कि रामप्रसाद बिस्मिल और अशफाकउल्ला खान की दोस्ती को देश की ष्साझी शहादत- साझी विरासतष और हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बताते हुये उनकी प्रतिमाओं को ढहाने को इस प्रतीक पर हमला और आजाद भारत में इन शहीदों का अपमान करने वाला है। उन्होंने इसकी कड़ी भर्त्सना करते हुए मांग की गई कि घटना की उच्च स्तरीय जांच कराकर इसमें शामिल सभी लोगों पर कार्रवाही की जाये और शहीदों की प्रतिमाओं को पूर्ण आदर के साथ दोबारा स्थापित किया जाए। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में इंकलाबी मजदूर केंद्र के महासचिव रोहित रुहेला, भुवन चंद्र, उबैदुल हक, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिंवाल, परिवर्तनकामी छात्र संगठन के रवि कुमार ,विनोद कुमार आदि शामिल रहे।

शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। मोहल्ला लखनपुर पर्वतीय सभा में भारतीय जनता महिला मोर्चा की अध्यक्ष गंगा राणा द्वारा शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति के सम्मान एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती के सहयोग से महिला मोर्चा की ओर से कन्या पूजन किया गया। इस दौरान बालिकाओं का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें भेंट स्वरूप पाठ्य सामग्री एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं वितरित की गई।इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने भागेदारी की।उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और नारी शक्ति के सम्मान को सुदृढ़ करते हैं। इस दौरान कार्यक्रम में महिला मोर्चा अध्यक्ष गंगा राणा, दीप्ति रावत, अल्का खाती, लक्ष्मी रावत, दीपा, हेमा लोहनी सहित कई महिला कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके अलावा पूर्व दर्जा मंत्री दिनेश मेहरा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, नगर मंडल भाजपा महामंत्री नवीन करगेती, जोगेंद्र भंडारी, सचिन,भाजपा सोशल मीडिया संयोजक भरत तिवारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश आर्या, ऋषभ अग्रवाल, प्रयाग डोर्बी आदि मौजूद रहे।

लोहाघाट में गैस के लिए हाहाकार

■ हथरंगिया चौराहे पर पुलिस के साये में वितरण, दावों की खुली पोल
■ प्रशासन बोला- पर्याप्त आपूर्ति, जमीनी सच्चाई, लंबी कतारें, जाम और खाली हाथ लौटते उपभोक्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। चम्पावत जिले में रसोई गैस आपूर्ति को लेकर प्रशासनिक दावे जमीनी हकीकत के सामने पूरी तरह बेअसर साबित हो रहे हैं। नगर क्षेत्र में गैस वितरण व्यवस्था बदहाल नजर आई, जहां अव्यवस्था, भारी भीड़ और कुप्रबंधन ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। हथरंगिया चौराहे पर गुरुवार को हालात सबसे ज्यादा बिगड़े नजर आए। प्रशासन जहां पर्याप्त गैस आपूर्ति का दावा कर रहा है, वहीं मौके पर सैकड़ों उपभोक्ता सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े दिखे। भीड़ इतनी अधिक हो गई कि सड़क पर जाम की स्थिति बन गई और आवाजाही तक प्रभावित हो गई।

स्थिति इस कदर बिगड़ गई कि पुलिस को मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभालना पड़ा। पुलिस की मौजूदगी में किसी तरह गैस का वितरण कराया गया, लेकिन इसके बावजूद कई लोग घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर रहे।

स्थानीय लोगों और वार्ड सभासद योगेश जोशी ने गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वितरण में भारी अनियमितता बरती जा रही है। उनका कहना है कि लोगों को कई-कई दिनों तक गैस नहीं मिल पा रही, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं एजेंसी प्रबंधन ने सफाई देते हुए कहा कि रविवार की छुट्टी के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। सीमित संख्या में सिलेंडर उपलब्ध हैं और रोस्टर के आधार पर वितरण किया जा रहा है। इसके बावजूद जमीनी हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। हर वितरण केंद्र पर भीड़ का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। कई जगहों पर धक्का-मुक्की और विवाद की स्थिति भी बन रही है।

गौरतलब है कि जिले में रसोई गैस को लेकर हालात अब 'मारामारी' जैसे बनते जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही वितरण व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। फिलहाल आमजन अपने रोजमर्रा के काम छोड़कर गैस के लिए जूझने को मजबूर हैं।

लकड़ी चोरी मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज

■ एक और आरोपी से अवैध बंदूक बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। वन क्षेत्र में लकड़ी चोरी और वन विभाग की टीम पर फायरिंग के मामले में कोतवाली बाजपुर पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए एक और आरोपी से अवैध हथियार बरामद किया है।

14/15 फरवरी 2026 की रात ग्राम अस्कोट बरहेनी वन रेंज में वन विभाग की टीम को लकड़ी चोरी की सूचना मिली थी। टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों का पीछा करने पर आरोपियों ने फायरिंग कर दी थी। इस गंभीर घटना के संबंध में कोतवाली बाजपुर में मुकदमा संख्या 40/26 धारा 109(1), 191(2), 191(3), 221 बीएनएस के तहत दलजीत सिंह उर्फ डल्लू समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी दलजीत सिंह उर्फ डल्लू को 18 फरवरी 2026 को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 315 बोर की एक बंदूक बरामद की थी। वहीं दूसरे आरोपी करन उर्फ गोरखा ने 16 मार्च 2026 को माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। मामले की विवेचना कर रहे प्रभारी चौकी बरहैंनी उपनिरीक्षक संदीप शर्मा ने 24 मार्च 2026 को न्यायालय से पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) प्राप्त कर आरोपी करन उर्फ गोरखा से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर की एक बंदूक तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एक नजर

बनबसा में सरकारी जमीन पर नर्सिंग कॉलेज की मांग तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

बनबसा। क्षेत्र में सरकारी भूमि पर स्थित सरकारी अस्पताल परिसर की लगभग 9-10 बीघा जमीन पर वर्तमान में खेती किए जाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर अब क्षेत्र में एक नई मांग जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस जमीन का सदुपयोग करते हुए यहां सरकारी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जाए, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हो सकती है।

क्षेत्रवासियों के लिए बन सकता है मील का पत्थर

सामाजिक कार्यकर्ता सावनचंद रजवार ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार और प्रशासन से मांग की है कि उक्त भूमि का उपयोग जनहित में किया जाए। उन्होंने कहा कि नर्सिंग कॉलेज बनने से न केवल बनबसा बल्कि आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा का बेहतर अवसर मिलेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो बनबसा क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी और यह कदम विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। स्थानीय नागरिकों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है, ताकि सरकारी भूमि का उपयोग जनहित के लिए सुनिश्चित किया जा सके।

अंधेरे में डूबा हाईवेः जगपूड़ा पुल से टनकपुर तक स्ट्रीट लाइट्स का अभाव बना बड़ा खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 125 (या राष्ट्रीय राजमार्ग 9) के अंतर्गत जगपूड़ा पुल से टनकपुर तक दोनों ओर स्ट्रीट लाइट्स का न होना अब एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। रात के समय इस मार्ग पर गहरा अंधेरा छाया रहता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस मार्ग पर अक्सर पशु सड़क पर खड़े मिलते हैं, जो अंधेरे के कारण समय पर दिखाई नहीं देते। यही वजह है कि यह क्षेत्र धीरे-धीरे दुर्घटना संभावित जोन में तब्दील होता जा रहा है। स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है और आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इस गंभीर मुद्दे को सामाजिक कार्यकर्ता सावन चंद्र रजवार ने प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द इस मार्ग पर दोनों ओर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था की जाए, ताकि आमजन को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि जनहित में शीघ्र कार्रवाई करते हुए इस महत्वपूर्ण मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए।

एनसीसी कैडेट्स को बांटे प्रमाण पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एयर फोर्स विंग एनसीसी कैडेट्स को ए-प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनकी सफलता की पहली सीढ़ी है। जिसे उन्हें आगे और मजबूत बनाते हुए एक आदर्श नागरिक के रूप में विकसित करना है। वहीं एनसीसी अधिकारी नरेंद्र सिंह रौतेला ने बताया कि इस वर्ष कुल 14 एनसीसी कैडेट्स को ए-ग्रेड के साथ ए-प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं जो एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। इस मौके पर यूके एयर स्क्वाड्रन एनसीसी पंतनगर के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन विवेक रावत ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का सफल संचालन एनसीसी अधिकारी नरेंद्र सिंह रौतेला ने किया। इस अवसर पर जोगेश तिवारी, केडी जोशी, आलोक सिंह, होशियार सिंह बिष्ट, प्रमोद सिंह राणा, मेवाराम, मनीषा पंत, नरेंद्र दिगारी, चांदनी, ललित जोशी, मनीषा काल्पसी, लिली सिंह, नरेश पांडे, शेखर कोठारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी संजय पंत सहित अनेक शिक्षक एवं अन्य उपस्थित रहे।

देवीधुरा में एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। राजकीय इंटर कॉलेज, देवीधुरा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का सात दिवसीय विशेष शिविर मंगलवार से विधिवत रूप से शुरू हो गया। शिविर में 50 चयनित स्वयंसेवी पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग ले रहे हैं। शिविर का उद्घाटन शिक्षक एवं अभिभावक संघ के अध्यक्ष हयात सिंह बिष्ट ने किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं में सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का मजबूत माध्यम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या भावना आर्या ने की। उन्होंने स्वयंसेवियों को शिविर के दौरान अनुशासन और समर्पण के साथ सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। यहां वरिष्ठ प्रवक्ता दिनेश चंद्र जोशी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी नरेन्द्र नाथ गोस्वामी, ठाकुर सिंह बिष्ट, शकुंतला बोहरा और नीलम जोशी आदि थे।

राष्ट्रीय डैफ बैडमिंटन चैंपियनशिप में उत्तराखंड की हिमानी जोशी का शानदार प्रदर्शन, जीते तीन पदक

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। चंडीगढ़ में 20 से 23 मार्च तक आयोजित 27वीं राष्ट्रीय डैफ बैडमिंटन चैंपियनशिप में उत्तराखंड की प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिमानी जोशी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। देशभर से आए खिलाड़ियों के बीच हिमानी ने अपने बेहतरीन खेल कौशल और कड़ी मेहनत के दम पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। हिमानी जोशी वर्तमान में एमबी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी में बीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा हैं। उन्होंने महिला एकल वर्ग में शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक जीता। इसके अलावा महिला युगल स्पर्धा में भी उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन कर एक और कांस्य पदक अपने नाम किया। मिश्रित युगल वर्ग में हिमानी जोशी और हर्षित चंद की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता में विशेष उपलब्धि दर्ज की। हिमानी की इस सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य, खेल एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक, प्रो. किरण मिश्रा, प्रो. आभा त्रिपाठी सहित समस्त स्टाफ ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं पर्वतीय महासभा, बाजपुर के अध्यक्ष ने भी उनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

लंबे समय से फरार वारंटी को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में वांछित एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली बाजपुर पुलिस ने लंबे समय से न्यायालय में अनुपस्थित चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, न्यायालय के आदेशों की तामील सुनिश्चित करने हेतु जनपद के सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक काशीपुर एवं क्षेत्राधिकारी बाजपुर के पर्यवेक्षण में कोतवाली बाजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारंटी लालमनि पुत्र उत्तम सिंह निवासी चकरपुर, को गिरफ्तार किया। बताया गया कि आरोपी काफी समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

बनबसा में व्यापार मंडल ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अधिकारियों का किया भव्य सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

बनबसा। क्षेत्र में जनहित और बेहतर प्रशासनिक सेवाओं के लिए सराहनीय कार्य कर रहे अधिकारियों को व्यापार मंडल बनबसा ने सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर एनएचपीसी के महाप्रबंधक ऋषि रंजन आर्य, विद्युत महाप्रबंधक जावेद अंसारी एवं थानाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कोरंगा को उनके उत्कृष्ट कार्य, जिम्मेदार नेतृत्व और आमजन के प्रति संवेदनशील रवैये के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि इन अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में न केवल कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है, बल्कि समस्याओं के त्वरित समाधान के माध्यम से जनता और व्यापारियों का विश्वास भी जीता है। उनके कार्यों से क्षेत्र में सुशासन और सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है। व्यापार मंडल अध्यक्ष भरत सिंह भंडारी ने कहा कि ऐसे कर्मठ और ईमानदार अधिकारियों का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है, जिससे उन्हें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। वहीं महामंत्री अभिषेक गोयल और उपाध्यक्ष आशीष गर्ग ने भी अधिकारियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि इनके प्रयासों से व्यापारियों की समस्याओं का समाधान तेजी से हुआ है।

कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष कमल गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर लाल वर्मा, सांसद प्रतिनिधि संजय जोशी, संजय अग्रवाल, पवन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में अधिकारियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इंस्पायर अवार्ड विजेता आलिया ने सीनियर वर्ग में किया टॉप, क्षेत्र में खुशी की लहर

■ शिक्षकों और दादी के मार्गदर्शन से आलिया ने हासिल किया नया मुकामः 11 वीं में रहीं अव्वल

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। राजकीय इंटर कॉलेज, चारुबेटा से हाईस्कूल की परिषदीय परीक्षा में 81.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉप करने वाली ग्राम मुंडेली की मेधावी छात्रा आलिया ने अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखा है। राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में प्रवेश लेने के बाद, आलिया ने इस वर्ष कक्षा 11 में 96.6 प्रतिशत अंक हासिल कर सीनियर वर्ग में विद्यालय टॉप किया है।

आलिया ने अपनी इस शानदार सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों, अपनी दादी अफसाना बेगम तथा अपने स्वजनों के मार्गदर्शन को दिया है। गौरतलब है कि आलिया शुरू से ही विलक्षण प्रतिभा की धनी रही हैं। गत वर्ष उन्होंने 10,000 रुपये का इंस्पायर अवार्ड जीतकर जनपद स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था। कमला नेहरू पुरस्कारः आलिया की हाईस्कूल की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए उनकी माता सितारा बी को भी 'कमला नेहरू पुरस्कार' से सम्मानित किया जा चुका है। आलिया ने अपनी प्राथमिक शिक्षा से लेकर अब तक की सभी कक्षाएं विशेष योग्यता (Distinction) के साथ उत्तीर्ण की हैं। आलिया की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षाविदों में खुशी की लहर है। प्राथमिक विद्यालय चारुबेटा की प्रधानाध्यापिका मीना गुप्ता, राजकीय इंटर कॉलेज चारुबेटा के प्रधानाचार्य रामनारायण वर्मा तथा वर्तमान विद्यालय के प्रधानाचार्य भगत सिंह बोरा सहित सभी शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी। गुरुजनों ने उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि आलिया आगामी इंटरमीडिएट की परिषदीय परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

लोहाघाट का लाल अनुज बना आईएएस, किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। नगर एवं आसपास के गांवों में बुधवार को उस समय दीपावली जैसा माहौल देखने को मिला, जब 23 वर्षीय अनुज पंत यूपीएससी परीक्षा में 69वीं रैंक हासिल कर आईएएस बनने के बाद पहली बार अपने गृह क्षेत्र पहुंचे। उनके स्वागत के लिए लोगों का उत्साह इतना अधिक था कि नगर पालिका सभागार भी छोटा पड़ गया।

नगर क्षेत्र के युवा जहां सभागार की ओर उमड़ पड़े, वहीं बाराकोट ब्लॉक के कई गांवों से लोग अनुज के गांव छुलापे की ओर बढ़ते नजर आए। हर ओर फूल-मालाओं और जयकारों के बीच अनुज का भव्य स्वागत किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा ने अनुज पंत को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल कर उन्होंने पूरे जनपद को गौरवान्वित किया है। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सतीश चंद्र पांडे ने कहा कि अनुज की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा और ऊर्जा का स्रोत बनेगी। अनुज पंत ने कहा कि सफलता के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और लगातार मेहनत ही सबसे बड़ा मंत्र है। उन्होंने बताया कि यूपीएससी के पहले प्रयास में असफलता ने उन्हें और मजबूत बनाया और रोजाना 10 घंटे की पढ़ाई के साथ उन्होंने अपने लक्ष्य पर अर्जुन की तरह फोकस बनाए रखा। उन्होंने कहा कि बिना किसी कोचिंग के आईपीएस परीक्षा दी। ट्रैनिंग के बाद अवकाश लेकर उन्होंने अपनी आगे की तैयारी जारी रखी और अंततः सफलता हासिल की। कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय के पूर्व प्राचार्य बीडी ओली, निर्मल मेहरा, राजू गड़कोटी, सचिन जोशी, श्याम चौबे, मुकेश जोशी, खिलानंद पंत, जीवन कलोनी का सम्मान।

मनिहार गोठ में गैस को लेकर हाहाकार

■ सुबह 9 बजे से लाइन में ड़े उपभोक्ता- महिलाओं में भारी आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। मनिहार गोठ क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर हालात गंभीर होते जा रहे हैं। बुधवार सुबह से ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता गैस वितरण केंद्र के बाहर लाइन लगाकर खड़े दिखाई दिए। सुबह करीब 9:00 बजे से ही लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन घंटों बीतने के बाद भी गैस मिलने को लेकर अनिश्चितता बनी रही।

सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है। लाइन में खड़ी एक महिला ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वोट मांगने के समय नेता बहुत जल्दी पहुंच जाते हैं, लेकिन जब आम जनता को परेशानी होती है तो कोई भी उनकी सुध लेने नहीं आता। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर इसी तरह की स्थिति रही तो इस बार वोट नहीं देंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से गैस की आपूर्ति नियमित नहीं हो पा रही है, जिससे रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। कई परिवारों को खाना बनाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कुछ लोग मजबूरी में महंगे विकल्पों का सहारा ले रहे हैं।

ग्राम पंचायत मनिहार गोठ में उपभोक्ताओं का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को जल्द से जल्द सुचारू किया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। वहीं, यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थानीय लोग आंदोलन करने की चेतावनी भी दे रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी जल्दी संज्ञान लेकर व्यवस्था को दुरुस्त करता है।

जल पुलिस ने बचाई छह वर्षीय मासूम की जान

■ पूर्णागिरि मेले में भीड़ घटी, व्यापारियों के चेहरे मुरझाए
■ 20 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। उत्तरभारत के प्रसिद्ध पूर्णागिरि मेले में आज बुधवार को अपेक्षाकृत कम भीड़ देखने को मिली, जिससे व्यापारियों के चेहरे मायूस नजर आए। हालत यह रही कि कई व्यापारी दिन के समय भी फुर्सत में आराम करते दिखे। मेला प्रशासन के अनुसार आज करीब 20 हजार श्रद्धालुओं ने मां पूर्णागिरि के दर्शन किए।

मेला मजिस्ट्रेट डॉ. ललित मोहन तिवारी ने दिनभर मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए तीर्थ यात्रियों से संवाद कर सुविधाओं को लेकर उनकी राय भी जानी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन मेले को वर्षभर चलने वाले तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है और अब सभी निर्माण कार्य स्थायी रूप से किए जा रहे हैं।

इसी बीच शारदा घाट पर एक बड़ा हादसा टल गया। हरदोई से आए 6 वर्षीय अनिल कश्यप का पैर फिसलने से वह नदी की तेज धारा में बहने लगा। मौके पर तैनात जल पुलिस और पीएसी के गोताखोरों ने बिना समय गंवाए साहस का परिचय देते हुए बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना को देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और गोताखोरों की जमकर सराहना की।

रेस्क्यू ऑपरेशन में पीएसी के गोताखोर अनिल कुमार, नीरज बोरा, अमित कुमार, कमलेश मेहरा, विजय गांगुला और जल पुलिस के राकेश गिरी व रविंद्र पहलवान शामिल रहे। स्थानीय लोगों ने इन बहादुर जवानों को सम्मानित किए जाने की मांग भी उठाई।

मेला प्रशासन के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं और मेले का संचालन शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

युवक ने की दरांती से खुद का गला काटने की कोशिश की, हालत गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर के ग्राम पीरूमदारा क्षेत्र से एक युवक ने दरांती से खुद का गला काटने की कोशिश कर आत्महत्या का प्रयास किया।युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

बताया जा रहा है कि धर्मपुर आलिया, पीरूमदारा निवासी प्रदीप सिंह रावत ने अपने घर के आंगन में दरांती से खुद का गला काटने का प्रयास किया,घटना के समय उसकी मां गोदम्बरी देवी घर के अंदर मौजूद थीं। जैसे ही उन्होंने बाहर आकर देखा, उनका बेटा खून से लथपथ हालत में यह खौफनाक कदम उठा रहा था।

मां ने तुरंत शोर मचाया और छोटे बेटे दीपक रावत को बुलाया,दोनों ने मिलकर किसी तरह युवक के हाथ से दरांती छीनी, लेकिन इसके बाद युवक वहां से भागकर पास के खेत में जाकर लेट गया,पुलिस के मौके पर पहुंचने तक युवक खेत में गंभीर हालत में पड़ा मिला, जबकि उसकी मां उसके पास बैठी हुई थी। परिजनों ने बताया कि युवक नशे का आदी है और पिछले कुछ दिनों से उसका व्यवहार असामान्य हो गया था। वह बार-बार यह कह रहा था कि उस पर किसी भूत-प्रेत का साया है, जिससे परिवार भी चिंतित था।मामले में पुलिस का कहना है सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। घायल युवक को अस्पताल भिजवाया गया है, मामले की जांच की जा रही है।

घायल युवक को 108 एम्बुलेंस की मदद से रामनगर के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य और नशे की समस्या को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हनुमान धाम के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की भेंट

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। हनुमान धाम रामनगर के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने आगामी हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर धाम में मुख्यमंत्री के मुख्य अतिथि के रूप में आने के लिए औपचारिक निमंत्रण पत्र भेंट किया, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार करते हुए अपने आगमन का आश्वासन दिया। हनुमान धाम के मीडिया प्रभारी पवन अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से

भेंट के दौरान श्री हनुमान धाम को उत्तराखंड के एक प्रमुख आध्यात्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने को लेकर विचार-विमर्श हुआ।जिसमें 'मानस खंड' योजना के अंतर्गत धाम के पृष्ठ भाग में वन विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे इको पार्क की प्रगति से अवगत कराया और इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए धाम को जोड़ने वाली मुख्य सड़क को कराने का आग्रह किया गया।धाम परिसर में पार्किंग, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं अन्य पर्यटन सुविधाओं के विस्तार संबंधी प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री हनुमान धाम द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।उन्होंने हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर धाम आने के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए आयोजन की सफलता के लिए बंधाई दी। इस दौरान आचार्य विजय,संयुक्त सचिव सतनाम सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेम जैन,मीडिया प्रभारी पवन अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

एक मामला चल रहा है, तो दूसरे की क्या ज़रूरत

गंगा में अवैध खनन से जुड़े मामले पर दूसरी जनहित याचिका पर हाई कोर्ट की टिप्पणी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हो रहे अवैध खनन के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए याचिकाकर्ता से कहा है कि गंगा में अवैध खनन को लेकर मातृ सदन हरिद्वार की जनहित याचिका पर 2022 से कोर्ट सुनवाई कर रही है। जब एक मामला गंगा में अवैध खनन से जुड़ा कोर्ट में चल रहा है तो दूसरा मामला दायर करने की क्या जरूरत है। अगर आपकी अवैध खनन से संबंधित शिकायत है तो आप अपने को पहले से विचाराधीन जनहित याचिका में पक्षकार बनें और अपनी शिकायत उसमें कहें, इसलिए कोर्ट इस जनहित याचिका को निस्तारित करती है। बता दें बुधवार को इस मामले में हरिद्वार निवासी नाजिम की तरफ से जनहित याचिका दायर की गयी थी। मामले के अनुसार वर्ष 2022 में हरिद्वार मातृ सदन ने जनहित याचिका दायर कर कहा था कि हरिद्वार में रायवाला से भोगपुर के बीच गंगा नदी में नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से अवैध खनन किया जा रहा है जिससे गंगा नदी के अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया है। गंगा नदी में खनन करने वाले नेशनल मिशन क्लीन गंगा को पलीता लगा रहे हैं। जनहित याचिका में कोर्ट से प्रार्थना की है कि गंगा नदी में हो रहे अवैध खनन पर रोक लगाई जाए ताकि गंगा नदी के अस्तित्व को बचाया जा सके। अब खनन कुंभ क्षेत्र में भी किया जा रहा है। याचिकर्ता का यह भी कहना कि केंद्र सरकार ने गंगा नदी को बचाने के लिए एनएमसीजी बोर्ड गठित किया है। जिसका मुख्य उद्देश्य गंगा को साफ करना व उसके अस्तित्व को बचाए रखना है। एनएमसीजी द्वारा राज्य सरकार को बार बार आदेश दिए गए कि यहां खनन कार्य नहीं किया जाय। उसके बाद में सरकार के द्वारा यहां खनन कार्य करवाया जा रहा है।

संतोषजनक कार्य नहीं होने पर अतिथि शिक्षक सेवा विस्तार का दावा नहीं कर सकते

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि संतोषजनक कार्य न होने की स्थिति में अतिथि शिक्षक सेवा विस्तार का दावा नहीं कर सकते। इस आधार पर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने अल्मोड़ा विश्व विद्यालय के हिंदी विभाग में अतिथि शिक्षक के रूप में कार्यरत प्रिया जोशी द्वारा दायर याचिका को योग्यता की कमी के आधार पर खारिज कर दिया। बता दें कि प्रिया जोशी ने हाईकोर्ट मांग की थी कि विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर (हिंदी) के पद पर नियमित चयन होने तक उनकी सेवाओं को अतिथि व्याख्याता के रूप में विस्तारित किया जाए। मामले के तथ्यों के अनुसार, याचिकाकर्ता को 5 मार्च 2024 के विज्ञापन के आधार पर अस्थायी रूप से अतिथि संकाय के रूप में नियुक्त किया गया था। उनकी नियुक्ति की शर्तों में स्पष्ट उल्लेख था कि यह व्यवस्था पूरी तरह से अस्थायी है और केवल 31 दिसंबर 2024 या नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो प्रभावी रहेगी। दिसंबर 2024 के बाद विश्वविद्यालय ने उनकी सेवाओं को जून 2025 तक के लिए 6 महीने का विस्तार दिया था लेकिन विश्व विद्यालय की ओर से बताया गया कि इस विस्तारित अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा और वे 96 दिनों तक अनुपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय ने इस अनियमितता को लेकर 21 अप्रैल 2025 को एक कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था जिसका याचिकाकर्ता ने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। इसी कारणवश विश्वविद्यालय प्रशासन ने जून 2025 के बाद उनकी सेवाओं को और आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया जिसे प्रिया जोशी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

जमानत याचिका मंजूर

उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने पिछले वर्ष खटीमा में 280 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार एक आरोपी जमानत मंजूर कर ली है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ में हुई। मामले के अनुसार फरवरी 2025 को खटीमा पुलिस ने आसिफ हुसैन को स्मैक तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था हालांकि स्मैक आसिफ के बजाय उसके सह आरोपी के पास थी। इस मामले में आसिफ की पहली जमानत 14 जुलाई 2025 को खारिज हो गई थी। उसकी ओर से दायर दूसरी जमानत याचिका में बताया गया कि उसके खिलाफ चार्जशीट 25 सितंबर 2025 को पेश हो चुकी है किंतु अब तक एक भी गवाह का परीक्षण नहीं हुआ है। वह लंबे समय से जेल में है।

नर्सरी स्कूल में विदाई समारोह

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के माल रोड स्थित नगर पालिका परिषद नर्सरी स्कूल में कक्षा 5 के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में

मुखय अतिथि पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल व विशिष्ट अतिथि पालि. का के कार्यालय अधीक्षक शिवराज सिंह नेगी थे। समारोह का मुख्य आकर्षण हर्ष सहदेव द्वारा प्रस्तुत गायन रहा। विदाई बेला में विद्यालय कक्षा 5 तक होने के कारण कक्षा 4 के विद्यार्थियों ने अपने वरिष्ठ साथियों को विदाई दी। इस दौरान मिठाई वितरण कर खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमन महाजन के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर शिक्षिका बीना जोशी, भारती पांडे और प्रेमा पांडे उपस्थित रहीं और सभी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कुमंविनि के सेवानिवृत्त कर्मियों की मांगों पर मंथन

निगम प्रबंधन से मिलने का लिया फैसला

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सेवानिवृत कर्मचारी संघर्ष समिति कुमाऊं मंडल विकास के अध्यक्ष दिनेश गुरूरानी की अध्यक्षता व महामंत्री बसंत जोशी के संचालन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुमाऊं मंडल विकास निगम से सेवानिवृत हुए कर्मचारियों ने भाग लिया।

बैठक में अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने कहा कि सेवानिवृत कर्मचारियों के ईपीएस 95 के तहत पेंशनरों को न्यूनतम वेतन 7500 एवं महंगाई भत्ता देने के साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए संगठन राष्ट्रीय संघर्ष समिति के साथ संघर्ष कर रहा है साथ ही उन्होंने कहा कि सेवानिवृत कर्मचारियों को छठे वेतनमान व सातवें वेतनमान के एरियर के साथ लंबित देयकों का भुगतान करने, सेवारत कर्मचारियों के समान ही सेवानिवृत कर्मचारियों को भी आवास गृह में सुविधाएं देने समेत शीशमहल हल्द्वानी स्थित कुमाऊं मंडल विकास निगम की खाली पड़ी जमीन पर निगम का मुख्यालय बनाने व पर्यटक आवास गृह सहित अन्य योजनाओं को बनाने व उक्त क्षेत्र में हुए अतिक्रमण को अभिलंब हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कुमाऊं मंडल विकास निगम में शासनादेश होने के बावजूद भी अभी तक रिक्त पड़े पदों पर नियमितीकरण नहीं किया जा रहा है जिससे कई कर्मचारी नियमितीकरण का लाभ लिए बगैर सेवानिवृत हो गए हैं व कुछ कर्मचारियों का निधन हो गया है। शीघ्र निगम प्रबंधन को नियमित. ीकरण की कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रबंध निदेशक से संगठन वार्ता करेगा। बैठक में संगठन के महामंत्री बसंत जोशी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाकर शीघ्र हीसमिति का रजिस्ट्रेशन भी कराया जाएगा। बैठक में संगठन के संरक्षक भुवन कांडपाल ने कहा कि संगठन का विस्तार करते ही शीघ्र सभी जनपदों में कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। बैठक में कई कर्मचारी मौजूद रहे।

अद्भुत नानालैंड विषय पर छाया चित्रों की लगी प्रदर्शनी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। अदभूत नागालैण्ड पर

केन्द्रित छाया चित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ देहरादून के दून पुस्तकालय व शोध केंद्र के तीसरे तल में बुधवार को पद्मश्री अनूप साह व पूर्व वरिष्ठ वन अधिकारी एसएस रसायली के सौजन्य से किया गया। प्रदर्शनी के दौरान लोगों को पद्मश्री अनूप साह ने कई जानकारियां साझा की। उन्होंने अपनी ओर से खीचे गए चित्रों के बारे में जानकारी दी। सभी लोगों ने प्रदर्शनी को काफी सराहा।

नो पार्किंग में खड़े हो रहे वाहन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के तल्लीताल स्थित नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग पर सड़क को पार्किंग मुक्त बनाने के लिए पुलिस की ओर से लगाए गए नो पार्किंग बोर्डों का असर दिखाई नहीं दे रहा है। बोर्ड लगाए जाने के बावजूद लोग खुलेआम नियमों

की अनदेखी करते हुए सड़क किनारे वाहन खड़े कर रहे हैं जिससे हर रोज यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बता दें तल्लीताल-हल्द्वानी रोड पर लंबे समय से सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने के बाद भी लोग चोरी छिपे यहां वाहन पार्क कर देते हैं। इसी समस्या के समाधान के लिए पुलिस ने सड़क किनारे जगह.जगह नो पार्किंग के बोर्ड लगाए हैं ताकि लोग नियमों का पालन करें और सड़क पर अवैध पार्किंग न हो। इसके बावजूद स्थिति में खास सुधार नहीं दिख रहा है। वाहन चालक लगातार बोर्डों को नजरअंदाज कर रहे हैं और वहीं अपने वाहन खड़े कर रहे हैं जिससे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मामले में तल्लीताल कोतवाली के एसओ मनोज नयाल ने बताया कि नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी ताकि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जा सके।

कूड़े के ढेर से पर्यावरण हो रहा दूषित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। विभिन्न माध्यमों से वन विभाग तथा सरकार की ओर से पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर नगर तथा आस पास के जंगलों व दर्शनीय स्थलों को कूड़ा आदि से बचाने की गुजारिश की जा रही है लेकिन समाज के कई लोगों पर इस गुजारिश का कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है, जिसकी वजह से वातावरण हर रोज प्रदूषित हो रहा है। बात हो रही है नैनीताल-कालाढूंगी रोड स्थित नारायणनगर क्षेत्र की। नारायणनगर क्षेत्र में जंगलों के बीच कूड़े के ढेर लगने से स्थानीय पर्यावरण पर खतरा मंडरा रहा है। सड़कों के किनारे तेजी से बढ़ रही दुकानों और कूड़ा निस्तारण की समुि. चत व्यवस्था न होने के कारण लोग खुले में ही कूड़ा फेंक रहे हैं। नैनीताल में पर्यटन बढ़ने के साथ कालाढूंगी रोड पर नारायण नगर क्षेत्र में सड़कों के किनारे दुकानें भी बढ़ गई हैं। दुक. ानें खुलने व कूड़ा निस्तारण की सही

व्यवस्था नहीं होने के चलते लोग सड़क किनारे जंगलों में कूड़ा फेंक रहे हैं। जिसके चलते जंगलों में लगातार कूड़ा फैल रहा है। प्लास्टिक तथा खाने पीने के पैकेट और अन्य कचरा सीधे जंगलों में डाला जा रहा है जिससे न केवल क्षेत्र की सुंदरता प्रभावित हो रही है बल्कि वन्यजीवों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। गर्मी के मौसम में यह कूड़ा आग लगने की घटनाओं को भी बढ़ावा दे सकता है। मामले में नैनीताल वन प्रभाग की एसडीओ ममता चंद ने बताया कि क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण की समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है जल्द ही संबंधित विभागों के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया जाएगा और कूड़ा फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें और कूड़ा निर्धारित स्थानों पर ही डालें।

एक नजर

कैड़ा के कैबिनेट मंत्री बनने पर जताई खुशी

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) भीमताल विधान सभा के विधायक राम सिंह कैड़ा के उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर खुशी जताई है। कूटा ने उन्होंने उन्हें बधाई भी दी हैं। इसके साथ ही कूटा ने डा. लज्जा भट्ट संस्कृत के प्रोफेसर बनने के साथ ही डा. अशोक कुमार टूरिज्म के प्रोफेसर बनने, डा. दीपा के भूगर्भ विज्ञान, डा. संतोष कुमार फिजिकल एजुकेशन, डा. पूनम बिष्ट जर्नलिज्म, डा. नीता आर्य संस्कृत के एसोसिएट प्रोफेसर तथा डा. शशि पांडे हिंदी के वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर पदोन्नत होने पर उन्हें बधाई दी। कूटा की तरफ से प्रो. ललित तिवारी समेत सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने बधाई दी।

स्वयंसेवियों ने दी नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

नैनीताल। जिले के शहीद श्री खेमचंद डौर्बी राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस में स्वयंसेवियों की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही स्वच्छता पर नुककड़ नाटक की प्रस्तुति दी। इससे पूर्व प्रात: कालीन भ्रमण, ईश वंदना तथा योगाभयास के साथ दिवस की शुरुआत हुई। स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा अभिग्रहीत ग्राम रोपा के ग्राम मार्ग की सफाई की तथा ग्रामियों के समक्ष स्वच्छता पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी जिसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति उनको जागरूक करना था। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.विनय कुमार विद्यालंकार ने की, उनके द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा पर स्वयंसेवियों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। संचालन डा. तरुण कुमार आर्य ने किया। इस दौरान डा. जयति दीक्षित, डा. ईप्सिता सिंह, डा. निर्मला, कार्यक्रम अधिकारी ममता पांडे समेत स्वयंसेवी मौजूद रहे।

संपति विवाद में मारपीट का आरोप

नैनीताल। नैनीताल के समीपवर्ती मंगोली गांव में संपति को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने गांव के ही अन्य व्यक्ति पर उसकी जमीन पर जबरन कबजा करने और विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। बता दें मंगोली गांव निवासी शिवेंद्र बहल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि वह बुधवार सुबह मजदूरों के साथ अपनी भूमि की झाड़ियां सफ़ करवा रहा था। इसी दौरान गांव का ही एक व्यक्ति वहां पहुंचा और जमीन को अपनी बताते हुए उसे वहां से जाने के लिए कहने लगा, विरोध करने पर उसने हमला कर दिया व सिर पर वार कर जान से मारने की कोशिश की गई। बचाव में हाथ आगे करने से गंभीर चोट से बचाव हो गया लेकिन हाथ, हथेली और पैर में चोटें आई हैं। मामले की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नैनीताल में नशेड़ियों पर पुलिस की पैनी नजर

नैनीताल। नैनीताल में नशे के खिलाफ पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। नगर के तल्लीताल क्षेत्र में बीते दिनों एक युवक के घर से स्मैक बरामद होने के बाद पुलिस पूरी तरह चौकन्नी हो गई है। बता दें जिले के पुलिस कप्तान डा. मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर जिलेभर में नशे के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। पुलिस टीमों द्वारा लगातार गश्त की जा रही है और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली जा रही है। बीते दिनों तल्लीताल क्षेत्र में स्मैक के साथ युवक की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में पुलिस ने तलाशी बढ़ा दी है। एसओ मनोज नयाल ने बताया कि क्षेत्र में नशे की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की टीमें संवेदनशील इलाकों में लगातार नजर बनाए हुए हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं नशे से संबंधित गतिविधियां दिखाई दें तो तुरंत सूचना दें।

पर्यटक बुलेट किराये पर लेकर रफूचक्कर

नैनीताल। नैनीताल के तल्लीताल क्षेत्र में एक युवक से बाइक किराये पर लेकर पर्यटक के फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले में थाना तल्लीताल में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तल्लीताल निवासी अनीष कुमार ने शिकायत करते हुए बताया है कि उसने अपनी बाइक (हंटर बुलेट) संख्या यूके 04 टीबी -6949 रविवार को एक पर्यटक को दो दिन के लिए किराये पर दी थी। पर्यटक ने 24 मार्च तक बाइक लौटाने का आश्वासन दिया था लेकिन तय समय बीतने के बाद भी वह बाइक लेकर नहीं लौटा। जब उसने पर्यटक के मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया तो फोन नहीं उठाया गया। इसके बाद बाइक में लगे जीपीएस की जांच करने पर उसकी लोकेशन गजरौला के पास मिली। वहीं पर्यटक की ओर से व्हाट्सएप पर भेजा गया आधार कार्ड भी डिलीट कर दिया गया। जिस पर उसको बाइक के चोरी होने का शक हुआ। तल्लीताल कोतवाली के एसओ मनोज नयाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर अक्षत बाजपाई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नैनीताल के पंत पार्क में पालिका रखेंगी पैनी नजर

नैनीताल। नगर के मल्लीताल स्थित पंत पार्क में मनमाने तरीके से फड़ लगाने वाले कारोबारियों पर नजर रखने के लिए पालिका की टीम हर रोज शाम को 5 बजे से 7 बजे तक गश्त करेगी और मनमानी करने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी रोहिताश शर्मा ने यह जानकारी दी।

धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय माहौल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिले के भवाली में चल रहे श्रीमद् देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया जिसकी वजह से वातावरण भक्तिमय बना रहा। भवाली के साथ ही समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों काफी संखया में भक्ततजन कथा का श्रवण करने के लिए हर रोज पहुंच रहे हैं। धार्मिक अनुष्ठानों में मुख्य यजमान नीलम मेहरा व बालम सिंह मेहरा, वसंती मेहरा तथा सगत सिंह रहे जबकि कथा के यजमान श्रीमती एवं श्री प्रमोद सिंह क्वीरा रहे। इससे पूर्व प्रात: आचार्य उप व्यास कैलाश चंद्र पांडे व आचार्य कैलाश चंद्र जोशी, आचार्य नीरज पलड़िया, मोहन चन्द कपिल तथा दीपेश कपिल द्वारा नित्य पूजन, भगवती विग्रह पूजन,

गणेश पूजन, पंचांग पूर्वांगादि पूजन तथा मन्दिर परिसर में समस्त देवी देवताओं का पूजन अर्चन किया गया। कथा में मेहरागांव से पधारे दयालु महाराज ने कथा का आनन्द लिया। व्यास कैलाश चंद्र सुयाल द्वारा द्वापर युग में गौड़ भैरव तथा कलियुग में गोल्ज्यू के जन्म से लेकर राज्य प्राप्ति तक की गोल्ज्यू की कथा को श्रोताओं की मांग पर कुमाऊंनी भाषा में तथा जागर लय के साथ बहुत ही सुन्दर तरीके से सुनाया। इसके साथ ही उन्होंने देवी भागवत कथा के अनेक प्रसंगों को कई उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया। कथा से पूर्व संगीत गायकों आचार्य उमा शंकर कपिल, नीरज सती, आचार्य पंकज जोशी के द्वारा देवी भजन, गोल्ज्यू के सुन्दर भजन तथा अनेक देवी भजनों का गायन किया गया जिसमें उपस्थित मातृशक्ति द्वारा भी उन भजनों को कर तल ध्वनि के साथ दोहराया गया।

कंट्रोल बर्निंग का काम शुरू

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। आगामी फायर सीजन को देखते हुए वन विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में नैनीताल वन प्रभाग के तहत मनोरा वन रेंज के तहत पटवाडांगर इंटर कॉलेज के आसपास और समीपवर्ती देवीधूरा क्षेत्र में कंट्रोल बर्निंग का कार्य किया जा रहा है। वन विभाग की टीम की ओर से सड़क किनारे गिरे सूखे पत्ते, पिरूल और घास को नियंत्रित तरीके से जलाया जा रहा है ताकि गर्मियों के दौरान लगने वाली जंगल की आग को फैलने से रोका जा सके। विशेष रूप से सड़कों व स्कूल क्षेत्र के आसपास यह कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा हैए जिससे किसी भी संभावित खतरे से बचाव हो सके। वन विभाग ने नैनीताल-हल्द्वानी रोड को अति संवे. दनशील क्षेत्र मानते हुए यहां लगातार निगरानी बनाए रखी है। क्षेत्र में लोगों की अधिक आवाजाही को देखते हुए विभाग की ओर से नियमित रूप से कंट्रोल बर्निंग की जा रही हैए ताकि आग लगने की आशंका को कम किया जा सके। बुधवार को विभाग की टीम ने देवीधूरा क्षेत्र में सड़क किनारे सूखे पत्तों और पिरूल को जलाकर कंट्रोल बर्निंग की साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को फायर सीजन के प्रति जागरूक करने का अभियान भी चलाया जा रहा है। नैनीताल वन प्रभाग की एसडीओ ममता चंद ने बताया कि पूरे क्षेत्र में लगातार नजर रखी जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर सूखी वन सामग्री को हटाने और नियंत्रित तरीके से जलाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को भी जंगल की आग से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है।

पहले दिन 11 उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिला बार एसोसिएशन नैनीताल के चुनाव को लेकर बुधवार को नामंकन प्रक्रिया शुरू हो गयी। पहले दिन विभिन्न पदों के लिए कुल 11 प्रत्याशियों ने अपना नामंकन फार्म जमा कराया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजेश चंदोला ने बताया कि अध्यक्ष पद पर हरिशंकर कंसल व अरुण बिष्ट ने दो-दो सेट में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए जबकि उपाध्यक्ष पद पर कमल चिलवाल व प्रमोद तिवाड़ी वहीं सचिव पद पर संजय सुयाल व अनिल बिष्ट ने दो सेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किये। संयुक्त सचिव पद पर नीरज गोस्वामी ने अपना नामंकन पत्र भरा वही कार्यकरणी सदस्य पर प्रेमा आर्या, तारा आर्या, निर्मल कुमार तथा मो. हम्मद बिलाल ने अपना नामांकन पत्र

दाखिल किया। बताया कि 27 मार्च शुक्रवार को नामंकन पत्र जमा करने का अंतिम दिन है जिसके बाद 28 मार्च को नाम वापसी नामंकन प्रपत्रों की जांच व उसी दिन वोटर लिस्ट का प्रकाशन भी किया जाएगा। इस दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रमोद बहुगुणा, शंकर चौहान, मुकेश कुमार व शिवांशु जोशी मौजूद रहे। जिला बार एसोसिएशन के मुखय निर्वाचन अधिक. ारी राजेश चंदोला ने बताया कि 27 मार्च शुक्रवार को प्रताप भैया सभागार में प्रात: 11 बजे से आम सभा का आयोजन किया जाएगा वही जिला बार चुनाव की प्रस्तावित तिथि में भी संशोधन किया गया है। बताया कि 30 मार्च को राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के कारण चुनाव की तिथि में परिवर्तन किया गया है अब यह चुनाव एक मार्च बुधवार को संपन्न कराये जाएंगे।

कूर्मांचल बैंक ने नानकमत्ता में खोली 51वीं शाखा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड नैनीताल की 51वीं शाखा का शुभारंभ बुधवार को गुरुद्वारा रोड नानकमत्ता में विधिवत रूप से किया गया। इससे पूर्व शाखा का उद्घाटन बैंक के अध्यक्ष विनय साह, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार जैन तथा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह व महासचिव अमरजीत सिंह बोपारा तथा पूर्व विधायक डा. प्रेम सिंह राणा तथा बलदेव सिंह हरियान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डा. प्रेम सिंह राणा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया जिसके साथ ही शाखा के व्यावसायिक कार्यों की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर बैंक के संचालक मण्डल के सदस्य गिरीश चन्द्र पाठक भी उपस्थित रहे वहीं बैंक के अधिकारियों में बैंक के सचिव संजय साह, क्षेत्रीय व्यवसाय विकास प्रमुख हरीश चन्द्र साह, शाखा प्रबंधक धीरज जोशी, दिनेश चन्द्र जोशी, राजेंद्र सिंह मेहरा तथा हरीश चन्द सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अंत में बैंक के सचिव संजय साह ने सभी का आभार जताया।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक, मर्यादा, आदर्शों के प्रतीक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। भगवान श्री राम भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक, मर्यादा और आदर्शों के प्रतीक माने जाते हैं। उन्हें मानव रूप में भगवान के रूप में पूजा जाता है, जिनका जीवन सत्य, धर्म और कर्तव्य का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करता है। श्री राम के मंत्रों को शांति, सुख और समृद्धि प्रदान करने वाला माना गया है। ऊ श्री रामाय नम: तथा श्री राम, जय राम, जय जय राम जैसे मंत्र भक्तों के बीच अत्यंत लोक. प्रिय हैं। इनमें ऊ श्री रामाय नम: को सबसे प्रिय मंत्र माना जाता है, जबकि श्री राम, जय राम, जय जय राम को तारक मंत्र कहा जाता है। प्रमुख मंत्र ऊ श्री रामाय नम: श्री राम, जय राम, जय जय राम ऊ दशरथाय विद्महे सीतावल्लभाय धीमहि। तन्नो राम: प्रचोदयात रां रामाय नम: ध आपदामपहर्तारम् दाताराम् सर्वसम्पदाम। लोकाभिरामम् श्रीरामम् भयो-भूयो नमाम्यहम्ध इन मंत्रों के जप से मन को शांति, सकारात्मक ऊर्जा और संकटों से मुक्ति प्राप्त होती है। श्री राम का ध्यान रामाय रामभद्राय रामचंद्राय वेधसे मंत्र से किया जाता है, जो आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करता है। श्री राम का नाम अपरंपार,

अलौकिक और असीम माना गया है। कलयुग में राम नाम को कष्टों का नाश करने वाला, मन को शांति देने वाला तथा आत्मज्ञान का मार्ग प्रशस्त करने वाला बताया गया है। राम नाम का स्मरण मात्र ही असीम पुण्य और निर्भयता प्रदान करता है। राम नवमी चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाई जाती है। यह दिन भगवान विष्णु के सातवें अवतार श्री राम के जन्मोत्सव के रूप में विशेष महत्व रखता है। त्रेतायुग में राजा दशरथ और रानी कौशल्या के पुत्र के रूप में उनका जन्म हुआ। राम नवमी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मा के प्रकाश को जागृत करने का अवसर है। यह दिन हमें भगवान राम के आदर्शों करुणा, वफादारी, सत्य और न्याय को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है। राम, जिन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, मानवीय गुणों के सर्वोच्च प्रतीक हैं। सत्यनिष्ठा, धैर्य, पितृभक्ति, वीरता, धर्मपरायणता और करूणा उनके प्रमुख गुण हैं। वे एक आदर्श पुत्र, राजा, भाई और पति के रूप में सदैव स्मरण किए जाते हैं। वाल्मीकि रामायण के अनुसार, श्री राम एक ऐसे उत्तम पुरुष हैं, जिनमें ज्ञान, शक्ति और सदाचार का अद्भुत संगम विद्यमान है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य के मार्ग पर अडिग रहना ही सच्ची विजय है। अंतत:, राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि हम अपने भीतर के 'राम' अर्थात् आत्मा के प्रकाश को जागृत करें और जीवन को सत्य, धैर्य और मर्यादा के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।

विभिन्न योजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिले के भीमताल विकास खंड के ब्लाक प्रमुख डा. हरीश सिंह बिष्ट ने बुधवार को ब्लाक के हैड़ियागांव, चकबहेड़ी तथा सलड़ी में चल रहे विभिन्न विकास कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान प्रमुख डा. बिष्ट ने मुख्य रूप से आपदा, पलायन, कृषि, लघु सिंचाई (ग्रामीण), मनरेगा और राज्य वित्त व क्षेत्र पंचायत निधि से जुड़े कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डा. बिष्ट ने क्षेत्र के विकास और आगामी कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारने व उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरक. ारी योजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। हैड़ियागांव में ब्लॉक प्रमुख डा. बिष्ट ने निर्माणाधीन चेकडाम, गुल, कृषि भूमि को जंगली जानवर की सुरक्षा से बचाव हेतु घेरबाड़ का निरीक्षण कर तय समय में कार्य पूर्ण करने को कहा। प्रमुख ने क्षेत्र के हेडियागांव विद्यालय, चेकबहेड़ी विद्यालय का निरीक्षण किया वहीं विद्यालय के बच्चों से उनकी शिक्षा की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने ग्राम सलडी में आंगनबाड़ी, प्राथमिक व जूनियर स्कूलों व निर्माणाधीन पशु अस्पताल का निरीक्षण कर कार्य को तय समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार, जया बोहरा, नीलम आर्य, बीडीसी देवेश कुमार, मोहित कुमार, अंकित आर्य, यशपाल आर्य, करन दनाई, कमल कुल्याल, बीडीओ हर्षित गर्ग, मोहन राम आर्य, लीलाधर आर्य, कृष्ण कुमार थे।

चैत्र नवरात्र पर ऊखीमठ में गूंजा भक्तिमय वातावरण

जिलाधिकारी एवं विधायक केदारनाथ ने भोलेश्वर महादेव में किया जलाभिषेक, 101 कन्याओं का पूजन एवं भव्य भंडारे के साथ जनपद की सुख-समृद्धि की कामना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पावन चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर जनपद रुद्रप्रयाग में आस्था, श्रद्धा एवं भक्ति का अनुपम वातावरण बना हुआ है। इसी क्रम में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा तथा विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल द्वारा ऊखीमठ पहुंचकर स्थित प्राचीन भोलेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई।

इस दौरान जिलाधिकारी एवं विधायक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक कर जनपदवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना की कि जनपद में सदैव सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे तथा सभी के जीवन में कल्याण हो। साथ ही आगामी श्री केदारनाथ यात्रा के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन हेतु भी आशीर्वाद मांगा गया। मंदिर प्रांगण में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन के तहत 101 कन्याओं का विधिवत कन्या पूजन एवं देवी पूजन किया गया। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल ने समस्त जनपदवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऊखीमठ स्थित भोलेश्वर महादेव मंदिर में 101 कन्याओं का पूजन अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के माध्यम से बेटियों को सशक्त बनाने की जो पहल की जा रही है, उसका सकारात्मक प्रभाव समाज में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। उन्होंने इस आयोजन के सफल संचालन हेतु स्थानीय जनमानस का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान क्षेत्र पंचायत प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, खंड विकास अधिकारी ऊखीमठ अनुष्का, जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे, तहसीलदार रमेश रावत सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बूथ लेवल ऑफिसर्स एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। विधानसभा क्षेत्र 15 चकराता के अंतर्गत बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) एवं सुप. रवाइजरों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 एवं 25 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ब्लॉक कालसी सभागार तथा कैण्ट इंटर कॉलेज चकराता में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी चकराता द्वारा की गई। प्रशिक्षण के दौरान डीएलएमटी/एएलएमटी सुनील नैथानी (प्रवक्ता, पीएम श्री एयूजीआईसी कालसी) ने बूथ लेवल ऑफिसर्स एवं सुपरवाइजरों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, विभिन्न प्रपत्रों को सही तरीके से भरने तथा बीएलओ ऐप के प्रभावी उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन कार्यालय से अनिल जोशी (ऑपरेटर, विधानसभा चकराता) द्वारा प्रशिक्षण से संबंधित एक प्रश्न-पत्र भी प्रतिभागियों से हल करवाया गया, जिससे उनकी जानकारी का आकलन किया गया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चकराता में मैपिंग का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, जो जनपद देहरादून में सर्वाधिक है। कार्यक्रम में ईआरओ/एईआरओ विधानसभा चकराता, सुपरवाइजर अखिलेश, अनिल चौहान, दीपक कौशल सहित बूथ लेवल ऑफिसर्स शूरवीर सिंह चौहान, राजेन्द्र नौटियाल एवं अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीजी कालेज नई टिहरी में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

नई टिहरी: महाविद्यालय नई टिहरी के गृह विज्ञान विभाग की ओर से विभागीय परिषद के अंतर्गत बुधवार को ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के विषयगत ज्ञान को बढ़ाना और उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ डा. मीनाक्षी टम्टा के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करती हैं। क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में गृह विज्ञान विषय से जुड़े रोचक व ज्ञानपरक प्रश्न पूछे गए, जिनके माध्यम से प्रतिभागियों की विषय समझ और तत्परता का आकलन किया गया। निर्णायक मंडल में डा. भारती जायसवाल, डा. हर्षिता जोशी व डा. चंद्रावती जोशी शामिल रहीं।

जौनसार के सचिन चौहान को 'उत्तराखंड साहित्य गौरव से किया जाएगा सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। जौनसार (डेरियो) के युवा साहित्यकार एवं अनुवादक सचिन चौहान को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह सम्मान उनकी अनूदित कृति 'हम भारत के राज्यों के लोग' के लिए प्रदान किया जा रहा है।

उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा साहित्य सृजन, सेवा एवं साहित्यिक योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2025 से अन्य भारतीय भाषाओं एवं लोक भाषाओं की श्रेष्ठ कृतियों के हिंदी अनुवाद के लिए 'गंगा प्रसाद विमल पुरस्कार' की शुरुआत की गई है। इस पुरस्कार के प्रथम प्राप्तकर्ता के रूप में सचिन चौहान का चयन किया गया है। यह सम्मान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 30 मार्च 2026 को

देहरादून स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उन्हें सम्मान-चिह्न, प्रशस्ति पत्र, एक लाख रुपये की धनराशि एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

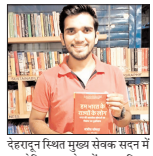

सचिन चौहान ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं साहित्यकार डॉ. संजीव चोपड़ा की पुस्तक का उत्कृष्ट हिंदी अनुवाद किया है, जिसका शीर्षक 'हम भारत के राज्यों के लोगरू भारत की आंतरिक सीमाओं का निर्माण एवं पुनर्निर्माण' है। यह पुस्तक वर्ष 2024 में राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित की गई थी। सचिन चौहान ने बताया कि अप्रैल 2023 में मसूरी के लैंडौर क्षेत्र में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम के बाद उन्हें इस पुस्तक का अनुवाद करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद उन्होंने कई महीनों तक गहन अध्ययन, अनुवाद और संपादन कार्य किया। इस दौरान सोमेश्वर पांडेय तथा शैलेन्द्र कांत का उन्हें विशेष सहयोग मिला। अनुवाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मूल लेखक द्वारा भी सभी अध्यायों का अध्ययन एवं संपादन किया गया।

उन्होंने इस उपलब्धि को अपनी माता स्वर्गीय प्यारो देवी एवं पिता धूम सिंह चौहान को समर्पित करते हुए अपने परिवार और मित्रों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने लेखक, प्रकाशक एवं सहयोगियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

लालढांग के पास पिकअप दुर्घटनाग्रस्त

शाह टाइम्स संवाददाता

सहिया। हरिपुर कोटि मीनस मोटर मार्ग लाल ढ़ांग के समीप एक पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गई, हादसे में पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

बुधवार को 11 बजे दुर्घटना की सूचना मिलने पर कालसी थाना पुलिस टीम व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

वाहन दुर्घटना में पिकअप चालक अजय भाटी पुत्र दिलेराम (26) अम्बाड़ी मंगलवार को देर रात विकासनगर से राशन लेकर त्यूणी जा रहे थे। बीती रात को अचानक वाहन का संतुलन बिगडने से वाहन गहरी खाई में टोंस नदी में जा गिरा। जहा चालक की मौके पर ही मौत हो गई है। मौके पर कालसी पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने पहुंचकर मृतक के शव को खाई से बहार निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनो को सौंप दिया गया। कालसी थानाध्यक्ष अरविंद चौधरी व टीम मे दरोगा हेमा बिष्ट, अमित राणा, रतिराम शर्मा व एसडीआरएफ डाकपत्थर टीम लीडर अपर उप निरीक्षक सुरेश तोमर आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ यात्रा से पहले बदहाल हाईवे, बढ़ सकती हैं यात्रियों की मुश्किलें

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू होने में अब एक माह से भी कम समय शेष है, लेकिन यात्रा मार्ग की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आगामी केदारनाथ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन भले ही तैयारियों का दावा कर रहा हो, मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।गौरीकुंड हाईवे के कई महत्वपूर्ण हिस्सों देवीधार, खुमेरा और रामपुर बाजार में सड़कें बदहाल स्थिति में हैं। कई स्थानों पर सड़कें इतनी क्षतिग्रस्त हैं कि वाहनों की आवा. जाही प्रभावित हो रही है। ऐसे हालात में यात्रा शुरू होते ही इन क्षेत्रों में भारी जाम की आशंका जताई जा रही है, जिससे हजारों तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हाल ही में हुई बारिश ने राजमार्ग विभाग की तैयारियों की पोल खोल दी है। जगह-जगह कीचड़ और गड्ढों के कारण भारी वाहन फंस रहे हैं, वहीं छोटे वाहन चालकों को भी जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की दैनिक आवा. जाही भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।खुमेरा निवासी अंकित राणा का कहना है कि देवीधार और खुमेरा क्षेत्र में सड़क सुरक्षा कार्यों के लिए बजट पहले ही स्वीकृत हो चुका था, इसके बावजूद विभाग ने मार्च माह में ही कार्यों में तेजी दिखाई, जो लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं की धीमी कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। वहीं स्थानीय निवासी संदीप रावत के अनुसार, रामपुर बाजार के समीप स्थित स्लाइडिंग जोन पिछले वर्ष से ही बड़ी समस्या बना हुआ है। बीते वर्ष यात्रा के दौरान यहां घंटों लंबा जाम लगा था, लेकिन इस बार भी स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। हालिया बारिश के बाद यहां कीचड़ और अधिक बढ़ गया है, जिससे मार्ग और अधिक खतरनाक हो गया है।स्थानीय लोगों में इस मुद्दे को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही सड़क की स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो यात्रा शुरू होने के बाद हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने और कार्यों में तेजी लाने की मांग की है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके। वहीं एनएच लोनिवि खण्ड ओंकार पाण्डे ने कहा कि केदारनाथ यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। जिन स्थानों पर लैंड स्लाइड का खतरा बना है, वहां ट्रीटमेंट किया जा रहा है।

जवाड़ी में छात्रों को किया गया बाल सुरक्षा के प्रति जागरूकता

रुद्रप्रयाग। जनपद मुख्यालय के नजदीक स्थित राजकीय इंटर कॉलेज जवाड़ी में बाल सुरक्षा एवं किशोरावस्था विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं बाल कल्याण समिति रुद्रप्रयाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को किशोरावस्था से जुड़े शारीरिक, मानसिक एवं सामा. जिक परिवर्तनों के प्रति जागरूक करना रहा। साथ ही बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने इस दौरान "गुड टच और बैड टच", मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा गलत संगत से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

जनगणना 2027 को लेकर फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपंन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर जनपद रुद्रप्रयाग में आयोजित फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलता पूर्वक संपंन हो गया। यह प्रशिक्षण 23 से 25 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें जिला स्तर के मास्टर ट्रेनर लोकेन्द्र बिष्ट (मुख्य कृषि अधिकारी) सहित जनगणना निदेशालय देहरादून से नामित मास्टर ट्रेनर नितीश रावत एवं गौरव पुरोहित ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भवन गणना एवं व्यक्ति गणना से संबंधित विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। अंतिम दिवस पर पूर्व में कराई गई गतिविधियों का पुनरावलोकन करते हुए फील्ड ट्रेनरों की समझ को और

अधिक सुदृढ़ किया गया।

इसी क्रम में विकासखंड क्षेत्र के संदर गांव में हाउस लिसिंटग ऑपरेशन (एचएलओ) ऐप का प्रायोगिक प्रशिक्षण (हैंड्स-ऑन) आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए जनगणना कार्य के प्रति जागरूकता दिखाई। ग्राम प्रधान द्वारा भी कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए पूरे गांव को तीन एचएलओ ब्लॉकों में विभाजित किया गया तथा 16 फील्ड ट्रेनरों की तीन टीमों का गठन किया गया। सभी टीमों ने गांव के विभिन्न परिवारों से संपर्क कर जनगणना के प्रथम चरण से संबंधित प्रश्नों का व्यावहारिक अभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि जनपद में जनगणना 2027 का प्रथम चरण 24 अप्रैल से 25 मई के बीच संचालित किया जाएगा, जिसके लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रुद्रप्रयाग के झटगढ़ गांव में गड्ढे में फंसा गुलदार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। उत्तर जखोली रेंज के अंतर्गत अगस्त्यमुनि क्षेत्र के समीप स्थित चमराड़ा-झटगढ़ गांव में बुधवार को एक तेंदुआ (गुलदार) पानी के स्टोरेज टैंक में फंस गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही रुद्रप्रयाग वन प्रभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर टीम रवाना की।

वन विभाग की क्विक रिस्पॉन्स टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी की और स्थानीय ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी पर रखा, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके बाद रेस्क्यू रिस्पॉन्स टीम ने सावधानीपूर्वक अभियान चलाते हुए गुलदार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह रेस्क्यू अभियान उप प्रभागीय वनाधिकारी देवेन्द्र सिंह, वन क्षेत्राधिकारी सुरेन्द्र नेगी

(उत्तर जखोली रेंज) तथा हरिशंकर रावत के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपंन हुआ। प्रभागीय वनाधिकारी रजत सुमन ने बताया कि गुलदार को बिना किसी चोट के उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया। इस दौरान न तो कोई जनहानि हुई और न ही वन्यजीव को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचा।

वन विभाग ने बताया कि क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए नियमित गश्त, कैमरा ट्रैपिंग और जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि वन्यजीव से जुड़ी किसी भी जानकारी की तुरंत विभाग को सूचना दें और सतर्कता बरतें।

बॉक्स न्यूज

त्राहिमाम्-त्राहिमाम् जैसे बने हैं हालात,

रुद्रप्रयाग। इन दिनों अगस्त्यमुनि के साथ ही जखोली और ऊखीमठ विकासखण्ड के विभिन्न इलाकों में गुलदार की दहशत देखने को मिल रही है। बीते दिनों केदारघाटी के त्रियुगीनारायण और शेरसी गांव में गुलदार ने आतंक मचाया था। यहां त्रियुगीनारायण में दर्जनों बकरियों को गुलदार ने मार गिराया था, जबकि शेरसी में दुधारू मवेशियों को निवाला बनाया था। केदारघाटी के अलावा अगस्त्यमुनि और जखोली विकासखण्ड में भी गुलदार सक्रिय नजर आ रहा है। यहां भी आए दिन गुलदार की धमक से लोग दहशत में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। कांग्रेस नेता नरेन्द्र बिष्ट ने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गुलदार के आतंक से ग्रामीण जनता परेशान हैं। गुलदार ने ग्रामीण जनता का पशुपालन व्यवसाय को खत्म करके रख दिया है। ग्रामीण महिलाएं चारापत्ति लाने से भी कतरा रही हैं। जिले में गुलदार की दहशत से त्राहिमाम्-त्राहिमाम जैसे हालात बने हुए हैं।

राजराजेश्वरी सिंह भवानी मंदिर में अयुत महायज्ञ शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

गुप्तकाशी/रुद्रप्रयाग। ग्राम पंचायत बणसू स्थित आराध्य राजराजेश्वरी सिंह भवानी मंदिर में बुधवार से 9 दिवसीय अयुत महायज्ञ का शुभारंभ हो गया है। महायज्ञ में क्षेत्र सहित दूर-दराज से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। यह धार्मिक अनुष्ठान आगामी एक अप्रैल को पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा।

क्षेत्र के प्रसिद्ध जाख देवता के सानिध्य में पल्लवित मां राजराज. ेश्वरी सिंह भवानी की देवरा यात्रा के उपरांत जाखधार में विराजमान होने के शुभ अवसर पर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की कामना के साथ इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

महायज्ञ का शुभारंभ ह्यून, देवशाल और कोठड़ा क्षेत्र के ब्रह्मा एवं आचार्यों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के

साथ किया गया। इस दौरान विभिन्न गांवों के हक-हकूकधारी, वेदपाठी और यजमानों द्वारा पूजा-अर्चना एवं यज्ञ में आहुति दी जा रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत एक अप्रैल को मंदिर परिसर में भव्य जल कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। वहीं दो अप्रैल को विधिवत पूर्णाहुति के साथ महायज्ञ का समापन किया जाएगा।

आचार्य आकाश सेमवाल ने बताया कि क्षेत्र में कई वर्षों बाद इस प्रकार के भव्य महायज्ञ का आयोजन हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि चौत्र नवरात्र के पावन अवसर पर मां काली के द्वितीय स्वरूप राजराजेश्वरी सिंह भवानी की विशेष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली की कामना की जा रही है। इस अवसर पर हर्षवर्धन देवशाली, भगवती प्रसाद, सुबोध राणा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्कूल मार्ग पर बढ़ती असामाजिक गतिविधियों से ग्रामीणों में आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद के अगस्त्यमुनि क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रायड़ी में स्कूल मार्ग पर बढ़ती असामाजिक गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में ग्राम प्रधान द्वारा थाना अगस्त्यमुनि को लिखित पत्र प्रेषित कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार रायड़ी-बुराडा विद्यालय मार्ग पर आए दिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा खुलेआम शराब सेवन, गंदगी फैलाने तथा वहां से गुजरने वाली महिलाओं और छात्राओं के लिए असहज वातावरण उत्पन्न किया जा रहा है। इस कारण क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

ग्राम प्रधान का कहना है कि यह मार्ग विद्यालय के समीप होने के कारण अत्यंत संवेदनशील है, जहां से प्रतिदिन छात्र-छात्राएं और अभिभावक गुजरते हैं। ऐसी गति. विधियों से न केवल सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है, बल्कि ग्रामीणों में असंतोष भी लगातार बढ़ रहा है।ग्राम प्रधान सुधाता देवी ने कहा कि, "स्कूल मार्ग पर इस प्रकार की गतिविधियां बेहद चिंता. जनक हैं। इससे बच्चों, महिलाओं और अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए और आवश्यकता पड़ने पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं, ताकि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।"

उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने तथा समय-समय पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके और क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण बहाल हो सके।

मदमहेश्वर घाटी में सार्वजनिक आयोजनों में शराब बंद

शाह टाइम्स संवाददाता

उखीमठ/रुद्रप्रयाग। मदमहेश्वर घाटी की ग्राम पंचायत गड़गू में सामाजिक सुधार की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सार्वजनिक कार्यों एवं आयोजनों में शराब परोसने पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी गई है। ग्राम सभा के इस निर्णय के बाद क्षेत्र में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है, वहीं महिलाओं और युवाओं ने मिलकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी शुरू कर दिया है।

ग्राम प्रधान सरिता नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। बैठक में कहा गया कि विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, सामा. जिक कार्यक्रमों सहित अन्य सार्वजनिक आयोजनों में शराब परा. ेसने से सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता है, जिससे आपसी विवाद, घरेलू हिंसा और अन्य सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में गांव को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से यह ठोस कदम उठाया गया है। निर्णय के बाद महिला मंगल दल, युवक मंगल दल और अन्य सामाजिक संगठनों ने गांव के प्रत्येक तोक और बस्ती में जाकर लोगों को जागरूक किया। रैलियों, नारों और घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को शराब के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी की सहभागिता जरूरी है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

युवाओं ने भी इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए कहा कि गांव का भविष्य स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण में ही सुरक्षित है। उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परा. ेसने वालों के खिलाफ सामाजिक स्तर पर कड़ी कार्रवाई की बात कही और सभी से इस निर्णय का पालन करने की अपील की। इस संबंध में ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी अनिल सिंह रावत को ज्ञापन सौंपकर गांव के निर्णय से अवगत कराया तथा प्रभावी निगरानी और आवश्यक प्रशासनिक सहयोग की मांग की, ताकि नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

ग्रामीणों का मानना है कि इस निर्णय से गांव में सामाजिक समरसता बढ़ेगी, पारिवारिक वातावरण बेहतर होगा और युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राम प्रधान सरिता नेगी, भाजपा मंडल अध्यक्ष दलवीर नेगी, महिला मंगल दल अध्यक्ष सागरा देवी, सचिव सीमा देवी, कोषाध्यक्ष कुसुम देवी, नव युवक मंगल दल अध्यक्ष नवीन सिंह, कोषाध्यक्ष प्रमोद सिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

एसएसपी नवनीत सिंह का पशुक्रूरता करने वालों के खिलाफ कड़ा एक्शन

गोकशी करने वालों पर होगी सर्जिकल स्ट्राइक

जनपद में 162 पर गैंगस्टर एक्ट व 57 पर होगी गुंडा एक्ट में कार्रवाई, 67 होंगे जिलाबदर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। जनपद पुलिस ने गोकशी व पशु क्रूरता करने वालों के खिलाफ कड़ा लेते हुए,जनपद में चिन्हित किये 57 गैंग के 162 पर गैंगस्टर एक्ट व 57 पर होगी गुंडा एक्ट में कार्यवाही की पूरी तैयारी कर लिए हैंसाथऐसे आरोपियों को जिला बदर करने के साथोलगातार सलिप्त पाए जाने पर उनकी संपत्ति भी जप्त की जाएगी । एसएसपी के कड़े तेवरो के बाद जनपद पुलिस के तमाम थाना व कोतवालियों ने अब कार्रवाई को अमल में लाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह के नेतृत्व में गोवंश संरक्षण अधिनियम एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का बार-बार उल्लंघन करने वाले अभियुक्तों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की तैयारी की गई है। इसी क्रम में कप्तान द्वारा प्रभारी गौवंश संरक्षण स्वयावड से जनपद

में गोवंश तस्करी, गोकशी व पशु क्रूरता से जुड़े व्यक्तियों का पूरा डाटा तलब किया गया है। प्राप्त विवरण/जानकारी के आधार पर जनपद की 11 कोतवाली/थानों में 57 गैंग के 162 अभियुक्तों को चिन्हित किया गया है, जिनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त 67 अभियुक्तों के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। गुंडा एक्ट के अंतर्गत इन आरोपियों को जिला बदर करने की कार्रवाई हेतु पुलिस द्वारा पूरी तैयारी की जा रही है। लगातार गोकशी अथवा पशु क्रूरता में सलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों को भारी धनराशि से पाबंद किया जाएगा। यदि कोई आरोपी मुचलका तोड़ता है तो उसकी पाबंद धनराशि जब्त की जाएगी। हरिद्वार पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि गोकशी या पशु क्रूरता जैसे अपराधों में सलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त से सख्त वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। हरिद्वार पुलिस आमजन से अपील करती है कि आपके आसपास भी कोई अवैध पशु कटान या पशु क्रूरता करता हुआ पाया जाता है इसकी सूचना अपने नजदीकी थाना या हमारी गौर संरक्षण एस्कॉर्ट टीम को अवश्य दें आपका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

❖गोवंश संरक्षण अधिनियम व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का बार-बार उल्लंघन करने वालों की कुंडली हुई तैयार

❖गुंडा एक्ट के अंतर्गत आरोपियों को जिला बदर(जिले से बाहर) करने की हरिद्वार पुलिस कर रही तैयारी

❖गोवंश संरक्षण को हरिद्वार पुलिस प्रतिबद्ध, मुचलका तोड़ने पर जब्त होगी पाबंद धनराशि

❖गोकशी करने वालों पर अब तक का सबसे बड़ा कमर तोड़ प्रहार बनेगा नजीर

विजिलेंस टीम ने 50 हजार की रिश्वत लेते सुपरवाइजर को रंगे हाथ दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भ्रष्टाचार के खिलाफ सतर्कता विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में देहरादून सतर्कता सेक्टर की ट्रैप टीम ने रुड़की में बाल विकास विभाग की एक सुपरवाइजर को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, थाना सतर्कता सेक्टर देहरादून में दर्ज मुकदमा संख्या 6/2026 के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी राखी सैनी, सुपरवाइजर, कार्यालय बाल विकास अधिकारी रुड़की ग्रामीण द्वितीय पर आरोप है कि उसने एक कर्मचारी से प्रमोशन कराने के नाम पर रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने पर सतर्कता टीम ने जाल बिछाया और बुधवार को उसे रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में विकास भवन रोशनाबाद स्थित डीपीओ कार्यालय के अधिकारी धर्मवीर सिंह का नाम भी सामने आया है। सतर्कता टीम पूरे प्रकरण की गहनता से जांच कर रही है और अन्य संभावित सलिप्त लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। सतर्कता विभाग की इस कार्रवाई से सरकारी विभागों में खलबली मची हुई है, वहीं इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

5.53 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से 5.53 ग्राम स्मैक बरामद हुई हैं। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी का चालान कर जेल भेज दिया है। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के दिशा निर्देश पर समाज में नशा बेच कर जहर घोलने वालों के विरुद्ध मंगलौर व लंढौरा पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। मंगलवार की शाम लंढौरा पुलिस चौकी प्रभारी अशोक सिरस्वाल को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की राजीव गांधी नवोदय विधालय के पिछे स्थित एक बाग में एक युवक फुटकर में स्मैक बेच रहा है। चौकी प्रभारी ने स्मैक तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर तत्काल अपने सहयोगी पुलिसकर्मियों के साथ घेराबंदी कर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह ने बताया कि पकड़े गए स्मैक तस्कर ने अपना नाम साजिद हसन पुत्र शाईद निवासी बहारी किला लंढौरा बताया है। जिसके पास से 5.53 ग्राम स्मैक बरामद हुई हैं। बाद पुछताछ के आरोपी के खिलाफ एन डीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर बाद चालान के न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

26 मार्च से 29 मार्च तक लक्सर ऐथल रेलवे मार्ग पर रहेगी आवाजाही बन्द

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र की लक्सर ऐथल रेलवे फाटक पर आवाजाही 26 मार्च सुबह से लेकर 29 मार्च तक बंद रहेगी रेलवे अधिकारी मनोज सुधाकर ने बताया कि लक्सर ऐथल फाटक समपार संख्या 581 किलोमीटर 4/11/13 उपलाइन में मेंटेनेंस कार्य किया जाना है जिसके कारण इस समयार पर पर दिनांक 26 मार्च 2026 सुबह से 29 मार्च 2026 शाम तक सड़क यातायात पूर्णत बंद रहेगा उक्त संपर्क से होकर गुजरने वाले सभी वहानं संपर्क संख्या 3ब 7 सी या किसी अन्य मार्ग का प्रयोग करें उन्होंने बताया हमने यह जानकारी पुलिस चौकी प्रभारी लक्सर थाना प्रभारी लक्सर स्टेशन अधीक्षक लक्सर ऐथल व समाचार पत्रों में भी दी गई है उन्होंने सभी से अपील की है कि उपरोक्त मेंटेनेंस कार्य को ध्यान में रखते हुए लक्सर ऐथल रेलवे फाटक पर आवाजाही के लिए ना जाएं।

मंगलौर : दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर दर्दनाक हादसा

ट्रक ने बाइक सवार दंपति को कुचला, महिला की दर्दनाक मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर मे दिल्ली हरिद्वार हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां रिश्तेदारी से घर लौट रहे बाइक सवार दंपति को एक ट्रक ने कुचल दिया। इस हादसे में 40 वर्षीय महिला मीरजहां की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मीरजहां अपने पति तमरेज के साथ बाइक पर सवार होकर रुड़की से वापस अपने ग्राम बड़ौवाला बरला छपार घर लौट रही थीं जैसे ही वह बाला जी मिष्ठान भंडार के पास पहुंचे तो पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में महिला ट्रक के नीचे आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वही इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज गैरोला ने बताया कि ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और ट्रक को कब्जे लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स की लंबित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। 23 मार्च 2026 को शासन स्तर पर हुई वार्ता में कोई ठोस सहमति न बनने के बाद शाखा सड़की के सदस्यों ने आईआरआई परिसर में लगातार तीसरे दिन भी हड़ताल कार्यक्रम में भाग लिया। हड़ताल की अध्यक्षता अमूल्य वालियां ने की, जबकि मंच संचालन शाखा अध्यक्ष विपिन सैनी ने किया। वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि महासंघ की 27 सूत्रीय मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो हड़ताल अनिश्चितकाल तक जारी रहेगी। प्रमुख मांगों में कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगतियों को दूर करना, 10, 16 और 26 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति वेतनमान देना, 2014 के बाद नियुक्त अभियंताओं को 5400 ग्रेड पे का लाभ, पेयजल एवं जल संस्थान का एकीकरण, उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए समानांतर गैलरी का निर्माण, बाहरी कार्यदायी संस्थाओं पर रोक,

पुरानी पेंशन व्यवस्था की बहाली और कृषि अभियंत्रण निदेशालय की स्थापना शामिल हैं। इसके अलावा ऊर्जा निगमों में पदोन्नति की सीमा 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग भी उठाई गईहड़ताल में लोक निर्माण, सिंचाई, कृषि, शहरी एवं ग्रामीण विकास समेत विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर शामिल रहे। तीसरे दिन ई. अमर सिंह (जनपद सचिव), ई. अतुल सैनी, ई. मुकेश कुमार, ई. सुभाष चंद उपाध्याय, ई. राहुल कुमार, ई. सुधीर कुमार, ई. उदय चौधरी, ई. स्वाति गुप्ता, ई. सारिका सहित अन्य इंजीनियरों ने अपने विचार रखे और आंदोलन को तेज करने का आव्हान किया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के नाम पर हो रजत जयंती पार्क का नाम

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। पूर्व सभासद व उड़ान वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष याकूब अली व पूर्व चौयरमेन ने क्षेत्रीय विधायक को दिए पत्र में शासन द्वारा स्वीकृत रजत जयंती पार्क का नाम डॉ० भीम राव अम्बेडकर के नाम पर रखने की मांग की है।

लंढौरा में अनुसूचित समाज के लोगों द्वारा डॉ० भीम राव अम्बेडकर के नाम पर पार्क बनाने को लेकर चली आ रही मांग को देखते हुए पूर्व सभासद व उड़ान वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष याकूब अली व पूर्व चौयरमेन शहजाद खांने ने क्षेत्रीय विधायक उमेश कुमार को पत्र देकर शासन

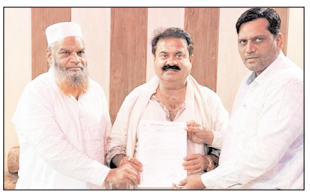

द्वारा लंढौरा में 1 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत रजत जयंती पार्क का नाम डा० बीआर अंबेडकर के नाम पर रखने की मांग की है। पूर्व चौयरमेन व सभासद का कहना है कि सविधान रचयिता डा० अम्बेडकर के नाम पर पार्क का नाम रखे जाने से सभी वर्ग के लोगों को खुशी होगी। विधायक उमेश कुमार ने बताया कि रजत जयंती पार्क के नाम बदलने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया जाएगा।

मुख्य शिक्षा अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी को आयोग ने किया तलब

रुड़की। बाल संरक्षण आयोग उत्तराखंड ने नारसन खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार को बच्चो के शिकायती पत्र पर कार्यवाही ना करने पर तलब कर लिया है।

गौरतलब है कि विगत कई वर्षों से नारसन खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एक विद्यालय के प्रांगण में संचालित हो रहा है विद्यालय में नव निर्मित भवन के एक कमरे पर खंड शिक्षा अधिकारी नारसन के कार्यालय लिपिकों ने कब्जा किया हुआ है जिसकी शिकायत स्कूल में पढ़ रहे बच्चों ने बाल संरक्षण आयोग में उक्त कब्जे की शिकायत की लेकिन आज तक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा उस सम्बन्ध में कोई कार्यवाही नहीं की जिसका संज्ञान लेकर बाल संरक्षण आयोग ने मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी नारसन को 28 मार्च को आयोग में तलब किया है।

कैबिनेट मंत्री बनने पर विधायक बत्रा का भव्य सम्मान, संगठनों ने दी शुभकामनाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखण्ड सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर विधायक प्रदीप बत्रा का विभिन्न संगठनों द्वारा जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ, जनपद हरिद्वार तथा मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन (चिकित्सा विभाग) के पदाधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष वृजेश कुमार ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। वहीं जिला मंत्री एसपी. बडोला तथा मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज नवानी ने शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष वृजेश कुमार ने कहा कि प्रदेशवासियों को मंत्री से काफी उम्मीदें हैं और उनके नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखण्ड में चहुंमुखी विकास को नई दिशा मिलेगी। साथ ही परिवहन विभाग में भी नए आयाम स्थापित होने की अपेक्षा जताई गई।वहीं मंत्री प्रदीप बत्रा ने सभी पदाधिकारियों एवं संगठनों का आभार व्यक्त करते हुए उनके स्नेह और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश मेहनी, फार्मेसी अधिकारी निस्कांत सिरोहा, आतोष

कुमार, विनोद कुमार एवं विपिन बर्मन सहित मौजूद रहे।

पुलिस ने एक फरार वारंटी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। पुलिस टीम ने लगातार गैरहाजिर रहने पर एक वारंटी, को पकड़ कर कोर्ट में पेश किया है। एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली मंगलौर पुलिस ने दिनांक 24-3-26 को मुखबिर की सूचना पर विशेष टीम का गठित कर सम्भावित स्थानो पर दबिश देते हुए आकाश नामक वारंटी को गिरफ्तार किया गया। लगातार फरार चल रहे वारंटी की गिरफ्तारी के संबंध में न्यायालय द्वारा वारंट जारी किए गए थे। नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। वारंटी-आकाश पुत्र कश्मीरी लाल निवासी हरिनगर थाना पुरकाजी उ0प0 है।

किशोरी को नशीला पदार्थ खिलाकर गेस्ट हाउस में दुष्कर्म का आरोप

मां की तहरीर पर पड़ोसी युवक के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर एक युवक पर पड़ोस की ही एक किशोरी को बहला-फुसलाकर गेस्ट हाउस में ले जाकर उसे नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कलियर थ्थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक उसकी किशोरी को बहला-फुसलाकर एक गेस्ट हाउस में ले गया और वहां उसने किशोरी को कोई नशीला पदार्थ पिला दिया जिससे वह बेसुध हालत में हो गई। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।ष्आरोप है कि आरोपी ने दुष्कर्म के दौरान किशोरी की आपत्तिजनक वीडियो भी बना ली। होश आने पर आरोपी ने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया। डरी-सहमी किशोरी ने परिजनों को आपबीती सुनाईजिसके बाद परिजन थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की हैथाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही हैजल्द ही आरोपी को गिरफ्तार लिया जाएगा।

लक्सर में सरकार की चार साल की उपलब्धियों का जश्न, समस्याओं का किया समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर प्रदेश सरकार के सफल 4 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को लक्सर ब्लॉक मुख्यालय पर सरकार जन- जन के द्वार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विकास की बेमिसालए उपलब्धियों को गिनाने के साथ-साथ आम जनमानस की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गयाविभिन्न विभागों की रही मौजूदगीकार्यक्रम में शासन-प्रशासन की सक्रियता देखने को मिली। राजस्व, विकास विभाग, कृषि, विद्युत पेयजल और पुलिस खाद्य पूर्ति सहित कई प्रमुख विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने शिरकत की।

एसडीएम लक्सर सौरभ असवाल ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहासरकार के 4 साल की तमाम उपलब्धियां और लागू की जा रही विकास योजनाओं की जानकारी सीधे जनता तक पहुँचाना ही इस आयोजन का मुख्य ध्येय है। जो समस्याएं आज प्राप्त हुई हैं, उनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है, जबकि शेष समस्याओं के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान

के कड़े निर्देश दिए गए हैं। विकास की बयार: लक्सर ब्लॉक प्रमुखहर्ष कुमार दौला ने सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार अनेक विकास योजनाएं लागू कर प्रदेश का कायाकल्प कर रही है।

चाकू सहित एक युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। एसएसपी के निर्देशों पर चलाये जा रहे चौकिंग अभियान असर दिखा जब एक आरोपित को चाकू सहित धर दबोच लिया है। एसएसपी हरिद्वार द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को संघन चौकिंग अभियान चलाये जाने के निर्देश निर्गत किए गए हैं। उपरोक्त क्रम में थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा दिनांक-24.03.2026 को थाना क्षेत्रान्तर्गत संघन चौकिंग अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान सँदिग्ध अवस्था में घूम रहे साहिद पुत्र सलीम निवासी मक्खनपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार को चौकी काली नदी क्षेत्र में रोककर चौक किया गया तो आरोपित साहिद के कब्जे से 01 अदद नाजायज चाकू बरामद हुआ। आरोपित किसी बडी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से काली नदी क्षेत्र में घूम रहा था। आरोपित के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। नाम पता आरोपित' हिद पुत्र सलीम निवासी मक्खनपुर कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार है।

प्रेस विज्ञप्ति

ज्ञान लक्ष्मी आर्य ग्रुप आफ इंस्टीटयूट लक्सर

पत्रांक सं. GLADC/2026/MAR/009 Date - 25-03-26

आवश्यकता है

पद : प्राचार्य, आचार्य, सहायक आचार्य, स्टाफ

बीए संकाय : (हिन्दी, अंग्रेजी, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, चित्रकला, इतिहास, भूगोल)

बीएससी संकाय:(गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान)

बीकॉम संकाय एवं विधि संकाय : (Faculty of law) **शैक्षिक अर्हता :** यूजीसी के मानक के आधार। **वेतन :** योग्यतानुसार

आवेदन करें: ज्ञान लक्ष्मी आर्य ग्रुप आफ इंस्टीटयूट लक्सर।
निकट न्यू रोडवेज बस स्टैंड, हरिद्वार रोड लक्सर, ई मेल-gyanlaxmicollege@gmail.com संपर्क सूत्र : 7055800064, 8077134988

संबंध विच्छेद-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र खुशनूद का आचरण मेरे व मेरे परिवार के साथ ठीक ना होने के कारण मैंने अपने खुशनूद को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है आज के बाद खुशनूद के किसी भी लेनदेन व अनैतिक कार्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हनीस पुत्र जिंदा हसन नि. नगर पंचायत सुल्तानपुर थाना व तहसील लक्सर, हरिद्वार।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार, 26 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

विश्वास की कमी

बुधवार को खबर आई कि पाकिस्तान की मार्फत ईरान को अमेरिका की तरफ से युद्ध समाप्त करने को लेकर 15 शर्तीय पैगाम पहुंचाया गया। उसमें क्या शर्तें थी यह तो सामने नहीं आया, लेकिन ईरान की तरफ से जो जवाब आया है उससे साफ है कि ईरान इस समय अमेरिका की तरफ से आ रहे किसी भी शांति प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं है। ईरान की तरफ से कहा गया है कि अगर अमेरिका उसकी पांच शर्तों को मानेगा, तो युद्ध विराम पर विचार किया जा सकता है। सबसे बड़ी शर्त तो उसकी यही है कि युद्ध में अब तक जो ईरान का नुकसान हो रहा है, अमेरिका उसका मुआवजा दे। दूसरे वह कुछ सप्ताह या महीने के युद्ध विराम पर सहमत नहीं हो सकता, उसके लिए जरूरी है कि ऐसा वादा किया जाए, जिससे युद्ध हमेशा के लिए खत्म हो। तीसरे ईरान चाहता है कि होर्मुज पर उस पर इंटरनेशनल अथॉरिटी की तरफ से उसको पूरी तरह कंट्रोल हासिल हो। ऐसी दो अन्य शर्तें भी हैं। जाहिर है, आज के संदर्भ में इस तरह की गारंटी कोई भी देश लेने को शायद ही कोई तैयार होगा। इसलिए जो शांति के प्रयास इस समय चल रहे हैं वे कुछ उम्मीद तो जगाते हैं, लेकिन साथ ही भ्रमित भी करते हैं कि वास्तव में दोनों ही पक्ष युद्ध रोकने के लिए गंभीर हैं भी या नहीं। असल में इस समय जो देखने में आ रहा है वह यह है कि दोनों ही पक्षों के बीच में अविश्वास की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि इसको पाटना अभी बेहद मुश्किल दिखाई दे रहा है और किसी भी सकारात्मक नतीजे पर पहुंचने के लिए यह खाई पाटना बेहद जरूरी होता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस अनिश्चितता के लिए अगर इस समय कोई देश सबसे ज्यादा जिम्मेदार है तो वह अमेरिका और इस्राईल ही है। जिन्होंने बिना किसी उकसावे के न सिर्फ ईरान पर हमला किया, बल्कि उसके टॉप लीडर्स व अधिकारियों को मार गिराया और यह क्रम अभी भी जारी है। दोनों ही पक्ष एक-दूसरे के शहरों पर लगातार अभी भी बमबारी कर रहे हैं। कोई भी समझ सकता है कि बमबारी और शांति की वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। उसके लिए पहले वार्ता का माहौल बनाना बेहद जरूरी होता है, जो बनता दिखाई नहीं दे रहा। जहां तक बात भारत की है, भारत में इस समय एलपीजी व डीजल, पेट्रोल की किल्लत स्पष्ट दिखाई दे रही है, भले ही सरकार कहे कि उसके पास ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है, जैसीकि उसने बुधवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक के बाद भी कहा, लेकिन आम जनता की बात तो छोड़िए विपक्षी दल ही सरकार के आश्वासनों से सहमति जताते दिखाई नहीं दे रहे हैं और इस संकट के लिए पीएम मोदी को सीधे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि विदेश नीति मोदी की निजी विदेश नीति में बदल गई है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि विदेश नीति को हम इस समय पटरी से उतरते देख रहे हैं।

यू-टर्न उस्ताद पीएम मोदी ने बदला मन

नए संसद भवन में नारी वंदन अधिनियम, 2023 ऐतिहासिक कानून को पारित किया गया था, इस कानून के जरिए संविधान में संशोधन करके लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया था, इस कानून में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों के भीतर भी एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान शामिल था, इन आरक्षणों को लागू करने का काम स्पष्ट तौर पर परिसीमन और जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने से जोड़ा गया था, कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनावों से ही इसे तुरंत लागू करने की जोरदार मांग की थी, तब मोदी सरकार ने यह तर्क दिया था कि परिसीमन और जनगणना का काम पहले पूरा किए बिना ऐसा करना संभव नहीं है, अब यू-टर्न उस्ताद पीएम मोदी ने 30 महीने बाद अचानक अपना मन बदल लिया है।

-जयराम रमेश, वरिष्ठ कांग्रेस नेता

बढ़ती गर्मी से कीटों पर बढ़ता संकट

अध्ययन से पता चला कि गर्म और निचले इलाकों में रहने वाले कीट आम तौर पर ठंडे और ऊंचे इलाकों के कीटों की तुलना में ज्यादा तापमान सहन कर सकते हैं। लेकिन इसके साथ एक बड़ी समस्या भी है। निचले इलाकों का वातावरण पहले ही उस अधिकतम तापमान के बहुत निकट है, जिसे वहां रहने वाले कीट सह सकते हैं। इसलिए अगर तापमान थोड़ा भी बढ़ता है, तो वे जल्दी ही अपनी सहनशीलता की सीमा पार कर सकते हैं।

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के गर्म और निचले स्थानों में रहने वाले कीट अत्यधिक गर्मी में भी जीवित रहने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, लेकिन एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन से पता चला है कि इनमें से कई कीट पहले ही अपनी सहनशक्ति के तापमान की सीमा के करीब रह रहे हैं। ऐसे में अगर पृथ्वी का तापमान और बढ़ता है, तो इन प्रजातियों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में यह देखा गया कि अलग-अलग कीट प्रजातियां गर्मी पर किस तरह प्रतिक्रिया देती हैं ताकि यह समझा जा सके कि जलवायु परिवर्तन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कीटों की विविधता को कैसे प्रभावित कर सकता है।

गौरतलब है कि स्तनधारियों के विपरीत, कीट अपने शरीर का तापमान खुद नियंत्रित नहीं कर सकते। उनके शरीर का तापमान लगभग पूरी तरह आसपास के वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए अधिक गर्मी से बचने के लिए वे छांव में चले जाना, मिट्टी में दुबक जाना या ठंडक के समय में ही सक्रिय रहना जैसे तरीके अपनाते हैं। उनके शरीर में कुछ खास प्रकार के प्रोटीन भी बनते हैं, जो अधिक तापमान से कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। इन्हें 'हीट शॉक प्रोटीन' कहा जाता है। लेकिन इस सुरक्षा की भी एक सीमा है। जब तापमान एक हद से ऊपर चला जाता है, तो कीट हिलना-डुलना बंद कर देते हैं और अंततरू मर जाते हैं।

कीटों की अधिकतम ऊष्मा-सहनशीलता सीमा को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने लगभग 2300 प्रजातियों पर एक बड़ा फील्ड अध्ययन किया। यह काम पर्यावरण वैज्ञानिक किम ली होल्जमैन के शोध से शुरू हुआ था। उन्होंने पेरू के एंडीज पर्वत क्षेत्र में अलग-अलग ऊंचाइयों से

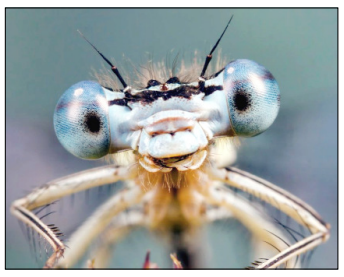

कई मौसमों के दौरान कीट इकट्ठा किए। हर कीट को एक छोटी ट्यूब में रखकर धीरे-धीरे बढ़ती गर्मी के संपर्क में लाया गया। वैज्ञानिक यह देखते रहे कि किस तापमान पर कीट हिलना-डुलना बंद कर देता है, क्योंकि यही उसकी गर्मी सहने की अधिकतम सीमा मानी जाती है। बाद में इसी तरह का प्रयोग केन्या के एक अन्य उष्णकटिबंधीय पर्वतीय क्षेत्र में भी किया गया।

अध्ययन से पता चला कि गर्म और निचले इलाकों में रहने वाले कीट आम तौर पर ठंडे और ऊंचे इलाकों के कीटों की तुलना में ज्यादा तापमान सहन कर सकते हैं। लेकिन इसके साथ एक बड़ी समस्या भी है। निचले इलाकों का वातावरण पहले ही उस अधिकतम तापमान के बहुत निकट है, जिसे वहां रहने वाले कीट सह सकते हैं। इसलिए अगर तापमान थोड़ा भी बढ़ता है, तो वे जल्दी ही अपनी सहनशीलता की सीमा पार कर सकते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि अलग-अलग कीट समूहों की गर्मी सहने की क्षमता अलग होती है। उदाहरण के लिए, मक्खियां सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं और औसतन लगभग 39 डिग्री सेल्सियस पर ही उनकी गतिविधि रुकने लगती है। भृंग (बीटल) थोड़े मजबूत होते हैं और करीब 41 डिग्री सेल्सियस तक गर्मी सह सकते हैं। मधुमक्खियां और अन्य कॉलोनी बनाकर रहने वाले कीट इससे थोड़ी अधिक गर्मी झेल सकते हैं। टिड्डे और उनसे मिलती-जुलती प्रजातियां सबसे ज्यादा सहनशील पाई गईं, जो लगभग 44 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सह सकती हैं।

इन समूहों के अंतर को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने सैकड़ों कीट प्रजातियों के जेनेटिक डैटा का अध्ययन किया। कंप्यूटर मॉडल की मदद से उन्होंने देखा कि कीटों के शरीर में मौजूद हीट शॉक प्रोटीन की संरचना किस तापमान पर बिखरने लगती है। नतीजे प्रयोगों से मिले परिणामों से मेल खाते थेय जिन प्रजातियों के प्रोटीन अधिक स्थिर थे, वे अधिक गर्मी सहन कर पाए। इससे संकेत मिलता है कि गर्मी सहने की यह सीमा कीटों की जैविक बनावट से जुड़ी है। और जैविक बनावट सहस्राब्दियों में बदलती है। अर्थात इन कीट प्रजातियों की स्थिति कमोबेश स्थिर रहेगी। यह अध्ययन चिंताजनक है। जलवायु मॉडल बताते हैं कि इस सदी के अंत तक उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का तापमान इतना बढ़ सकता है कि लगभग आधी कीट आबादियां कुछ घंटों तक भविष्य की गर्मी झेलने के बाद बेहोशी जैसी स्थिति में पहुंच सकती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इतनी चरम स्थिति आने से पहले ही कीटों की संख्या घटने लग सकती है, क्योंकि लंबे समय तक गर्मी का दबाव उनके जीवित रहने और प्रजनन की क्षमता को कम कर देता है।

कीट पर्यावरण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परागण, जैविक कचरे का विघटन करके वे खाद्य संजाल का एक जरूरी हिस्सा होते हैं। अगर उनकी संख्या घटती है, तो इसका असर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है। शोधकर्ता कहते हैं कि यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि उष्णकटिबंधीय कीट बदलते मौसम के साथ कैसे तालमेल बिठाएंगे। लेकिन अध्ययन दर्शाता है कि दुनिया के सबसे गर्म इलाकों में तापमान में थोड़ी-सी बढ़ोतरी भी कई कीट प्रजातियों की सहनशीलता को परास्त कर सकती है।

-स्रोत फीचर्स

उड़ते समय भौंरे खुद को ठंडा कैसे रखते हैं

स्रोत फीचर्स

भौंरे जबर्दस्त उड़ाके होते हैं। वे लगभग 22 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकते हैं। इतनी तेज उड़ान के दौरान उनकी मांसपेशियां फड़फड़ाकर काफी गर्मी पैदा करती हैं। तो उड़ते समय भौंरे का शरीर बहुत गर्म हो सकता है। जैसे कार का इंजन, जिसे ठंडा न किया जाए तो खूब गर्म हो सकता है। तो भौंरे उड़ान के दौरान गर्म होकर झुलस क्यों नहीं जाते?

नए शोध से पता चला है कि वे अपने पंखों की तेज फड़फड़ाहट से बहने वाली हवा के जरिए खुद को ठंडा रखते हैं, जब भौंरा हवा में एक जगह ठहरकर उड़ता है, तो उसके पंखों से नीचे की ओर बहती हवा उसके शरीर का तापमान लगभग 5 डिग्री सेल्सियस तक कम कर देती है। इतने छोटे कीट के लिए यह बहुत बड़ी राहत है। उड़ान के दौरान भौंरों की मांसपेशियां बहुत ज्यादा गर्मी पैदा करती हैं। ठंड में तो यह गर्मी उड़ान के लिए वार्मअप में काम आ जाती है। लेकिन गर्मियों में यह खतरनाक साबित होती है। अतिरिक्त गर्मी से निपटने के उनके कुछ तरीके तो पहले से मालूम हैं। वे अपने वक्षस्थल (जहां उड़ान की मांसपेशियां होती हैं) से गर्मी को शरीर के पिछले हिस्से तक एक खास द्रव के जरिए पहुंचा सकते हैं। वैज्ञानिक यह भी देखते रहे हैं कि धूप उन्हें कितना गर्म करती है और पसीने जैसी प्रक्रिया से उन्हें कितनी ठंडक मिलती है। इन सबको मिलाकर वैज्ञानिक 'ऊष्मा संतुलन मॉडल' कहते हैं। लेकिन अब तक एक बात स्पष्ट नहीं थीरू क्या उनके पंखों से पैदा होने वाला वायु प्रवाह भी उन्हें ठंडा करने में मदद करता है। इसे समझने के लिए वैज्ञानिकों ने भौंरों को एक खास प्रयोगशाला कक्ष में रखा, जहां हवा की गति मापने वाले उपकरण लगे थे। जब भौंरे नकली फूलों के ऊपर मंडरा रहे थे, तब शोधकर्ताओं ने देखा कि उनके आसपास हवा लगभग 0.25 से 2 मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से बह रही थी। धुंध जैसी हल्की फुहार का इस्तेमाल करके उन्होंने यह भी देखा कि हवा उनके शरीर के चारों ओर कैसे फैलती है। यह जानने के लिए कि यह हवा उन्हें कितनी ठंडक देती है, वैज्ञानिकों ने और भी परीक्षण किए। उन्होंने भौंरों के शरीर में बहुत छोटे तापमापी लगाए और हवा की वही स्थिति बनाई। तापमान में बदलाव की तुलना करके उन्होंने पाया कि अगर पंखों से पैदा होने वाली यह ठंडक न मिले, तो भौंरा दो मिनट से भी कम समय में तपकर टपक सकता है। यानी भौंरों के पंखों से पैदा होने वाला हवा का बहाव एक तरह का प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम है। हालांकि वैज्ञानिक अभी पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि जब भौंरे उड़ते-उड़ते आगे बढ़ते हैं, तब यह प्रक्रिया कैसे काम करती है।

चंद्रमा के प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र का रहस्य

यह भी स्पष्ट हुआ कि दोनों तरह की चट्टानें चुंबकीय जानकारी सहेजकर रखने में समान रूप से सक्षम थीं। यानी फर्क चट्टानों की चुंबकीय सूचना को सहेजने की क्षमता में नहीं, बल्कि इस बात में था कि उनकी चुंबकीय क्षेत्रा पैदा करने की क्षमता में अंतर था। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि अरबों साल पहले चंद्रमा के अंदर, मेंटल की गहराई में मौजूद टाइटेनियम-समृद्ध चट्टानें समय-समय पर पिघलती थीं। जिसके लिए गर्मी कोर तथा आसपास के पदार्थ से मिलती था। इससे कुछ समय के लिए कोर में मंथन शुरू हो जाता और एक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बन जाता था।

लगभग पचास वर्ष पूर्व अपोलो मिशन से लाई गई चंद्रमा की चट्टानों में मौजूद खनिज बताते हैं कि करीब 3.5 अरब साल पूर्व चंद्रमा पर बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र था, जो लाखों साल तक बना रहा। लेकिन इतनी ताकतवर चुंबकीय शक्ति के लिए चंद्रमा के भीतर पिघला और गतिशील कोर होना जरूरी है। वैज्ञानिकों का मानना था कि चांद का अपेक्षाकृत छोटी साइज का कोर जल्दी ठंडा हो गया होगा। लेकिन उसी समय की कुछ अन्य चट्टानें संकेत दे रही थीं कि चंद्रमा का चुंबकीय क्षेत्र कमजोर था। इन दोनों अवलोकनों के कारण रहस्य पैदा हुआ।

अब एक नए अध्ययन से राह खुली है। नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित शोध के अनुसार, चंद्रमा पर लगातार शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र नहीं था। बल्कि 4 अरब से 3.5 अरब साल पूर्व के दरम्यान बार-बार सीमित समय के लिए लेकिन बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बनता था। अपोलो मिशन द्वारा लाई गई कुछ ज्वालामुखीय चट्टानों की ध्यानपूर्वक जांच से पता चला कि उनमें कम टाइटेनियम वाली चट्टानों की तुलना में अधिक टाइटेनियम वाली चट्टानों में चुंबकीय शक्ति अधिक थी। यह भी स्पष्ट हुआ कि दोनों तरह की चट्टानें चुंबकीय जानकारी सहेजकर रखने में समान रूप से सक्षम थीं। यानी फर्क चट्टानों की चुंबकीय सूचना को सहेजने की क्षमता में नहीं, बल्कि इस बात में था कि उनकी चुंबकीय क्षेत्र पैदा करने की क्षमता में अंतर था।

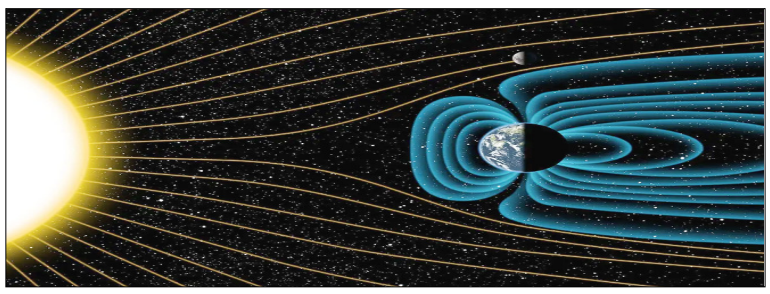

शोधकर्ताओं का अनुमान है कि अरबों साल पहले चंद्रमा के अंदर, मेंटल की गहराई में मौजूद टाइटेनियम-समृद्ध चट्टानें समय-समय पर पिघलती थीं। जिसके लिए गर्मी कोर तथा आसपास के पदार्थ से मिलती था। इससे कुछ समय के लिए कोर में मंथन शुरू हो जाता और एक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बन जाता था। जब यह पिघला हुआ मैग्मा सतह पर ठंडा होकर ठोस बन जाता, तो उस समय का चुंबकीय असर उसके भीतर दर्ज रह जाता था। इस नए विचार के अनुसार, चंद्रमा पर लगातार और लंबे समय तक बना रहने वाला चुंबकीय क्षेत्र नहीं था। बल्कि वहां बार-बार बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र थोड़े-थोड़े समय (5,000 साल से भी कम के समय) के लिए बनता था। शेष लंबे समय तक कमजोर चुंबकीय क्षेत्र रहता था। यही वजह हो सकती है कि कुछ चट्टानों में शक्तिशाली चुंबकीय गुण दिखता है, जबकि उसी समय की अन्य चट्टानों में नहीं। यह अंतर शायद नमूने इकट्ठा करने की जगह के कारण हो सकता है। अपोलो मिशन ज्यादातर ज्वालामुखीय मैदानों में उतरे थे, जहां बार-बार लावा बहा था। संभव है कि वहां ऐसी चट्टानें ज्यादा मिली हों जो विस्फोटों के दौरान बनी थीं, जिससे ऐसा लगा कि चुंबकीय क्षेत्र लंबे समय तक लगातार शक्तिशाली था। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि यह नया विचार चंद्रमा के पूरे चुंबकीय इतिहास को नहीं समझा पाता। फिर भी यह जांच के लिए एक नई दिशा जरूर देता है। आगे की प्रगति नए मिशनों से लाए जाने वाले नमूनों की मदद से आगे बढ़ेगी, जैसे चीन के चंद्रमिशन के नमूनों के अध्ययन से।

-स्रोत फीचर्स

चंडीगढ़ : नाम बड़े मगर दर्शन छोटे

भारत में वर्तमान में 8 केंद्र शासित प्रदेशों में चंडीगढ़ अकेला है जिसे सिटी ब्यूटीफुल कहा जाता है। इसकी सबसे बड़ी और अनोखी विशेषता यह है कि यह देश का एकमात्र केंद्र शासित प्रदेश है जो देश के पंजाब और हरियाणा जैसे दो समृद्ध राज्यों की संयुक्त राजधानी है। इसके अतिरिक्त चंडीगढ़ न केवल एक शहर है, बल्कि यह एक स्वतंत्र केंद्र शासित प्रदेश भी है, जो सीधे केंद्र सरकार के अधीन आता है। इसकी स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि यह है कि 1947 के भारत विभाजन के बाद जब पूर्वी पंजाब की पुरानी राजधानी लाहौर पाकिस्तान में चली गई तो भारतीय पंजाब को एक नई राजधानी की जरूरत महसूस हुई। उसी समय 1950 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की दूरदर्शिता के परिणाम स्वरूप चंडीगढ़ को आधुनिक भारत के पहले व पूर्णत: नियोजित शहर के रूप में पंजाब की नई राजधानी के तौर पर इसे बनाया गया। इसे विश्व प्रसिद्ध स्विस-फ्रेंच वास्तुकार ले कोर्बुजिए ने डिजाइन किया था। बाद में जब 1 नवंबर 1966 को पंजाब राज्य को भाषाई आधार पर विभाजित कर हरियाणा बनाया गया उस समय चंडीगढ़ को दोनों राज्यों के बीच विवाद से बचने के लिए केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया गया और इसे दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी बना दिया गया। आज भी दोनों प्रदेशों की राजधानी होने के बावजूद चंडीगढ़ न तो पूरी तरह पंजाब का है और न हरियाणा का बल्कि यह पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा प्रशासित है।

लगभग 50 आयताकार सेक्टरों में बांटा गए इस चंडीगढ़ में चौड़ी सड़कें, हरियाली, पार्क और आधुनिक इमारतें हैं। यहां कैपिटल कॉम्प्लेक्स के रूप में विधानसभा, सचिवालय व उच्च न्यायालय हैं। यहां विद्युत ,जल निकासी,नाले नालियां सभी भूमिगत हैं। यह शहर यूनेस्को की भी विश्व धरोहर है।यहां स्थित रॉक गार्डन, सुखना झील, रोज गार्डन आदि जगहें इसे पर्यटन स्थल के रूप में पहचान देती हैं। भारत के अन्य शहरों की तुलना में यहां जनघनत्व कम, सड़कें व्यवस्थित और प्रदूषण नियंत्रित होने का दावा किया जाता है। यह भारत में मानव विकास सूचकांक और जीवन की गुणवत्ता में भी शीर्ष पर है। यह हपेंशनर्स पैराडाइजह्न भी कहलाता है क्योंकि यहां शांत वातावरण, अच्छी सुविधाएं और उच्च जीवन स्तर है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में यह दूसरे नंबर पर था। आवासीय क्षेत्र, बाजार , जल निकासी और सार्वजनिक शौचालयों के मामले में भी यह सबसे साफ केंद्र शासित प्रदेश गिना जाता है परन्तु इसी चमचमाते चंडीगढ़ का एक दूसरा पहलू भी है जो कि अत्यंत दुखद,शर्मनाक व चंडीगढ़ जैसे सुनियोजित शहर की सुंदरता व इस पर लगे सिटी ब्यूटीफुल के लेबल पर सवाल खड़ा करने वाला है। मिसाल के तौर पर निश्चित रूप से यहां के अधिकांश मुख्य मार्ग साफ सुथरे हैं परन्तु जब आप चंडीगढ़ के घनी आबादी वाले रिहाइशी इलाकों से गुजरें तो आप को पता चलेगा कि चंडीगढ़ की एक बड़ी मध्यम व निम्न मध्यम वर्गीय आबादी किस तरह रहती है। उदाहरण के तौर पर चंडीगढ़ में हेलो माजरा,राम दरबार कालोनी व डड्डू माजरा जैसे अनेक इलाके ऐसे हैं जहां सड़कें खस्ता हाल हैं। गड्ढे हैं ,जगह जगह कूड़ों का ढेर है। गाएं व सांडों का झुण्ड जगह जगह घूमता व चौक चौराहों पर डेरा जमाए नजर आता है। राम दरबार कॉलोनी की टूटी-फूटी सड़कों, गंदगी, जाम नालियों और खराब सफाई घ्रबंधन के कारण अपेक्षाकृत चंडीगढ़ के उपेक्षित इलाकों में गिने जाते हैं। ह्राम दरबार वॉर्ड19 की एक बड़ी आबादी वाली बस्ती है, जिसकी मूल सुविधाओं की हालत लगातार घटती जा रही है और समस्याएं दोनोंदिन बढ़ती जा रही हैं।

इसी राम दरबार की शान है एक प्राचीन सूफी स्थल दरबार, माता राम बाई जी,अम्मी हुजूर। चंडीगढ़ को पहचान देने वाला यह अकेला ऐसा स्थान है जो सर्व धर्म समभाव का मुख्य केंद्र है। इससे सटा हुआ एक सार्वजनिक शौचालय है जोकि चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा निर्मित व संचालित है परन्तु आश्चर्य की बात यह है कि इस शौचालय भवन में बिजली का कनेक्शन कटा हुआ है। इसलिए शौचालय के कर्मचारी गैरकानूनी तरीके से इधर उधर से बिजली का तार जोड़कर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। इसी शौचालय के कर्मचारी यह भी बताते हैं कि उन्हें ठेकेदार कई कई महीने तक तनख्वाह नहीं देता और हद तो यह है कि चंडीगढ़ के इसी सार्वजनिक शौचालय ने गंदिगी,बीमारी व प्रदूषण फैलाने की वह इबारत लिखी है जिसकी दूसरी मिसाल शायद ही कहीं देखने को मिले। लाखों रूपये खर्च कर किए गए इस निर्माण में शौचालय की सीवेरज प्रणाली शायद जाम हो गई है। लिहाजा यहां के कर्मचारियों ने शौचालय के पीछे व पवित्र दरबार भवन की दिशा में लगभग 20 फुट लंबा एक गहरा व खुला गड्ढा खोद

कर उसी से सीवेरज को जोड़ दिया है। परिणामस्वरूप शौचालय की सारी गंदिगी आगे बढ़ने के बजाए उसी गड्ढे में हर वक्त भरी रहती है और दुर्गन्ध फैलती रहती है।

इसी जगह के पास प्रत्येक वृहस्पतिवार को एक विशाल मंडी भी लगती है जिसमें हजारों लोग आते जाते हैं। इसी जगह पर कूड़ों का ढेर भी पड़ा रहता है जो आम दिनों में प्रदूषण फैलाता है। परन्तु इंतेहा तो तब हो जाती है जब इन्हीं कूड़े के ढेरों में आग लग जाती है। कई बार अग्निशामक दस्ते के लोगों को आकर यह आग बुझानी पड़ी है। 1 जून 2025 को ददुमाजरा लैंडफिल साइट जोकि 45 एकड़ में फैला कूड़ा का पहाड़ है यहां पर भयानक आग लग गई थी। यह आग तेज हवाओं के कारण तेजी से बड़े क्षेत्र में फैल गई थी। इस आग से निकलने वाले घने काले धुएं ने आसपास के रिहायशी इलाकों को घेर लिया था। लोगों में दहशत फैल गई थी लोगों का दम घुटने लगा था और सांस की तकलीफ और स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गई थीं। उस समय आग बुझाने के लिए सेक्टर 38, 17, 32, रामद. रबार और मनीमाजरा से एक दर्जन से ज्यादा फायर ब्रिगेड गाड़ियां लगाई गई थीं। यही स्थिति राम दरबार के सामने खुले मैदान पर पड़े कूड़े के ढेर पर कई बार हो चुकी हैं। चंडीगढ़ के सिटी ब्यूटीफुल होने के तमाम सरकारी दावों के बावजूद अभी भी यहां की बड़ी व घनी आबादी जिन समस्याओं का शिकार है उन्हें देखकर तो यही कहा जा सकता है कि चंडीगढ़ के नाम तो बड़े हैं परन्तु दर्शन छोटे हैं।

-निर्मल रानी

प्रयागराज। आपूर्ति संकट के बीच खाली एलपीजी के गैस सिलेंडरों के साथ कतार में खड़े होकर रिफिल किए हुए सिलेंडर प्राप्त करने का इंतजार करते हुए लोग।

अमेरिका को होर्मुज की नाकाबंदी करनी चाहिएः जॉन बोल्टन

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व एनएसए जान बोल्टन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ईरान के तेल राजस्व को खत्म करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी करनी चाहिए। जान बोल्टन ने आकलन किया कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की बातचीत में क्षेत्रीय संघर्ष और ईरानी ऊर्जा पर भारत की निर्भरता पर बात हुई होगी। जान बोल्टन ने कहा कि मुझे लगता है कि पीएम मोदी की सोच साफ है कि वे ईरान से तेल खरीदने के इच्छुक हैं। आज सुबह दो भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से निकले भी हैं। हालांकि इस लेन-देन का असर भू-राजनीति पर पड़ता है।

ट्रम्प के लिए होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना मुश्किल!

ईरान संकरे रास्ते का फायदा उठा रहा, यहां अमेरिकी वॉरशिप भी सुरक्षित नहीं, सैकड़ों तेल टैंकर दोनों तरफ खड़े हैं और नहीं बढ़ पा रहे

वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहा युद्ध अब इतना बढ़ गया है कि होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद हो गया है। इस वजह से सैकड़ों तेल टैंकर दोनों तरफ खड़े हैं और आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इससे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल को पार कर चुकी हैं। इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। अमे.रिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि वह इस समुद्री रास्ते को 'किसी भी तरह' फिर से खोलेंगे। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह काम इतना आसान नहीं है।

अगर ईरान से कोई समझौता नहीं होता या अमेरिका कोई बड़ा मिलिट्री एक्शन नहीं लेता, तो इस रास्ते पर पूरी तरह से आवाजाही बहाल करना मुश्किल होगा। ईरान की मजबूती की सबसे बड़ी वजह इस इलाके की भौगोलिक स्थिति है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत संकरा और उथला है। यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरान के पहाड़ी तट के बहुत करीब से गुजरना पड़ता है। यही वजह है कि ईरान इस इलाके का फायदा उठाकर दुश्मनों पर हमले करता है। ईरान के पास ऐसे हथियार हैं जो छोटे होते हैं, आसानी से छिपाए जा सकते हैं और अचानक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ये हथियार पहाड़ों, गुफाओं और सुरंगों में छिपे होते हैं। जरूरत पड़ने पर इन्हें तट के पास से ही लान्च किया जा सकता है। इस वजह से जहाजों को हमला होने पर प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय मिलता है। जैसे ही मिसाइल या ड्रोन दिखाई देता है, उसके बाद कार्रवाई के लिए सिर्फ कुछ मिनट ही होते हैं। ट्रम्प ने इस रास्ते को खोलने के लिए कई बार अलग-अलग दावे कर चुके हैं। एक बार तो उन्होंने यह भी कहा कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर के साथ मिलकर इस रास्ते को कंट्रोल कर सकते हैं। लेकिन असल में अमेरिका जिन विकल्पों पर विचार कर रहा है, उनमें ज्यादातर सैन्य कार्रवाई ही शामिल है। अगर अमेरिका सैन्य ताकत से इस रास्ते को खोलना चाहता है, तो सबसे पहले उसे ईरान की हमले की क्षमता खत्म करनी होगी। यानी उसे मिसाइल सिस्टम, ड्रोन और उन ठिकानों को नष्ट करना होगा जहां से ईरान जहाजों पर हमला कर सकता है, लेकिन अब तक अमे.रिका और इजरायल के हजारों हमलों के बावजूद ईरान की यह क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान के पास कई जगहों पर मिसाइल बैटरी हो सकती हैं और वे मोबाइल भी होती हैं, यानी उन्हें जल्दी-जल्दी एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। इसलिए उन्हें ढूंढना और खत्म करना बहुत मुश्किल है। ट्रम्प ने यह भी कहा है कि जहाजों को सुरक्षित निक.लने के लिए नौसेना के जहाज उनके साथ चल सकते हैं। इसे एस्कार्ट ऑपरेशन कहा जाता है। इसमें वारशिप टैंकरों के साथ चलेंगे, ऊपर से विमान निगरानी करेंगे, ड्रोन को मार गिराएंगे और तट पर मौजूद मिसाइल ठिकानों पर हमला करेंगे। इसके साथ ही समुद्र में अगर बारूदी सुरंगें (माइंस) बिछाई गई हैं, तो उन्हें हटाने के लिए माइंसवीपर जहाजों को लगाया जाएगा। लेकिन यह सब करना बहुत बड़ा और जटिल सैन्य अभियान होगा। इसमें काफी समय, संसाधन और जोखिम शामिल होंगे। वारशिप खुद भी इस इलाके में पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि होर्मुज जैसे संकरे इलाके में जहाजों को चारों तरफ से खतरा रहता है। ड्रोन और मिसाइल से बचाव करना यहां और मुश्किल हो जाता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्र में बिछाई गई माइंस से है।

■ ईरान की मजबूती की सबसे बड़ी वजह इस इलाके की भौगोलिक स्थिति है होर्मुज स्ट्रेट बहुत संकरा और उथला है

ट्रम्प को ईरान ने भेजा महंगा तोहफा!

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव और संघर्ष के बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ चल रही बातचीत और शांति प्रयासों को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रम्प का कहना है कि दोनों पक्ष इस समय गंभीर बातचीत में हैं और समझौते की संभावना बनी हुई है। ट्रम्प ने खुलासा किया कि अमेरिका एक विशाल बिजली उत्पादन संयंत्र को निशाना बनाने वाला था, लेकिन बातचीत को ध्यान में रखते हुए यह कदम फिलहाल टाल दिया गया। उनका कहना है कि ईरान की अधिकांश मिसाइलें और एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम पहले ही निष्क्रिय हो चुके हैं। उनका कहना है कि अमेरिकी विमान सीधे तेहरान और अन्य हिस्सों में उड़ान भर रहे हैं और ईरान कुछ कर पाने में असमर्थ है। उन्होंने कहा वे पूरी तरह से हार चुके हैं। सैन्य रूप से वे निष्प्रभावी हैं। शांति के प्रयासों को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार न हों। ईरान ने भी इस बात का आश्वासन दिया है कि वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे। जहां तक ईरान में किससे बातचीत हो रही है, ट्रम्प ने बताया कि पहले अमेरिकी कार्रवाई में ईरान के कई नेता समाप्त कर दिए गए। अब सामने एक नया नेतृत्व है, जो पहले के नेताओं से पूरी तरह अलग है और इस बदलाव से शासन और रणनीति में महत्वपूर्ण अंतर आया है।

तेहरान ने वाशिंगटन से बातचीत को किया इन्कार

अमेरिका ने ईरान को युद्ध समाप्त करने के लिए भेजा था 15 सूत्री योजना प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से ईरान को 15 सूत्री प्रस्ताव दिया है जो 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे महत्वपूर्ण राजनयिक पहल हो सकती है। हालांकि ईरान ने किसी भी प्रकार की बातचीत होने से स्पष्ट इन्कार किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह प्रस्ताव पाकिस्तान में मध्यस्थों के माध्यम से भेजा गया था।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी इस मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से इस योजना की पुष्टि की है। लगभग चार सप्ताह पहले 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के अंतर्गत अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों के बाद बढ़ते संघर्ष के बीच यह राजनयिक प्रयास किया जा रहा है। इसके जवाब में, ईरान ने इजरायली शहरों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और होर्मुज जलडमरूमध्य से पश्चिमी देशों से जुड़े जहाजों के आवागमन को प्रभावी रूप से प्रतिबंधित किया है। इस बीच, ईरान और लेबनान पर इजरायल के हमले जारी हैं और तेल अवीव के चैनल 12 ने प्रस्ताव के प्रमुख बिंदुओं की रिपोर्ट दी, जिसमें अमे.रिकी मांगों और संभावित रियायतों दोनों की रूपरेखा दी गई है, हालांकि किसी भी सरकार ने आधिकारिक रूप से पूरा दस्तावेज जारी नहीं किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि

■ यह प्रस्ताव पाक में मध्यस्थों के माध्यम से भेजा गया था

वाशिंगटन ईरान में सही लोगों से बातचीत कर रहा है और दावा किया कि तेहरान समझौते पर पहुंचने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष 15 बिंदुओं पर सहमत हुए हैं जिनमें ईरान द्वारा परमाणु हथियार हासिल न करने की प्रतिबद्धता भी शामिल है।

ट्रम्प ने यह भी सुझाव दिया कि अगर कोई समझौता हो जाता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द ही फिर से खुल सकता है और संकेत दिया कि इस तरह की व्यवस्था के तहत ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को अमेरिका द्वारा अपने कब्जे में लिया जा सकता है। ईरानी अधिकारियों ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि वाशिंगटन के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है, जबकि संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबाफ़ ने इन रिपोर्टों को वैश्विक वित्तीय और तेल बाजारों को प्रभावित करने के उद्देश्य से फैलाई गई फर्जी खबर करार दिया। उन्होंने आगे कहा कि ईरान में जनता की भावना आक्रमणकारियों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया देने की है। दोनों पक्षों द्वारा बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए जाने के बाद, संघर्ष को कम करने के लिए बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद बातचीत के माध्यम से समाधान की संभावना अनिश्चित बनी हुई है।

ईरान की अमेरिका को दो टूक चेतावनी

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी संकट गहराता जा रहा है। इस बीच, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने बुधवार को एक बार फिर अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि जारी संघर्ष में हो रहे घटनाक्रम को कूटनीतिक कामयाबी के रूप में पेश न किया जाए। उन्होंने कहा, अपनी हार को समझौता न कहो।

जब वह नहीं चाहेंगे, तब तक कोई भी पुरानी स्थिति बहाल नहीं हो पाएगी। आईआरजीसी के खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय (केएसीएचक्यू) के प्रवक्ता ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा, अपनी हार को समझौता मत कहो। उन्होंने कहा, अब क्षेत्र में आपके निवेश की कोई खबर नहीं होगी और न ही आपको उर्जा व तेल के पहले जैसे दाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा, जब तक हम नहीं चाहेंगे, तब तक कोई भी स्थिति अपने पुराने हाल में वापस नहीं लौटेगी। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा है। एक ओर सैन्य गतिविधियां तेज हो रही हैं। वहीं, दूसरी ओर कूटनीतिक बातचीत की संभावनाओं की खबरें सामने आ रही हैं, जो पूरे क्षेत्र की स्थिति को प्रभावित कर रही हैं। आईआरजीसी के प्रवक्ता ने क्षेत्र के देशों से अपील की कि वे अमेरिका, यहूदी राष्ट्रवादी

■ कहा: जब तक हम नहीं चाहेंगे पुरानी स्थिति बहाल नहीं होगी पश्चिम एशिया में जारी संकट गहराता जा रहा

(जायनिस्ट) शासन के खिलाफ एकजुट हों। उन्होंने अमेरिकी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा, हमें किसी दूर बैठे ऐसे देश की जरूरत नहीं, जो इजरायल को प्राथमिकता देता है और आपको जानवरों की तरह समझता है।

उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या अमेरिका वास्तव में क्षेत्र के देशों की सुरक्षा के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा, क्या अमेरिकी आपकी रक्षा में एक भी गोली चलाएंगे? केएसीएचक्यू सीधे ईरान के सर्वोच्च नेता के अधीन है और यह इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईजीसी) व ईरानी सेना के बीच परिच.लन में तालमेल बनाने व नियंत्रण का काम करता है। आईआरजीसी के प्रवक्ता की ये टिप्पणियां ईरान की व्यापक रणनीति को दर्शाती हैं, जिसमें वह इस टकराव को बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में पेश कर रहा है और इस्लामी देशों से एकजुट होने की अपील कर रहा है। ईरान ने अमेरिका से बात.चीत से इन्कार किया है। ईरान ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत के दावों को खारिज किया है।

मेटा पर लगाया 3100 करोड़ का जुर्माना

न्यू मैक्सिको। अमेरिका के न्यू मैक्सिको में एक जूरी ने मेटा को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने और अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर बाल यौन शोषण से जुड़े खतरों को छिपाने का दोषी ठहराया। करीब सात हफ्ते चले इस ट्रायल के बाद आए इस फैसले को टेक कंपनियों के खिलाफ सख्ती के बढ़ते रुझान के रूप में देखा जा रहा है।

जूरी ने राज्य के अभियोजकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि मेटा (इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का मालिक) ने सुरक्षा से ज्यादा मुनाफे को प्राथमिकता दी। जूरी ने माना कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और यौन शोषण के खतरों को लेकर भ्रामक जानकारी दी और अनुचित व्यापारिक तरीकों का इस्तेमाल किया। जूरी ने पाया कि हजारों उल्लंघन हुए हैं, जिनके आधार पर 375 मिलियन डालर यानी करीब 3100 करोड़ भारतीय रुपये का जुर्माना तय किया गया, जो अभियोजन पक्ष की मांग से काफी कम है। हालांकि, कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 1.5 ट्रिलियन डालर है और फैसले के बाद उसके शेयरों में करीब 5 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। फिलहाल मेटा को तुरंत अपने कामकाज में

■ कोर्ट ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का ठहराया दोषी

बदलाव करने के लिए बाध्य नहीं किया गया है। अब यह तय करना एक जज के ऊपर होगा कि क्या मेटा के प्लेटफार्म्स सार्वजनिक नुकसान का कारण बने और क्या कंपनी को इससे जुड़े नुकसान की भरपाई करनी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई मई में होगी। मेटा के प्रवक्ता ने फैसले से असहमति जताते हुए कहा कि कंपनी इसके खिलाफ अपील करेगी। उन्होंने कहा कि मेटा अपने प्लेटफार्म्स पर लोगों को सुरक्षित रखने के लिए लगातार काम करती है और हानिकारक कंटेंट को हटाने की कोशिश करती है। यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के खिलाफ बढ़ते कानूनी मामलों में से एक है।

डेनमार्क में पीएम फ्रेडरिक्सन की पार्टी बहुमत से 6 सीट दूर

डेनमार्क। डेनमार्क में हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन को बड़ा झटका लगा है। उनकी पार्टी बहुमत के आंकड़े से 6 सीट दूर रह गई, जिससे सरकार बनाना अब मुश्किल हो गया है। फ्रेडरिक्सन की सोशल डेमोक्रेट पार्टी और उनके सहयोगी दल मिलकर 84 सीटें ही हासिल कर सके, जबकि बहुमत के लिए 90 सीटों की जरूरत होती है।

इस चुनाव में फ्रेडरिक्सन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ ग्रीनलैंड को लेकर हुए विवाद को बड़ा मुद्दा बनाया था। माना जा रहा था कि इस कड़े रुख से उन्हें चुनावी फायदा मिलेगा, लेकिन नतीजों में इसका असर नहीं दिखा। चुनाव में घरेलू मुद्दे जैसे महंगाई, अर्थव्यवस्था और

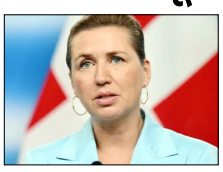

■ ट्रम्प से ग्रीनलैंड विवाद का फायदा नहीं मिला

वेलफेयर ज्यादा हावी रहे। हालांकि फ्रेडरिक्सन की पार्टी अब भी सबसे बड़ी पार्टी है और उन्होंने सरकार बनाने की इच्छा जताई है, लेकिन इसके लिए उन्हें अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। इस बीच, 14 सीटों वाली माडरेट्स पार्टी किंगमेकर की भूमिका में आ गई है, जो तय करेगी कि अगली सरकार किसकी बनेगी।

48 साल बाद जगन्नाथ मंदिर के रत्नों की गिनती शुरू

पुरी। पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार (खजाने) की गिनती और लिस्ट बनाने की प्रक्रिया 48 साल बाद बुधवार से शुरू हो गई। 'रत्न भंडार' भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के कीमती आभूषणों का खजाना है। जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के अनुसार यह काम तय शुभ समय (दोपहर 12:09 से 1:45 बजे के बीच) में शुरू किया गया। इसमें केवल अधिकृत लोगों को ही प्रवेश दिया गया। इस प्रक्रिया से मंदिर की हर दिन की पूजा-पाठ पर कोई असर नहीं पड़ेगा। श्रद्धालुओं को बाहर के बैरिकेड (बाहर कथा) से दर्शन की अनुमति है, जबकि अंदर वाले हिस्से (भीतर कथा) में इस दौरान प्रवेश बंद रखा गया है।

ईरान के साथ शांति वार्ता पर असमंजस

न्यूयार्क। ईरान और अमेरिका की शांति वार्ता पर असमंजस की स्थिति बरकरार है। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि ईरान के साथ बातचीत जारी है, जबकि ईरान की सेना ने इससे इन्कार किया है। अब इजरायल ने कहा है कि उन्हें ईरान के साथ बातचीत की कोई जानकारी नहीं है और उनका ऑपरेशन जारी है।

अमेरिका और ईरान की शांति वार्ता को लेकर असमंजस जारी है। अब संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत डैनी डैनन ने भी ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता में किसी भी भागीदारी से इन्कार किया है। संयुक्त राष्ट्र में मीडिया से बातचीत करते हुए डैनन ने कहा कि मुझे किसी भी बातचीत में हमारी भागीदारी की जानकारी नहीं है। हम अपना ऑपरेशन जारी

यूएन में बोले इजरायली राजदूतः कोई बातचीत नहीं, ऑपरेशन जारी

■ इजरायल और अमेरिका मिलकर ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं: डैनी डैनन

रखे हुए हैं। उन्होंने साफ किया कि इजरायल और अमेरिका मिलकर ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डैनन ने कहा कि किसी भी सैन्य अभियान के बाद कूटनीति जरूरी होती है, लेकिन इजरायल यह सुनिश्चित करेगा कि ईरान न तो परमाणु क्षमता हासिल कर सके और न ही बैलिस्टिक मिसा.इल क्षमता विकसित कर पाए। मुझे लगता है कि हमने बहुत कुछ हासिल कर लिया है, लेकिन ईरान इसे मानने को तैयार नहीं है। हमने ईरानी शासन को कमजोर कर दिया है, लेकिन हम ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे हालात न बनने पाएं कि ईरान को फिर से मजबूत होने का मौका मिले। इजरायली राज.दूत ने दावा किया कि इजरायल क्षेत्र में शांति और स्थिरता का पक्षधर है, जबकि ईरान का रुख इसके विपरीत है। डैनन ने आरोप लगाया कि ईरान क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने के लिए जिम्मेदार है। इजरायली राजनयिक ने कहा कि हर देश को अपने आप से पूछना चाहिए कि कौन शांति ला रहा है और कौन अराजकता? इजरायल क्षेत्र में स्थिरता लाने की कोशिश कर रहा है और ईरान इसका उल्टा कर रहा है। ईरान ने एक महीने में 13 देशों पर हमले किए हैं। इजरायल ने अपने 77 साल के इतिहास में कभी भी 13 देशों से लड़ाई नहीं की। इससे समझ सकते हैं कि ईरान अस्थिरता के लिए जिम्मेदार है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संबोधन के दौरान भी डैनन ने ईरान पर हमास जैसे संगठनों को समर्थन देने का आरोप लगाया।

1971 हत्याकांड था सुनियोजित कत्लेआमः तारिक रहमान

ढाका। बांग्लादेश में 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 1971 के हत्याकांड को सुनियोजित नरसंहार बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 का दिन बांग्लादेश के इतिहास में सबसे काले और क्रूर दिनों में से एक है, जब पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के नाम पर निहत्थे नागरिकों पर हमला किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि उस रात ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजारबाग पुलिस लाइंस समेत कई जगहों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई।

पीएम शेख हसीना ने यूनुस पर साधा निशाना

बोलीं: बांग्लादेश में अंतरिम सरकार ने किया बलिदानियों के खून का अपमान

ढाका। बांग्लादेश में 25 मार्च को शनरसंहार दिवसश के रूप में मनाया जा रहा है। हालांकि, इस बीच देश की राजनीति में उबाल आ गया है। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

हसीना ने कहा है कि जिस देश को लाखों शहीदों के खून से सींचा गया, वहां 1971 के नरसंहार के दोषियों को पुनर्वासित करने की साजिश रची जा रही है। अवामी लीग के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शेख हसीना ने एक संदेश जारी किया है। उन्होंने 1971 की उस खौफनाक रात को याद किया। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 की रात बांग्लादेशी लोगों के जीवन की सबसे भयावह रात थी। इसी रात पाकिस्तानी सेना ने 'आपरेशन सर्चलाइट' शुरू किया था। इस आपरेशन का मकसद बंगाली

■ महज 9 महीनों के भीतर 30 लाख से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया
■ बर्बरता इतनी चरम पर थी कि बंगाली इतिहास में इसके लिए कोई शब्द तक नहीं था: हसीना

समुदाय का नामोनिशान मिटाना था। हसीना ने कहा कि महज 9 महीनों के भीतर 30 लाख से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। उन्होंने कहा कि यह बर्बरता इतनी चरम पर थी कि बंगाली इतिहास में इसके लिए कोई शब्द तक नहीं था। इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे नरसंहार का नाम दिया गया। इतना ही नहीं, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद अपराधियों को सजा दिलाने का काम किया था। हसीना ने कहा कि यूनुस सरकार के कार्यकाल में न केवल ट्रायल को रोक दिया गया है, बल्कि सजायाफ्ता युद्ध अपराधियों को रिहा किया गया। हद तो तब हो गई जब मौत की सजा पाए एक युद्ध अपराधी को संसद का सदस्य तक बना दिया गया। यह उन लाखों शहीदों के बलिदान का अपमान है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में एक चलन शुरू हो गया है। अब शहीदों की यादों को मिटाने और इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने की को.शिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी विचारधारा को फिर से बांग्लादेश में थोपा जा रहा है। यह मुक्ति संग्राम की भावना पर सीधा हमला है। हसीना ने देश की जनता से अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी लोग एकजुट हों और उन ताकतों का विरोध करें जो हत्यारों का पुनर्वास कर रही हैं। हसीना के इस बयान ने बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है, खासकर ऐसे समय में जब देश अपनी आजादी के इतिहास को सहेजने और भविष्य की दिशा तय करने के बीच खड़ा है।

30 हजार फीट पर फ्लाइट में हंगामा

जयपुर। हवा में 30 हजार फीट की ऊंचाई पर मौत का खौफ और सिरफिरे उपद्रवियों का तांडव. ..यह किसी फिल्म का सीन नहीं, बल्कि इंडिगो की गुवाहाटी-दिल्ली फ्लाइट में घटी वो हकीकत है जिसने यात्रियों की सांसें अटका दी थीं।

घटना 8 मार्च की है। रात के करीब 8:30 बजे थे। इंडिगो की फ्लाइट ने गुवाहाटी से दिल्ली के लिए उड़ान भरी ही थी। तभी फ्लाइट में सवार तीन युवकों ने अचानक चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया-प्लेन क्रैश होने वाला है। इस अफवाह ने पूरे केबिन में दहशत फैला दी। सफर कर रहे बच्चे-महिलाएं डर के मारे रोने लगीं। जब एयर होस्टेस और क्रू मेंबर्स ने इन उपद्रवियों को समझाने

■ आईपीएस ने किया कंट्रोल, तीन युवक नशे में चिल्लाने लगे-प्लेन क्रैश होने वाला है, रोने लगे थे बच्चे-महिलाएं

की कोशिश की, तो वे उनसे भी उलझ गए। राजस्थान कैडर के आईपीएस पंकज चौधरी भी उसी फ्लाइट में सफर कर रहे थे। हंगामा बढ़ता देख पंकज चौधरी आरोपियों के पास पहुंचे। उन्होंने न केवल उपद्रवी युवकों को कंट्रोल किया, बल्कि फ्लाइट लैंड होते ही सीआईएसएफ बुलाकर उनके हवाले किया। पंकज चौधरी ने ने कहा कि यह कुछ विशेष घटना है। मैं पिछले 15-20 साल से हवाई यात्रा कर रहा हूं। फ्लाइट में ऐसी घटना मैंने कभी नहीं देखी।